बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 01

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. प्रारंभिक रहतिया है :–

(A) कोष के स्त्रोत (B) कोष का प्रयोग
(C) कोष का प्रवाह नही (D) इनमें से कोई नही

Opening stock is :-

(A) Source of fund (B) Application of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

2. उद्यमी के दायित्व है :–

(A) समाज के प्रति (B) सरकार के प्रति
(C) पर्यावरण के प्रति (D) उपरोक्त सभी

Responsibility of entrepreneur"s are :-

(A) Towards society (B) Towards government

(C) Towards environment (D) All of these

3. निम्न में कौन सा अवसर का प्रकार है ?

(A) प्रथम अवसर (B) अंतिम अवसर

(C) पर्यावरण में विद्यमान अवसर (D) इनमें से कोई नही

Which of following is a kind of Opportunities?

(A) First opportunities

(B) Last opportunities

(C) Existing opportunities in the environment

(D) None of these

4. परियोजना तैयार की जाती है :–

(A) प्रर्वतको के द्वारा (B) प्रबंधको के द्वारा

(C) उद्यमी के द्वारा (D) इनमें से कोई नही

Project is prepared :-

(A) By promoters B) By Managers

(C) By entrepreneur (D) By all of these

5. परियोजना प्रतिवेदन सरांश है :–

(A) तथ्यों का (B) सूचनाओं का

(C) विश्लेषण का (D) ये सभी

Project report is a summary of :-

(A) Facts (B) informations

(C) Analysis (D) All of these

6. विकास की गिरती स्थिति में :–

(A) उद्यम अपने आप को जीवित रखना कठिन पाता है

(B) उद्यम को तेज गति से हानियाँ होती है

(C) उद्यम दुकान बंद करने को अच्छा मानता है

(D) उपयुर्क्त सभी कुछ।

At decline stage of growth :-

(A) The enterprise finds it difficult to survive.

(B) The enterprise starts incurring losses at an increasing rate.

(C) The enterprise prefers to close its shutters.

(D) All of above.

7. एकीकरण से अभिप्राय है :–

(A) आंतरिक विस्तार (B) बाह्य विस्तार

(C) आंतरिक एवं बाह्य विस्तार (D) इनमें से कोई नही।

Integration means :-

(A) Expending internally

(B) Expending externally

(C) Expending internally and externally

(D) None of these

8. सामान्यतः विविधीकरण वर्गीकृत किया जाता है :–

(A) दो तरीको में (B) तीन तरीको में

(C) चार तरीको में (D) पाँच तरीको में

Generally diversification is classified in :-

(A) Two ways (B) Three ways

(C) Four ways (D) Five ways

9. मूल्य नीति होती है :–

(A) उपभोक्ता के पक्ष में (B) सरकार के पक्ष में

(C) उत्पाद निर्माता के पक्ष में (D) सभी के पक्ष में

Price Policy is :-

(A) In favour of consumer

(B) In favour of government

(C) In favour of producer manufacturing

(D) In favour of all

10. निम्न में से स्थायी लागत का उदाहरण है :–

(A) प्रत्यक्ष समाग्री लागत

(B) चार्ज योग्य लागत

(C) कार्यालय प्रबंधन का वेतन

(D) प्रत्यक्ष श्रम लागत।

Which of the following an example of fixed cost :-

(A) Direct Material cost

(B) Chargeable Expenses

(C) Salary of office manager

(D) Direct Labour cost.

11. IDBI किस वर्ष स्थापित की गई ?

(A) 1944 (B) 1954

(C) 1964 (D) 1974

IDBI was established in the year ?

(A) 1944 (B) 1954

(C) 1964 (D) 1974

12. SFC Act भारत में किस वर्ष पारित किया गया ?

(A) 1948 (B) 1949

(C) 1950 (D) 1951

SFC Act in India was passed in the year ?

(A) 1948 (B) 1949

(C) 1950 (D) 1951

13. ब्राण्ड बतलाता है –

(A) चिन्ह (B) डिजायन

(C) नाम (D) इनमें से सभी।

Brand indicates –

(A) Symbol (B) Design

(C) Name (D) All of these.

14. वर्तमान उत्पादन वास्तव में है :–

(A) प्रत्यक्ष उत्पादन (B) अप्रत्यक्ष उत्पादन

(C) प्राथमिक (D) द्वितीयक

Present Production system, infact is :–

(A) Direct Production

(B) In direct Production

(C) Primary

(D) Secondary

15. प्रबंध का सामाजिक उतरदायित्व है :–

(A) सभी के प्रति

(B) केवल कर्मचारियो कें प्रति

(C) सरकार के प्रति

(D) इनमें से कोई नही ।

The Social responsibility of management is :-

(A) Towards all

(B) Towards employee only

(C) Towards the government

(D) None of these

16. चलो का प्रयोग प्राय तकनीकी योग्यता के लिए किया जाता है :–

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 5

Variables are used for technical capability :-

(A) 2 (B) 3

(C) 4 (D) 5

17. भारत निवेश कोष द्वारा स्थापित किया गया :–

(A) आई एफ सी आई

(B) ग्रिण्डले बैंक

(C) स्टेट बैंक

(D) कैन बैंक

India investment fund was established by :-

(A) IFCI

(B) Grindlay Bank

(C) State Bank

(D) Can Bank

18. उद्यमी पूँजी में रहता है :–

(A) उच्च जोखिम

(B) साहसिक जोखिम

(C) कोई जोखिम नही

(D) इनमें से कुछ नही।

Venture Capital contains :-

(A) High Risk

(B) Venture Risk

(C) No Risk

(D) None of these

19. अंशदान :–

(A) बिक्री घटाव कुल लागत

(B) बिक्री घटाव परिर्वतनशील लागत

(C) बिक्री घटाव स्थिर लागत

(D) इनमें से कोई नही।

Contributions :-

(A) Sales less total cost

(B) Sales less variable cost

(C) Sales less fixed cost

(D) None of these

20. सम–विच्छेद बिन्दु =

(A) $\frac{\text{स्थिर लागत}}{\text{लाभ–मात्रा अनुपात}}$

(B) $\frac{\text{स्थिर लागत}}{\text{लाभ–मात्रा अनुपात}} \times 100$

(C) $\frac{\text{लाभ–मात्रा अनुपात}}{\text{स्थिर लागत}}$

(D) इनमें से कोई नही

B.E.P.=

(A) $\frac{Fixed\ cost}{P/V\ Ratio}$

(B) $\frac{Fixed\ cost}{\text{P/V Ratio}} \times 100$

(C) $\frac{P/V\ Ratio}{Fixed\ Cost}$

(D) None of these

21. आर्दश चालू अनुपात होता है

(A) 2:1 (B) 1:2

(C) 3:2 (D) 4:1

Ideal Current Ratio is –

(A) 2:1 (B) 1:2

(C) 3:2 (D) 4:1

22. स्थिर लागत में शामिल रहता है :–

(A) कच्चे माल की लागत

(B) श्रम की लागत

(C) शक्ति की लागत

(D) कारखाना की लागत

Fixed Cost includes :-

(A) Cost of raw material

(B) Cost of labour

(C) Cost of power

(D) Cost of factory

23. परियोजना आकलन होता है :–

(A) निर्यात विश्लेषण

(B) विशेषज्ञ विश्लेषण

(C) लाभदायकता विश्लेषण

(D) इनमें से कोई नही

Project appraisal is an/a :-

(A) Export Analysis
(B) Expert Analysis
(C) Profitability Analysis
(D) None of these

24. आधुनिकीकरण सुधारता है–

(A) उत्पादो को
(B) उत्पादन को
(C) प्रक्रियाओ को
(D) क्षमता को

Modernisation imporves-

(A) Products
(B) Production
(C) Process
(D) Capacity

25. जार्ज आर. टैरी के अनुसार नियोजन के प्रकार होते है :–

(A) 8 (B) 6
(C) 4 (D) 2

According to George R. Terry, the type of Planning are :-

(A) 8 (B) 6
(C) 4 (D) 2

26. एक सफल उद्यमी में अवश्य ही निम्न गुण होने चाहिए :–

(A) नेतृत्व का
(B) नियंत्रण का
(C) नर्व प्रर्वतन का
(D) इनमें से सभी।

A successful entrepreneur must possess the quality of the following :-

(A) Leadership
(B) Control
(C) Innovation
(D) All of these.

27. स्थापना में आसान है :–

(A) एकांकी व्यापार
(B) साक्षेदारी फर्म
(C) संयुक्त पूँजी कंपनी
(D) उपर्युक्त में से कोई नही।

Easy information is :-

(A) Sale Trading
(B) Partnership firm
(C) Joint stock company
(D) None of these

28. आर्थिक सहायता है :–

(A) रियायत
(B) बट्टा
(C) पुनः भुगतान
(D) इनमें से कोई नही।

Subsidy is:-

(A) Concession
(B) Discount
(C) Re-Payment
(D) None of these.

Multiple Choice Answer 1 To 28.

1) B	2) D	3) C	4) D	5) D	6) D
7) B	8) C	9) D	10) C	11) C	12) D
13) D	14) B	15) A	16) C	17) B	18) A
19) B	20) A	21) A	22) D	23) C	24) D
25) C	26) D	27) A	28) C		

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. प्रश्न– स्थिर योजना तथा एकल प्रयोग योजना में अंतर बताएँ।
   उत्तर–(1) <u>स्थिर योजना</u> :– यह योजना एक बार ही बनायी जाती है, जो उपक्रम का एक कार्य विधि समान्य संचालन के संबंध में उद्देश्य के अनुरूप नीतियो का निर्धारण करती हैं।

   (2) <u>एकल प्रयोग योजना</u> :– किसी विशेष परिस्थिति के उत्पन्न हो जने पर उसका समाधान के लिए एक प्रयोग योजना बनायी जाती है। जो कार्य पूरा हो जाने के बाद स्वतः ही समाप्त हो जाती है।

Q:- Differentiate between standing plans and singal use plans.

1. <u>Standing plans</u>:- Standing plans are used only one, or at most, couple of times, because they focus on unique or rare situation.

2. <u>Single use plans</u> :- A set of activities aimed at achieving a specific goal with in a particular budget and time period that is unlikely to be repeated in future.

2. प्रश्न– कोष–प्रवाह विवरण क्या है ?
   उत्तर– दो स्थिति विवरणो की तिथियो के मध्य व्यवसाय की तिथियों के मध्य में होने वाले परिर्वतनो का विश्लेषण करने के लिए बनाया गया विवरण कोष–प्रवाह विवरण कहलाता है।

Q:- What is Fund-flow staliment?

A:- Fund-flow statement is a statement prepared to analysise the reasons for changes in the financial positions of Company between two balance-sheet. It shows the Inflow and outflow of funds.

3. प्रश्न– पैकेजिंग के चार कार्य बताइए।
   उत्तर– पैकेजिंग के चार कार्य निम्नलिखित हैः–
   (1) उत्पाद सुरक्षा।
   (2) उत्पाद का विज्ञापन।

(3) उत्पाद की मूल्य वृद्धि।
(4) उत्पाद की छवि।

Q:- What are four works of packagings?

A:- There are followings four works of packagings:-

(1) Protection of product.
(2) Advertisement of product
(3) Increase the value of product
(4) Reputaion of product.

4. प्रश्न– परियोजना प्रतिवेदन की क्या विशेषताएँ है ?

उत्तर–परियोजना प्रतिवेदन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित है :–

1. यह परियोजना का एक विस्तृत प्रलेख होता है जिसमें परियोजना का संपूर्ण विवरण दिया होता है।
2. परियोजना प्रतिवेदन तब तैयार किया जाता है जबकि परियोजना में लगने वाली प्रारंभिक बाधाओं को पार कर लिया जाता है तथा परियोजना की आवश्यकता अनुभव की जाने लगती है।

Q:- What are the characteristics of Project Report?

A:- There are following characteristics of Project Report:-

1. Project Report is a comprehensive thesis of a project with a complete detail of it.
2. Project Report is prepared after when all the initial probable hurdles are crossed and the need of a project realised.

5. प्रश्न – स्थिर लागत एवं परिर्वतनशील लागत में अंतर बताइये।

उत्तर– (1)<u>स्थिर लागत</u> :– वह लागत है, जिसमें उत्पाद की मात्रा में परिर्वतन होने पर भी कोई परिर्वतन नही होता है।

(2)<u>परिवर्तनशील लागत</u> :– वह लागत है, जिसमें उत्पादन की मात्रा में परिर्वतन होने पर परिर्वतित होती रहती है। वह लागत उत्पति के परिर्वतनशील लागत के प्रयोग के उत्पन्न होती है।

Q:- What is difference between fixed cost and variable cost?

1. Fixed cost :- A fixed cost is a cost that does not change with an increase or decrease in the amount of goods, services produced or sold.
2. Variable cost:- A variable cost is a cost that varies in the relation to change in the volume of activity.

6. प्रश्न– विपणन की अवधारणा को बताइये।

उत्तर– विपणन वह प्रक्रिया है, जिसकें अंतर्गत मूल्यवान वस्तुओ अथवा सेवाओ को उत्पन्न किया जाता है तथा दूसरे के साथ स्वतंत्रता पूर्वक व्यवहार करके आवश्यकताओ को संतुष्ट किया जाता है।

Q:- What is marketing?

A:- The management process through which goods and services, move from concept to the customer, marketing is based on thinking about the business in term of customer needs and their satisfaction .

7. प्रश्न– लागत को परिभाषित करें।
उत्तर :– किसी भी वस्तु के लिए जो रकम लगती है एवं विभिन्न प्रकार के सामाग्रियां और खर्चो का उपयोग करके उत्पादन प्राप्त किया जाता है। सामाग्रियों के मूल्य उत्पादन और कुल खर्चो के योग को लागत कहते है।

Q:- Define Cost.

A:- An amount that has to be paid or given up in order to get something. In business cost is usually a monetary valuation, material resources, time and utilities consumed that called cost.

****

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. प्रश्न– प्रबंध के कार्यो पर प्रकाश डालें।

उत्तर :– प्रबंध के कार्यो का प्रतिपादन सर्वप्रथम सन् 1916 में हेनरी फेयोल(Henry Fayol) के अनुसार "प्रबंध करने का आशय पूर्वानुमान एवं आयोजक बनाना, संगठन करना, आदेश देना, समन्वय करना तथा नियंत्रण करने से है।" इस प्रकार फेयोल के अनुसार प्रबंध के निम्नांकित पाँच कार्य है :–

1. नियोजन– Planning
2. संगठन– Organisation
3. नियुक्तियाँ– Staffing
4. निर्देशन– Direction
5. नियंत्रण– Controlling

प्रबंध के कार्यो के संबंध में फेयोल की इस विचारधारा से प्रभावित होकर लूथर गुलिक ने अमेरिका की एक संस्था 'राष्ट्रीय लोक प्रशासन संस्थान' के प्रथम संचालक थे, प्रबंध के साथ कार्यो की सूची तैयार की। उन्होने इसके लिए "PODSCRB" नामक एक संकेत शब्द का प्रतिपादन किया।

प्रबंध के ये 7 कार्य निम्नलिखित है :–

1. पूर्वानुमान बनाना(To forecast)
2. आयोजक बनाना (To plan.)
3. संगठन बनाना (To organize)
4. आदेश देना (To command)
5. समन्वय करना (To co-ordinate)
6. सूचना देना (To Reporting)
7. बजटिंग (Budgeting)

1. नियोजन (Planning) :- नियोजन प्रबंध का आधारभूत कार्य है। नियोजन संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्य की दिशा निर्धारित करने में सहायक होता है बिना निश्चित योजना के कार्य प्रारंभ करना एक प्रकार से अनिश्चिता एवं असफलताओ को न्यौता देना होता है। जार्ज आर. टैरी के अनुसार "नियोजन भविष्य के गर्भ में देखने की विधि अथवा तकनीक है। अतः नियोजन करने के पूर्व सोचने की प्रक्रिया है। वह कार्य करने के पूर्व सोचता है। इसके अपनाये अन्य प्रबंधकीय कार्य जैसे–संगठन, कार्मिक व्यवस्था (Personnel Management) निर्देशन, समन्वय एवं नियंत्रण नियोजन के पश्चात आते है।
2. संगठन(Ogranisation):- प्रत्येक व्यावसायिक उद्यम के अपने विभिन्न कार्यो के निष्पादन हेतु अनेक व्यक्तियो की सेवाओ की आवश्यकता होती है। प्रबंध समस्त कार्मिकों को लक्ष्य निर्धारित करता है। प्रत्येक

व्यक्ति की शक्ति उद्यम के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु व्यवस्थित की जाती है। संगठन के कार्यो के अंतर्गत उत्पादन के अन्य घटकों तथा व्यक्ति, सामाग्री, मुद्रा एवं मशीनो आदि की क्रियाओ को व्यवस्थित, निर्देशित, समन्वित एवं नियंत्रित करना तथा उद्यम के उद्देश्यो को प्राप्त करना है।

3. नियुक्तियाँ (Staffing):- प्रबंध का महत्वपूर्ण कार्य कर्मचारियो की नियुक्ति करना, नियुक्तियाँ करना प्रबंध का प्रशासनिक कार्य है जिसका अर्थ है–संगठन की योजनानुसार आवश्यक पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति करना, उसको आवश्यक प्रशिक्षण करना ह, पदोन्नति, सेवा मुक्ति एवं स्थानान्तरण आदि की व्यवस्था करना। जिस उपक्रम के कर्मचारी जितने निपुण, अनुभवी एवं प्रशिक्षत होगें, उपक्रम का कार्यकलाप उतना ही प्रभावी होगा। ऐसा होनें से।
4. निर्देशन (Directing) :- प्रबंध मूलतः व्यक्तियों के साथ कार्य कराने व करने की कला है। अन्य शब्दों में, निर्देशन का अर्थ मार्ग–दर्शन, शिक्षण, अभिप्रेरणा एवं सदस्यो द्वारा कार्यो को कुशलता से प्राप्त करने हेतु अभिप्ररित है। निर्देशन का संबंध कर्मचारियो को बतलाना है कि कार्य क्या एवं किस प्रकार करें। कुछ विद्वानों जैसे जार्ज आर. टैरी ने निर्देशन के स्थान पर गति देना(Actuating) शब्द का प्रयोग किया है। जिसका आशय है 'क्रिया में परिणत करना तथा समूह को प्रेरणात्मक शक्ति प्रदान करना।
निर्देशन के अंर्तगत निम्न क्रियाओ को सम्मिलित किया जाता हैः–

(1) पर्यवेक्षण (Supervision) :- पर्यवेक्षण का अर्थ है अधीनस्थों के कार्यो पर निगरानी रखना। पर्यवेक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि अधीनस्थ दिये गए निर्देशो का पालन कर रहे है या नही।

(2) सम्प्रेषण (Communication) :- यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंर्तगत सूचना एवं समझ को एक बात व्यक्ति से दूसरे व्यक्तियों तक पहुँचाया जाता है। प्रबंध को बताना पड़ता है कि उन्हे क्या करना है और कैसे करना है। अतः आवश्यक है कि प्रबंध एक प्रभावशली संदेशवाहक प्रणाली विकसित करें।

(3) नेतृत्व (Leadership) :- यह एक प्रक्रिया है जिसके अंर्तगत प्रबंधक अपने अधीनस्थों के व्यवहार को निर्देशित तथा प्रभावित करता है। प्रबंधक अपनी व्यवहार कुशलता से ही संगठन के उद्देश्यो की प्राप्ति के लिए अपने अधीनस्थों को सहयोग प्राप्त करनें में सफल हो जाता है।

(4) अभिप्रेरणा (Motivation) :- अभिप्रेरणा का अभिप्राय आधीनस्थों को प्रेरित करने से है ताकि वे संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उत्साह पूर्वक कार्य करें। वित्तिय प्रेरणाएँ अभिप्रेरण के अच्छे साधन होती है।

(5) नियंत्रण (Controling) :-नियंत्रण को यह सुनिश्चित करना है कि कार्य कितना निष्पादित किया जाना है। निष्पादन का मूल्यांकन तथा आवश्यकता पडने पर, संशोधनात्मक कार्यवाही करना ताकि निष्पादन योजना प्राप्त हो, के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। नियंत्रण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्रक्रिया अपनी नीतियो का अनुपालन करवाता है तथा निष्पादन के पूर्व निर्धारित लक्ष्यों के अपूर्ण रहने पर संशोधनात्मक कार्यवाही करना सम्मिलित है। नियंत्रण का मुख्य उद्देश्य यह निश्चित करना है कि क्रिया अपेक्षित परिणाम प्राप्ति की ओर अग्रसर हैः–

नियंत्रण प्रक्रिया में निम्नांकित कार्य आते है–

i. निष्पादन के मापदण्डों की स्थापना करना।
ii. वास्तविक निष्पादन का मापन।
iii. वास्तविक कार्य की प्रमाण से तुलना करना।
iv. संशोधनात्मक कार्यवाही अथवा उपचार करना।

Q:- Discuss the functions of Management.

A:- According to the father of Management Peter F. Drucker, "Management is a multipurpose organ that manages a business, manages managers and manages workers and work." Different scholars have different openions regarding the function of management like they are at variance on the definition of management. The subjects of the management functions were taken up in 1916 by Henry Fayol. According to his opinion, management refers to the forecast and pre-determind projection, Planning, Organising, directing, to-ordinating and controlling. Accordingly, Fayol has described the following five areas of activities for the management :-

1. To forecast and plan

2. To organise
3. To command
4. To co-ordinate
5. Control

With regards to the functions of management getting impressed with Fayol"s ideology. Luther Gulick, the first chairman of the American "National Public Administrative Institution," has prepared a list of seven functions of management in term of "PODSCORB" is the following sequence :-

1. Planning
2. Organisation
3. Operating
4. Staffing
5. Co-ordinating
6. Reporting
7. Budgeting.

Harold simdi opines the four functions is terms of "POIM-

1. Planning
2. Organisating
3. Integration and
4. Measuring

Nylce has said that co-ordination and organising are only two tasks of management.

1. Planning :- The first task is to determine as what to do, why to do , where to do, how to do and by whom it is done taking all these points into consideration, the management has to plan a programme by determining the objectives and planning. Besides it, a course of action is also chartered for encounting the adverse conditions. Without any definite and concreate planning to start a venture means to invite to uncertainties and failures.
2. Organising:- After determining the objectives as planned the second phase is taught with the problems of executions which is got encountered by the organisation through its management. Here the organisation refers to the medium or instrument by which the objectives are to be accomplished as determined through planning. These planning of an organisation however may be very attractive and good, yet for want of a proper execution can prove to be a tiasco.
3. Staffing :- The first and foremost function of management is to make approintments of the employees. To appoint staff is the administrative function of the managements which means to make appointment of various employees as planned in the organization, to provide them adequate tranning, promotion, motivation, retirement and transfer facilitated etc where are also to be there are efficient employees and dedicated workers the should will be organisation with the efficient management.More efficient is the work-force, stronger should be the organisation, otherwise in absence of which, the management is rendered incapicitated.

4. Directing :- Directing is the most important task of management which is directing and conducting various activities. Management basically is doing and getting done along with other and such as an art. For getting things done through others, it is imperative to give them directions for carrying out certain actions for the fulfilment of objectives. Here, directing refers to making other understand as what have they to do, how to do and this is also to be seen whether they are performing their duties as per the norms or not. Directing is the most significant task of management which gives may to a collective endeavour and transforms the management decesion into actuality and also paves the way to the fulfilment of the organisational objectives.

In directing four kinds of activities are included:-

i. Supervision :- It aims at keeping an eye on the activities of the subordinate employees. Supervision task is to see to it whether or not the employees at lower rank are complying with the directions and the supply of the raw material, machinery are being propsly utilised or not.

ii. Communication :-It is such a process through which any information is passed on from one person to the other. A manager needs to inform to him subordinate that what is expected of him as what he is expected to do and how should he do it.

iii. Leadership :- It is a process in which the management through an effective leadership has to ensure a good behavioural pattern on the part of the employees by directing a code of conduct. Management also solicits co-operation and support from its work force for the realization of the organization objectives.

iv. Motivation :- It means to encourage or inspire the subordinate employee. So that they should enthusiastically participale in the orginisational affairs and perform to the best of their …for the facilitating the realization of goal of their enterprise.

v. Controlling :- A layman takes management for controlling and vice-verse. To him, a man who supervises a task which is already done and tries to see it accuracy and precision and whether or not its is satisfactory done, being a member of the management he inforces the decision.

9.. उद्यमी के प्रति समाज के उत्तरदायित्वों का वर्णन करें।

Describe the responsibility of the society towards an enterperneur.

उत्तर :– ताली एक हाथ से नही बजती अर्थात् जब समाज उद्यमी से अनेक अपेक्षाएँ रखता है तो समाज को भी चाहिए िकवह साहसी के प्रति संवेदनशील रहे और इसके उत्तरोतर विकास में सहयोग दें। दोनो पक्ष अपने–अपने दायित्व को ठीक से समझकर इसका निर्वहन करे तो दोनो ही लाभान्वित होगें। अतः इस दायित्व में निम्नांकित बातों को ध्यान रखना चाहिए :–

1. व्यवसाय के कर्मचारी को इस विचार से कार्य करने चाहिए कि व्यवसाय हित सुरक्षित रहे। हमेशा स्वयं के लाभ से परे संस्था का लाभ भी देखना चाहिए। अनावश्यक दृढता, घेराबंदी, काम रोको आदि से परहेज रखना चाहिए।
2. यह बात सही है कि उपभोक्ता बाजार का राजा है जिसके प्रति साहसी का असीम दायित्व बनता है, किन्तु उपभोक्ता रूपी राजा को साहसी का मान–मर्यादा, मजबूरियाँ आदि समझते हुए टकराव के बदले समझौते का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

3. आपूर्तिकर्ता का यह दायित्व होता है कि साहसी द्वारा किये गये कच्चे माल/समान/उपकरण आदि की आपूर्ति सही किस्म, सही वजन, सही दाम और सही समय पर करता रहे। कोई माल खराब निकल गया हो तो उसे वापस लेने को तैयार रहना चाहिए।
4. वित्तीय संस्थाओं या अन्य श्रमदाताओं का भी यह दायित्व है कि साहसी को कम–से–कम ब्याज की दर पर अधिक से अधिक ऋण सुविधा प्रदान करके उसके विकास में अपना योगदान दें।
5. सरकार को यह देखना चाहिए कि साहसी के विकास में कोई नीति रोडा नही बने क्योकि साहसी ही विकास का दूत (Angle) होता है। अतः हर कदम पर उसके विकास के मार्ग को प्रशस्त बनाते रहना होगा।
6. उपक्रम के स्थानीय लोगो को भी साहसी के साथ सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए। उन्हे यह समझना चाहिए कि जो भी उपक्रम उनके क्षेत्र में लगता है, उसमें उनका दीर्घकालीन लाभ शामिल होता है।

Clapping always involves both the hands or since when the society has a lot of expectations force the entrepreneur, the society must reciprocal him in the same vein by being sensitive to the aspirations of an enterepeneur by means of extending into whole-heartebly support to him in the development of his venture. Both the sides being conscious to their mutual responsibilities to each other similarly the society, too, owes some responsibilities to the entrepreneur by taking into consideration the following factors :-

1. An employee of an organisation ought to work in a manner that the organizational interest be safeguarded. One must be careful and concerned with not only his benefit rather of the company, too. He must refrain from unnecessary obstinancy, gherao, stop work etc.
2. It is also true that the customer is the ruler of the market and an eutrepreneur has a lot of responsibilities towards him but the ruling customer rather them being a deterrent and contradictory to the prestige, social status and certain compulsions, should adopt a co-operative stand towards the entrepreneur.
3. It is the responsibilities of the suppliers to ensure the timely supply of raw materials, products equipments etc. in genuine quantity, at right price and well in time. If some item is found defective they must be ready to take it back.
4. It is responsibilities of the financial agencies or other financers to provide him finance at the minimum rate of interest and the finance should also be provided sufficiently to contribute generously for the development of his business.
5. The government should also see to it that no policy, such as should prove to be deteriminental in the development of the entrepreneur is business because it is the entrepreneur who is an angle of development.
6. Even the local people of the project ought to adopt a co-operative attitude towards the entrepreneur. They should also understand that if any project is set up in their area, it will yield them a long term benefit.

10 प्रशासन तथा प्रबंध में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Differcentiate between Administration & Management.

क्रम सं0	अंतर का आधार	प्रशासन	प्रबंध
1.	प्रभावित करने वाले घटक	प्रशासन बाहरी घटको जैसे सामूहिक राजनैतिक अथवा जनसाधारण की शक्ति से अधिक प्रभावित होता है।	प्रबंध मानव शक्ति द्वारा अधिक प्रभावित होता है।
2.	स्वामी व सेवक का संबंध	प्रशासन उद्योग का स्वामी होता है जो उसे आवश्यक पूँजी प्रदान करके उसपर प्रतिफल के रूप में लाभ प्राप्त करता है।	प्रबंध प्रशासन का सेवक होता है जो उसके आदेशानुसार कार्य करता है और अपनी सेंवाओं के बदले में पारिश्रमिक का कुछ भाग प्राप्त करता है।
3.	प्रबंधकीय स्तर	प्रशासन से आशय शीर्ष अथवा सर्वोच्च प्रबंधकीय स्तर से है।	प्रबंध से आशय मध्यम एवं निम्न स्तरीय प्रबंधकीय स्तर से है।
4.	निर्णयात्मक बनाम क्रियान्वयन संबंधी कार्य	प्रशासन एक निर्णयात्मक कार्य है।	प्रबंध एक क्रियान्वयन कार्य है।
5.	संगठन संरचना	प्रशासन संस्था के संगठन की संरचना का निर्धारण करता है।	प्रबंध प्रशासन द्वारा निर्धारित संगठन संरचना की स्थापना करता है।
6.	निर्देशन	प्रशासन निर्देशन प्रदान करता है।	प्रबंध यह देखता है कि कर्मचारी गण निर्देशन के अनुसार कार्य करें।

1	Factors exerting influence	External factor i.e. collective, polilical and power of common masses do enfluence the administration.	Management gets more affected by the power of human resources.
2.	Master-servant relationship	Administration is the master of business and by providing it the financial assistance, earns profit in its return.	Management is in service of the administraton and acts upon accordingly and gets a part of profit for the services rendered by it.
3.	Management level	It refers to the title and top level of management	Here the management refers to the middle or lower of management
4.	Determinative V/S executive function	Administration"s function is determinative.	It has executive function
5.	Structure of orgnisation	Administration determines the structure of organisation.	Management establishes the structure, determined by the administration.
6.	Directing	Administration issues directions	It is the task of administration to ensure compliance of the directions by the employees at various level.

11. संक्षेप में अर्थ लिखिए।

Write the meaning in brief.

ब्राण्ड अथवा छाप (Brand or Branding)

1. उत्पादको अथवा निर्माताओं द्वारा अपने उत्पाद की पहचान के लिए जिस व्यापारिक चिह्न का उपयोग किया जाता है वह ब्राण्ड कहलाता है। ब्राण्ड के अंर्तगत उत्पाद का नाम अथवा उसकी पहचान कराने वाला कोई शब्द, अक्षर, प्रतीक, डिजाइन, चिह्न आदि सम्मिलित किये जाते है।
2. लेबलिंग(Labeling) :– लेबलिंग से आशय ऐसी चिट या कागज या सील से है जिसके द्वारा उत्पाद के बारे में महत्वपूर्ण सूचनाएँ दी जाती है। लेबल पैकिंग का ही एक भाग है और या तो पैकिंग वाले डिब्बे, थैले पर ही ये सूचनाएँ छाप दी जाती है या फिर अलग से कोई चिट या कागज लगा दिया जाता है।
3. ट्रेड़मार्क(Trademark) :– सामान्यतः व्यक्ति की दृष्टि में ब्राण्ड या ट्रेडमार्क दोनो एक ही सिक्के के दो पहलू है। इन दोनो में कोई अंतर नही है किन्तु यदि हम व्यापक रूप से अध्ययन करे तो प्रतीत होगा कि इन दोनो में अंतर है। ट्रेडमार्क एक ब्राण्ड है जिसे वैधानिक संरक्षण प्राप्त होता है। जब किसी ब्राण्ड का सरकार में पंजीयन करा लिया जाता है तो वह ट्रेडमार्क बन जाता है।
4. पैकेजिंग(Packaging) :–आधुनिक युग में पैकेजिंग का महत्वपूर्ण स्थान है। पैकेजिंग एक ओर तो उत्पाद को सुरक्षा प्रदान करता है और दूसरी ओर उसके आर्कषण में वृद्धि करता है। सामान्य अर्थ में, "पैकेजिंग से आशय किसी उत्पाद को किसी अन्य वस्तु में सुरक्षा के साथ रखा जाता है ताकि उसके बाहरी आवरण पर उत्पाद का नाम एवं ब्राण्ड आदि चिन्हित किया जाता है।

Brand or Branding

1. Brand & Branding:- The manufactures or products use a trademarks in order to give a distinct identity to their products, which is known as "Brand".Brand refers to the product name or any word, a sign, a letter, a design sign etc.
2. Labeling:- labeling refers to such a piece of paper or a seal by the help of which the important informations pertaining to a product are given, label is a manifestation of packaging or on a box packaging or on a bag, these pertinent information are printed or a separate piece of paper is enclosed inside the pack.
3. Trademark:- To a layman brand and trademark are like two sides of a coin, without any distinction, but if it is meticulously studied, the difference become conspicuous. Trademark is a brand , which preserves its legitimate reserved right. When a brand is got registered by government, it becomes a trademark.
4. Packaging :- In the modern age the importance of packaging is gradually increasing day-by-day. On the other hand, packaging provides safety and security to the product.

   In common term, packaging refers to a thing that contains a product inside or wrapped around , with its brand or name printed on the package.

****

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 02

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. ज्ञान अर्जन प्रक्रिया में शामिल होते है :–
   (A) संचालन (B) मनोभाव
   (C) अनुक्रिया (D) उपर्युक्त सभी

   Learning Process involves:-
   (A) Drive (B) Cue
   (C) Response (D) All of these

2. उपक्रम का चुनाव करते समय ध्यान देने योग्य बिन्दु है :–
   (A) उत्पाद (B) विपणन
   (C) पूँजी की उपलब्धता (D) इनमें से कोई नही
   The Point which Considered while selecting an enterprise is:-
   (A) Product (B) Marketing
   (C) Availabity of capital (D) None of these

3. यदि उत्पादन छोटे पैमाने पर करना हो तो एक उद्यमी व्यवसाय के किस प्रारूप को पसंद करता है ?
(A) एकांकी व्यापार (B) साक्षेदारी
(C) कंपनी (D) इनमें से कोई

An Entrepreneur prefers which form of organization if production is to be undertaken on small scale basis ?
(A) Sole Trade (B)Partnership
(C) Company (D) None of these

4. नियोजन है :–
(A) आवश्यक (B) अनावश्य
(C) समय की बर्बादी (D) धन की बर्बादी

Planning is:-
(A) Necessary (B) Unnecessary
(C) Wastage of time (D) Wastage of money

5. एक अच्छी योजना होती है :–
(A) खर्चीली (B) समय लेने वाली
(C) लोचपूर्ण (D) संकीर्ण

A good plan is:-
(A) Expensive (B) Time consuming
(C) Flexible (D) Rigid

6. एक परियोजना है :–
(A) गतिविधियो का समूह
(B) एकल गतिविधि
(C) असंख्य गतिविधियो का समूह
(D) इनमें से कोई नही

Project is :-
(A) Cluster of activities
(B) Single activity
(C) Group of innumerable activities
(D) None of these

7. DPR है :–
(A) कार्य योजना (B) कार्यवाही योजना
(C) क्रियान्वयन योजना (D) उपर्युक्त में से कोई नही

DPR is :-
(A) Working Plan (B) Action Plan
(C) Implementation Plan (D) None of these

8. शुद्ध कार्यशील पूँजी का अर्थ है :–
(A) चालू सम्पतियाँ – चालू दायित्व
(B) चालू सम्पतियाँ + चालू दायित्व
(C) चालू दायित्व – चालू सम्पतियाँ
(D) उपर्युक्त में से कोई नही

Net working capital means:-
(A) C.A. – C.L.
(B) C.A. + C.L.
(C) C.L. – C.A.
(D) None of these

9. अंतिम रहतिया है :–
(A) कोष के स्त्रोत (B) कोष का प्रयोग
(C) कोष का प्रवाह (D) इनमें से कोई नही

Closing stock is :-
(A) Source of fund (B) Application of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

10. अंश अधिमूल्य में वृद्धि है :–
(A) कोष के स्त्रोत (B) कोष का प्रयोग
(C) कोष का प्रवाह (D) इनमें से कोई नही

Increase in share premium is :-
(A) Source of fund (B) Application of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

11. चालू अनुपात होता है :–
(A) आर्थिक चिट्ठा अनुपात (B) लाभ–हानि अनुपात
(C) मिश्रित अनुपात (D) इनमें से कोई नही

Current Ration is:-
(A) Balance sheet Ratio (B) P/L Ratio
(C) Composite Ratio (D) None of these

12. सुरक्षा सीमा :–
(A) बिक्री घटाव अंशदान
(B) वास्तविक बिक्री घटाव
(C) B.E.P. पर बिक्री घटाव वास्तविक बिक्री
(D) इनमें से कोई नही

Margin of safety: _
(A) Sales less contribution
(B) Actual sales less B.E.P. sales

(C) B.E.P. sales less actual
(D) None of these

13. भारत सरकार द्वारा निर्गमित दिशा–निर्देशों के अनुसार साहसिक पूँजी कोष के लिए ऋण–समता अनुपात निम्न है :–
(A) 1.5 (B) 2.0
(C) 0.5 (D) 2.5

According to guidelines issued by government, debt-equity ratio for venture capital fund is :-
(A) 1.5 (B) 2.0
(C) 0.5 (D) 2.5

14. श्रम–गहन प्रौद्योगिकी उपर्युक्त है क्योकि इसका संबंध है :–
(A) प्रकृति में अविचलन
(B) प्रकृति में गतिशील
(C) प्रकृति में रूकी हुई
(D) उपर्युक्त सभी।

Labour-intensive technique is appropriate because it relates with-
(A) Unstable Nature
(B) Movable Nature
(C) Constant Nature
(D) All of these

15. "प्रबंध एक पेशा है।" यह कथन है :–
(A) जार्ज आर. टैरी (B) अमेरिकन प्रबंध ऐसोसिएशन
(C) हेनरी फेयोल (D) इनमें से कोई नही।

"Management is a Profession." This statement is of :-
(A) George R. Terry (B) American management association
(C) Henry Fayol (D) None of these

16. विपणन पर व्यय किया गया धन है :–
(A) बर्बादी
(B) अनावश्यक व्यय
(C) ग्राहको पर भार
(D) विनियोजन

Money spent on marketing is:-
(A) Wastage
(B) Unnecessary
(C) Burden on the customers
(D) Investment

17. विपणन अवधारणा है :–

(A) उत्पादोन्मुखी (B) विक्रयोन्मुखी

(C) ग्राहकोन्मुखी (D) ये तीनों।

Marketing concept is :-

(A) Production – oriented

(B) Sales – oriented

(C) Customer – oriented

(D) All of these

18. IFCI स्थापित की गई, वर्ष में :–

(A) 1939 (B) 1948

(C) 1950 (D) 1956

IFCI was established in the year :-

(A) 1939 (B) 1948

(C) 1950 (D) 1956

19. टेलीफोन व्यय है :–

(A) स्थायी (B) चल

(C) अर्द्ध–चल (D) इनमें से कोई नही।

Telephone Expense is:-

(A) Fixed (B) Variable

(C) Semi-Variable (D) None of these

20. समामेलन का अर्थ है :–

(A) एक संगठन द्वारा दूसरे संगठन को ले लेना

(B) छो या अधिक व्यवसायों का मिश्रण

(C) अन्य संगठन में नियंत्रक अंश प्राप्त करना

(D) उपर्युक्त में से कोई नही।

Marger means :-

(A) Taking over one organization by another organization

(B) Combination of two or more business

(C) Acquiring controlling interest in the other organization

(D) None of above.

21. प्रबंध क्या है :–

(A) कला (B) विज्ञान

(C) कला और विज्ञान दोनो (D) इनमें से कोई नही।

Management is :-

(A) Art (B) Science

(C) Art and Science (D) None of these

22. लेबलिंग क्या है :–

(A) अनिवार्य (B) आवश्यक
(C) ऐच्छिक (D) धन की बर्बादी।

Labeling is:-
(A) Compulsory (B) Necessary
(C) Voluntary (D) Wastage of money

23. सबसे अधिक व्यापक श्रेत्र है :–
(A) ब्राण्ड (B) लेबलिंग
(C) पैकेजिंग (D) व्यापार मार्क।

Maximum wide scope is of:-
(A) Brand (B) Labeling
(C) Packing (D) Trade mark.

24. विज्ञापन का उद्देश्य है :–
(A) सम्भावित क्रेताओं को आर्कषित करना
(B) ग्राहक को सूचना देना और मार्गदर्शन करना
(C) उत्पादो का प्रचार करना
(D) इनमें से कोई नही।

The purpose of advertisement is :-
(A) To attract potential buyers
(B) To inform and guide customers
(C) To make publicity of product
(D) All of the above

25. दीर्घकाल ऋण पर होता है :–
(A) स्थिर ब्याज दर
(B) परिर्वतनशील ब्याज दर
(C) शून्य ब्याज दर
(D) डपर्युक्त में से कोई नही।

Long –term loan bears:-
(A) Fixed rate of interest
(B) Flexible rate of interest
(C) Zero rate of interest
(D) None of above

26. कार्यशील पूँजी वर्गीकृत हो सकती है :–
(A) स्थायी कार्यशील पूँजी
(B) परिर्वतनशील कार्यशील पूँजी
(C) नियमित एवं मौसमी कार्यशील पूँजी
(D) उपर्युक्त सभी।

Working capital may be classified into:-

(A) Permanent working capital
(B) Variable working capital
(C) Regular and seasonal working capital
(D) All of the above

27. नियोजन होता है :–

(A) अल्पकालीन (B) मध्यकालीन
(C) दीर्घकालीन (D) सभी अवधियों के लिए।

Planning is :-

(A) Short – term (B) Middle – term
(C) Long – term (D) For all term.

28. "नियोजन भविष्य को पकड़ने के लिए बनाया गया पिंजरा है।" यह कथन है :–

(A) न्यूमैन (B) हर्ले
(C) ऐलन (D) टैरी

"A Plan is a trap to capture the future." This statement is of:-

(A) Newman (B) Hurley
(C) Allen (D) Terry

Multiple Choice Answer 1 To 28.

1) D	2) C	3) A	4) A	5) C	6) A
7) B	8) A	9) A	10) A	11) A	12) B
13) A	14) A	15) B	16) D	17) D	18) B
19) C	20) B	21) C	22) B	23) C	24) D
25) A	26) D	27) D	28) C		

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. सम–विच्छेद बिन्दु क्या है ?

What is Break-Even point?

जब उद्यमी नया व्यवसाय प्रारंभ करता है तो शुरूआत में उसे लाभ नही होता है, बल्कि कुछ दिनो तक उसे लाभ नही होता है और ना ही हानि होता है, जिसे सम–विच्छेद बिन्दु कहा जाता है।

In economics and business, specifically cost accounting the Break-Even point is the point at which cost or expenses and revenue are equal. There is no net loss or gain and one has “broken even point.”

2. अवसर कितने प्रकार के होते है ?

How many types of opportunities?

सामान्य स्थिति में अवसर दो प्रकार के होते है :–

i. पर्यावरण में विद्यमान अवसर :– कुछ अवसर ऐसे होते है, जो पहले से ही पर्यावरण में मौजूद है, जैसे–कागज, कपड़ा, जूता इत्यादि। बस इनमें कुछ बदलाव लाना होता है।
ii. निर्मित अवसर :– ऐसे अवसर जो पहले से मौजूद नही होते हैए इन्हे परिस्थिति के अनुसार उत्पन्न किये जाते है। जैसे–टेलिविजन, कम्प्यूटर इत्यादि।

In normal ways there are two types of opportunities:-

i. Existing opportunities in the environment: - Some opportunities are exist in our environment like there is need for some changes.
ii. Created opportunities:- Those opportunities which does not exist hence we have to create in depended on situation. Like- T.V., Computer etc.

3. पर्यावरण के मुख्य कितने प्रकार है ?

How many types of Environment?

पर्यावरण मुख्यतः दो प्रकार के होते हैः–

i. आंतरिक पर्यावरण :– आंतरिक पर्यावरण के अंर्तगत वे घटक आते है, जिन पर साहसी का नियंत्रण हो। जैसे–भूमि, उत्पादन, पूँजी, श्रम इत्यादि।
ii. बाहरी पर्यावरणः– इनके अंर्तगत वे घटक आते है, जिन पर साहसी का कोई नियंत्रण नही आते है। जैसे– प्रतियोगिता, ग्राहक, तकनीकी इत्यादि।

There are two types of Environment:-

1. Internal Environment: - Those types of environment which has full control of entrepreneur i.e., land, production, capital, labour etc.
2. External Environment: - Those types of environment which has no control of entrepreneur such as competition, customer etc.

4. उत्पाद मिश्रण क्या है ?

What is Product Mix?

उत्पाद मिश्रण से आशय किसी भौतिक वस्तु या सेवा से है। जिससे क्रेता की आवश्यकताओं की संतुष्टी होती है। यह जिसमें उत्पादन अंगो का विवेचन एवं निर्णयण होता है।

Product mix also known as assortment refers to the total number of product linear that a company offers to its customer.

5. कारखाना लागत क्या है ?

What is Factory cost?

कच्चा माल श्रम की सहायता से कारखानों में विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरते हुए पक्के माल में बदलता है, इस स्तर पर अर्थात् कारखानों में जो भी खर्च होता है, उसे कारखाना उपरिव्यय कहा जाता है, तो यह कारखाना लागत कहा जाता है।

Factory cost refers to the total cost required to manufacture goods. This concept is the basis for several cost accounting analysis that is called factory cost.

6. ब्राण्ड क्या है ?

What is Brand?

उत्पादकों अथवा निर्माताओं द्वारा अपने उत्पाद की पहचान के लिए जिस व्यापारिक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है, उसे ब्राण्ड कहा जाता है। जिसके अंर्तगत कोई शब्द, अक्षर, प्रतीक, डिजाइन इत्यादि शामिल हो सकते है।

A brand is a product services or concept that is decided by entrepreneur and use with product name. Brand may be word, alphabet, symbol, design etc.

7. आधुनिकीकरण क्या है ?

What is Modernisation?

समय के दौर में बने रहने के लिए साहसी को अपने उत्पाद को आधुनिक बनाते रहना होगा। यह उत्पाद के रंग, किस्म, आकार, डिजाइन का प्रयोग किया जा सकता है। इस नीति से एक ओर जहाँ प्रति इकाई लागत कम होगी वही ग्राहकों की नवीनतम पसंद की आपूर्ति बनी रहेगी।

Product companies are always looking to be on the top of marketing so it is very necessary to improve in product. Improved in product in ways of colour, variety, size etc. In that case the cost of product is reduced and demand of customer impressed.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. अवसर और साहसी के बीच क्या संबंध है ?

What is the relationship between opportunities and Entrepreneurship?

अवसर तथा उद्यमी के बीच वही संबंध है जो पानी और मछली के बीच होता है। वह पानी में ही अपना भोजन तलाशती है और उसी में जिन्दा रहती है। उद्यमी रूपी मछली का पानी 'अवसर' ही तो हैं। अतः इन दोनो के बीच जीवन–मृत्यु का संबंध है। उद्यमी सबसे पहले अवसर को पहचान कर उसे चिन्हित करता है विभिन्न संबंधित जानकारी हासिल करके उसकी वास्तविकता का आकलन करता है। इसके लिए संसाधन आदि जुटाकर प्रोजेक्ट की स्थापना सुनिश्चित करता है। इस तरह उद्यमी अथवा साहसी को दो रूप बदलने पड़ते हैः–

i. पहचानकर्त्ता का रूप :– अपने इस रूप में उद्यमी पर्यावरण में व्याप्त अवसर या निर्मित अवसर में से अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप अवसर की पहचान करके उसे चिन्हित करने का काम करता है। इसके अंर्तगत सर्वप्रथम उसके मन में विचार(Ideas) जन्म लेते है, इस विचार को वह परिवेश के साथ विश्लेषित (Analysis) करता है। संबंधित जानकारी प्राप्त करके प्रोजेक्ट के औचित्य पर विचार करके मन पक्का कर लेता है कि उसे क्या करना है।

ii. प्रर्वतक का रूप :– "क्या करना है" सुंनिश्चित कर लेने के बाद अब साहसी "कैसे करना है" के मुद्दे पर विचार करता है। नव–निर्माण के द्वारा नये प्रोजेक्ट की स्थापना करता है। इस तरह साहसी के कार्य विचारो की शुरूआत से आरंभ होकर प्रोजेक्ट की स्थापना का आकार समाप्त होता है किन्तु सिर्फ प्रोजेक्ट को स्थापित कर देने मात्र से उसका कार्य समाप्त नही हो जाता बल्कि उसे लाभदायक स्थिति में बनाये रखना भी उसका कार्य है।

The relationship between opportunity and entrepreneur is similar to the water fish relationship. Fish has no chance of survival in absent of water that looks for its food in water and lives in it. To an enterprising seeing fish water is its opportunity and a life-death relationship exists between them. After obtaining various relevant information"s an entrepreneur evaluates the reality and then he determines and ensures to establish a new interprise after dual consideration in term of managing resources for it.

i. Mode of Identification: - An entrepreneur by exercising his prudence and perception identifies certain opportunities and starts contem planting on various aspects under the prevailing environment. Taking into account the existing circumstances newly innovative ideas are conceived in his mind and he begins to analyse and weigh all the pros and cons before obtaining the relevant information with regard to his planning of the project on his mind. After deliberating over all the relevant aspects he arrives at a firm decision now what to do next.

ii. Personality of the Innovator :- After determining "what to do next," an entrepreneur now comes to determine his modus operandi on the project at hand and the removes ahead and establishes the new project. As such, the job of an entrepreneur beings with the ideas which lead to the establishment of the project. But not only this, all in not yet over, rather his actual work starts now onwards as he is supported to ensure the viability of his newly established project and its sustenance in the time to come.

9. सम–विच्छेद विश्लेषण की मान्यताएँ क्या है ?

What are assumptions of Break-Even analysis?

सम–विच्छेद विश्लेषण निम्न मान्यताओं पर आधारित है :–

1) परिर्वतनशील लागत की आनुपातिकता :– यह माना जाता है कि उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर प्रति इकाई परिर्वतनशील लागत स्थिर रहती है अर्थात् यह लागत उत्पादन की मात्रा में परिर्वतन होने पर आनुपातिक रूप में परिर्वतित होती है।
2) सम–विच्छेद विश्लेषण आधारभूत मान्यता यह है कि लागत के सभी तत्वों को दो वगों में अर्थात् स्थिर लागत और परिर्वतनशील लागत में विभाजित किया जा सकता है।
3) स्थिर लागत की निश्चितता :– शून्य उत्पादन से लेकर उत्पादन क्षमता तक किसी की मात्रा में उम्पादन करने पर स्थिर लागत की कुल राशि निश्चित और अपरिर्वर्तित रहती है।
4) लागतों का रेखीय व्यवहार :– लागतों का व्यवहार रेखीय(Linear) होता है अर्थात् लागत समंको को रेखाचित्र पर प्रदर्शित करने पर एक सीधी रेखा बनती है।
5) सामान्य मूल्य स्तर में स्थिरता :– लागत के विभिन्न तत्वों जैसें– सामाग्री, मजदूरी और अन्य व्ययों के संबंध में यह मान लिया जाता है कि निश्चित अवधि में उनमें कोई परिर्वतन नही होता।
6) तकनीकी स्थिरता :– यह मान लिया जाता है कि जिस अवधि के लिए सम–विच्छेद विश्लेषण किया जाता है, उस अवधि में उम्पादन पद्धति, मशीनों की कुशलता या तकनीकी पद्धतियो में अंतर नही होगा।

Break-even analysis is based on three following assumptions:-

1) The variable cost per unit is fixed production-oriented but undergoes a transformation proportionately in relation to a product.
2) All the elements of cost are divided into fixed or variable cost.
3) The stock valuation is restricted to a certain cost.
4) There is always coordination between production and sale.
5) This analysis is related to one product and in the event of several products sales mixture is transformed into cost.
6) The cost and receipt are influenced by the volume of production.

10. पूँजी के विभिन्न प्रकारों को वर्णन करें।

Explanin the different kinds of caital.

जिस तरह रक्त के बिना शरीर की कल्पना नही की जा सकती है ठीक उसी प्रकार पूँजी के बिना किसी भी उपक्रम को चला पाना असंभव है अर्थात् पूँजी व्यवस्था का जीवन रक्त है।

पूँजी मुख्यतः दो प्रकार के होते है :–

i. स्थायी पूँजी (Fixed capital)
ii. कार्यशील पूँजी (Working capital)

i. <u>स्थायी पूँजी (Fixed capital)</u> :– स्थायी पूँजी को अचल पूँजी भी कहते है। स्थायी पूँजी से आशय पूँजी के उस भाग से है जिसका निवेश स्थायी संपतियाँ जैसे– भूमि, भवन, मशीनरी, उपस्कर उपकरण आदि की खरीद के लिए किया जाता है फलेने एवं मिलर (Flaney & Miller) के अनुसार, "स्थायी संपतियाँ तुलनात्मक दृष्टि से स्थायी प्रकृति की होती है जिसका उपयोग व्यवसाय के संचालन में होता है और यह विक्रय के लिए नही होती है।" इस तरह की पूँजी को स्थायी कहने का कारण यह नही होता कि इनका मूल्य स्थायी होता है बल्कि इनका प्रयोग दीर्घकाल के लिए किया जाता है और इनमें तरलता का अभाव होता है। स्थायी पूँजी अंशो, ऋणपत्रो तथा प्रतिभूतियों के निर्गमन तथा विशिष्ट वित्तीय संस्थानों से दीर्घकालीन ऋणों के रूप में प्राप्त होती है।

ii. <u>कार्यशील पूँजी (Working capital)</u> :– जिस प्रकार मानव को जिन्दा रहने के लिए भोजन आवश्यक है उसी प्रकार व्यवसाय को जीवित रखने के लिए कार्यशील पूँजी की आवश्यकता होती है। किन्तु कार्यशील पूँजी आवश्यकता से अधिक या कम दोनो ही हानिकारक है। सरल शब्दों में कार्यशील पूँजी से आशय चालू संपतियों के चालू दायित्व पर आधिक्य से है। दूसरे शब्दों में यदि चालू संपतियों के योग में से चालू दायित्वों के योग को घटा दिया जाए तो जो शेष बचेगा, वह कार्यशील पूँजी कहलायेगी। चालू संपतियों से आशय उन संपतियो से है जो स्थिर न रहकर बदलती रहती है, जैसे– हाथ में रोकड़, बैंक में रोकड, विविध देनदार, अंतिम रहतिया, प्रदत आय, प्राप्य

बिल आदि जबकि चालू दायित्व से आशय उन दायित्व से है जिसका यथाशीघ्र भुगतान करना होता है जैसे–बैंक अधिविकर्ष विविध लेनदार, देयबिल, अदत व्यय आदि

Capital is of two kinds:-

i. Fixed capital
ii. Working capital

i. Fixed capital :- Fixed capital is also known as fixed assets which refers to that part of the capital which is invested on fixed assets, i.e. land, building, machinery, furniture and equipments etc. According to Flaney and Miller, "Fixed assets are assets of relatively permanent nature used in the operation of business and not intend for sale." The reason of terming it is fixed capital because its price remains the same and permanent rather it is used in the long term which lacks to liquidity. The fixed capital is obtained by issuing shares debentures and securities and securing long terms loans from various financial institutions.

ii. Working Capital :- Working capital refers to the excess of current assets on current liabilities. In other words, if the sum of current liabilities is subtracted from the total sum of current assets, whatever remains its termed as working capital. Current assets refers to those assets which continue changing rather than being fixed, viz; cash in hand, cash at bank, sundry debtors, closing stocks, bill receivable, marketable securities, prepaid expenses etc, where the current liabilities of which the immediate repayment is to be made viz; Bank overdraft, creditors, bills payable, unpaid expenses etc.

11. प्रबंध के विभिन्न विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
Explain the various characteristics of management.

1) प्रबंध एक प्रक्रिया है (Management is a process) :– प्रबंध एक प्रक्रिया है क्योंकि इसके अंर्तगत अनेक कार्य आते है जो उद्देश्यों की पूर्ति करते है। यह सामाजिक प्रक्रिया है क्योंकि प्रबंधकीय कार्य मुख्यतः लोगों के मध्य संबंधों से संबंधित है। प्रबंध एक आर्थिक क्रिया भी है क्योंकि इसमें आर्थिक साधनों का प्रयोग किया जाता है।
2) प्रबंध एक सामूहिक क्रिया है (Managemnet is a group activity) :– प्रबंध हमेशा सामूहिक प्रयासों को महत्व देता है। यह व्यक्तियों का एक समूह है जो किसी संस्था की क्रियाओं का संचालन करता है अर्थात् संस्था के उद्देश्यों की प्राप्ति अनेक व्यक्तियों की सहायता से की जाती है न कि किसी व्यक्ति विशेष के प्रयत्न से।
3) प्रबंध एक सतत् क्रिया है (Management is a continuous activity) :– व्यवसाय में निरंतर समस्याओं का समाधान व सुधार करने की आवश्यकता रहती है। इसी कारण प्रबंध को एक सतत् क्रिया कहा जाता है।
4) प्रबंध कला एवं विज्ञान दोनो है (Management is an art as well as science) :– प्रबंध का कला भी है और विज्ञान भी क्योंकि इसके वैज्ञानिक एवं कलात्मक रूपों को अलग नही किया जा सकता है। कला के रूप में प्रबंध आदि विशेषताएँ है और विज्ञान के रूप में कारण और परिणाम का संबंध, नियमों का परीक्षण, योग्यता के परिणामों का पूर्वानुमान आदि विशेषताएँ है। निः संदेह प्रबंध कला एवं विज्ञान दोनो है।
5) प्रबंध एक सामाजि क्रिया है (Management is a social process) :– प्रबंधक मुख्य रूप से संबंध व्यवसाय के मानवीय पक्ष से होता है। संस्था के सभी कर्मचारी समाज के ही अंर्तगत है। अतः इनका नेतृत्व व निर्देशन सामाजिक क्रिया के ही अंग है। इस संदर्भ में ब्रेच(Brech) के अनुसार, "प्रबंध में मानवीय तत्व का होना सामाजिक क्रिया का विशेष लक्षण प्रदान करता है।"
6) प्रबंध एक पेशा है (Management is a profession) :– व्यवसाय के जटिलताओं के कारण किसी भी व्यावसायिक संस्था का प्रबंध केवल सामान्य ज्ञान या अनुभव के आधार पर नही किया जा सकता। अपितु इसके लिए प्रबंधशास्त्र का अच्छा ज्ञाता होना चाहिए। प्रबंध विज्ञान में विशिष्ट ज्ञान, प्रशिक्षण की सुविधा, सेवा भावना,

आचार संहिता एवं विशिष्ट ज्ञान का समुचित उपयोग आदि सभी पेशे की विशेषताएँ पायी जाती है। अतः यह एक पेशा है।

Characteristics of Management:-

1) Management is a process: - Management is a process that includes various activities which lead to the attainment of predetermined objective. It is social phenomenon because managing of the activities is linked to the people who manage them. Management in also an economic activity because it uses economic sources.
2) Management is a group activity: - Management is a team work or the management always spurs a joint endeavor. It is group of people that operates that a the activities of an enterprise and the attainment of the objectives is possible by the collected efforts of a group of people rather than by an individual"s efforts.
3) Management is a Continuous activity:- In business there is a constant Endeavour of commission and omission of activities is therefore, known as perpetual or a continuous phenomenon. The size and the varying circumstances, has further complicated the process of management.
4) Management is a an art as well as science: - Management is both an art and science, as well as and are so well knitted, that are inseparable. As an art, the management refers to behavioural service efficiency, skill, constructive thoughts ideas and development through practice etc. Thus, management is a dichotomy of art and science.
5) Management is a social process:- In business, management is related to the human aspect. All the workers is an organisation are the organs of the society. Thus, their leadership and management are the part of social activities. In this context, Brech remarks, "Presence of human element in management is its testimony of a social activity."
6) Management is a profession: - In view of the constantly growing complexities is any business, depends no longer, on the general knowledge, common sense and experience only but deep knowledge of in management is the need of the hour. In management science, an extra knowledge, training facility, sence of dedication, good behavior sence and code of conduct, all in totality along-with all the essential characteristics of a profession are involved. Thus management is a profession of which the education is imparted in various universities and academic institutions.

****

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 03

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

(1) निम्न में से कौन–सा अवसर का प्रकार हैं।

(A) प्रथम अवसर (B)निर्मित अवसर
(C) अन्तिम अवसर (D)इनमे से कोई नहीं

Which of the following is a kind of opportunities?

(A) First opportunities (B) Created opportunities
(C) Last opportunities (D) None of these

(2) समाजिक ढाँचा की रचना होती हैं।

(A) समाज के क्रियात्मक विभाजन से (B) जाति के क्रियात्मक विभाजन से
(C) समुदाय के क्रियात्मक विभाजन से (D) इनमे से कोई नहीं

Social Structure is composed of?

(A) Functional division of Society (D) Functional division of Caste
(B) Functional division of Community (D) None of these

(3) बाजार की माँग को निम्न में से क्या कहतें हैं।

(A) माँग की भविष्वाणी (B) वास्तविक माँग

(B) पूर्ति (D) इनमें से कोई नहीं

Market Demand is also known as!

(A) Demand Forecasting (B) Real Demand

(B) Supply (D) None of these

4. माँग पूवानूमान को किस रूपम में जाना जाता हैं।

(A) बाजार माँग (B)विपणन

(C) माँग एंव पूर्ति (D) इनमें से कोई नहीं

Demand force casting is which termed as-

(C) Marketing Demand Marketing

(D) Demand Marketing None of these

(5) निम्न में से किसका उत्पाद सा सेवा का चुनाव करते समय ध्यान रखना जरूरी हैं।

(A) प्रतियोगिता (B)उत्पादन लागत

(c) लाभ की संभावना (D)उपरोक्त सभी

Which of the following factors is to be considered, While selecting a product of Service?

(A) Competition (B)Cost of Production

(B) Product Possibility (D)All of the above

(6) उपक्रम का चुनाव निर्भर करता हैं।

(A) एंकाकी व्यापार (C)साहसी का अधिकार

(C) साहसी की स्वंय की योग्यता (D)इनमें से कोई नहीं

Selection of an enterprise demand on?

(A) Sole Trading (B)Right of Entrepreneur

(B) Self Ability of Entrepreneur (D)None of these

(7) व्यवसाय का ———————— भी व्यवसाय के प्रारूप को निर्धारित करता हैं।

(A) आकार (B)स्थान

(C) अध्ययन (D)इनमे से कोई नहीं

The …….. Of Business also determines the form of Organisation.

(A) Size (D)Conation

(B) Study (D)None of these

(8) ———————— व्यवसाय से जुड़ी एक प्रमुख समस्या हैं।

(A) जोखीम प्रबंध (B) मुद्रा

(C) विपणन (D)इनमें से कोई नहीं

.... A main Problem connect of Business.

(A) Risk Management (B)Money

(B) Marketing (D)None of these

(9) नियेाजन हैं।

(A) लक्ष्य अभीमुखी (B)उद्देश्य अभिमुखी

(C) मानसिक प्रकिया (D)उनयुर्क्त सभी

Planning is ....

(A) Good Oriented (B)Object Oriented

(C) Mental Process (D)All of these

(10) नियोजन में “ाामिल हैं।

(A) क्या करना हैं। (D)कब करना हैं।

(C) कैसे करना हैं। (D)उनयुर्क्त सभी

Planning involver.

(A) What to do (B) When to do

(C) How to do (D) All of these

(11) परियोजना पहचान व्यवहार करती हैं।

(A) व्यवहार्थ परियोजना विचार से (B) तार्किक अवसर सें

(C) प्रभावशाली माँग से (D) इनमें से कोई नहीं

Project identification deals with.

(A) Viable product idea (B) Logical opportunity

(C) Effective Demand (D) None of these

(12) उपकरणों के प्रमाणीकरण में कमी होती हैं।

(A) आतरिंक बाधाओं से (B) बाह्मं बाधाओं से

(C) सरकारी बाधओं से (D) नियामक बाधाओं से

Lack of standardisation of the equipment is due to.

(A) Internal Constraints (B) External Constraints

(C) Government Barriers (D) Regulatory Constraints

(13) परियोजना निम्न में से संबधित नही होती।

(A) नवप्रर्वतन (B) कल्पना शक्ति

(C) जोखिम (D) सृजनता

Project is not concerned with..

(A) Innovation (B) Vision
(C) Risk (D) Creative

(14) तकनीकी–आर्थिक विश्लेषण में पहचान किया जाता हैं।
(A) पर्ति सम्भावना (B) माँग सम्भावान
(C) निर्यात सम्भावना (D) आयात सम्भावना

Choose the correct alternative from the following.
(A) Supply Potential (B) Demand Potential
(C) Export Potential (D) Input Potential

(15) निवेश विश्लेषण सम्बधित हैं।
(A) निधिकरण आवश्यकताएँ (B) सामग्री आवश्यकताएँ
(C) श्रम आवश्यकताएँ (D) संसाधन आवश्यकताएँ

Input analysis deals with.
(A) Funding Requirement (B) Mental Requirement
(C) Labour Requirement (D) Resource Requirement

(16) परियोजना तैयार की जाती हैं।
(A) प्रवर्तको द्वारा (B) प्रबधकों द्वारा
(C) उद्यमी द्वारा (D) इन सभी के द्वारा

Project is prepared.
(A) By Promoters (B) By Managers
(C) By Entrepreneurs (D) By All of these

(17) शुद्ध वर्तमान मूल्य विधि सम्बधित हैं।
(A) मुद्रा का समय मुल्य से (B) मुद्रा का बढ़े हुए मूल्य से
(C) सभी भावी वर्तमान मूल्यो से (D) इनमें से कोई नहीं

Npv method relation method.
(A) Time money of value (B) Infleted value of money
(C) Present value of money (D) None of these

(18) नियमित कार्यशील पूँजी का अंश होती हैं।
(A) स्थायी कार्यशील पूँजी (B) परिवर्तन कार्यशील पूँजी
(C) शुद्ध कार्यशील पूँजी (D) इनमें से कोई नहीं

Permanent working capital.
(A) Permanent working capital (B) Variable working capital
(C) Net working capital (D) None of these

(19) को"ा–प्रवाह विश्ले"ण में प्रयुक्त 'को"ा' शब्द का आशय हैं।

(A) केवल रोकड़ (B) चालू सम्पतियाँ

(C) चालू दायित्व (D) चालू सम्पतियो का चालू दायित्व पर आधिम्य

The term "fund" as used in fund flow analysis mean.

(A) Cash only (B) Current Assets

(C) Current Liabilities (D) Excess current assets over current Liabilities

(20) नकद क्रय के कारण स्थायी सम्पति में वृद्धि हैं।

(A) को"ा के स्त्रोंत (B) को"ा का प्रयोग

(C) को"ा का अन्तः प्रवाह (D) इनमें से कोई नहीं

Increase in fexed assets due to cash purchases.

(A) Sources of fund (B) Application of fund

(C) Input of fund (D) None of these

(21) स्कन्ध आर्वत अनुपात आता हैं।

(A) तरलता अनुपात (B) लाभदायक अनुपात

(C) क्रियाशीलता अनुपात (D) वित्तीय स्थिति अनुपात

Stock turner ratio comes under.

(A) Liquidity Ratio (B) Profitability Ratio

(C) Activity Ratio (D) Financial Ratio

(22) लाभ –मात्रा अनुपात–

(A) $\frac{\text{अंशदान}}{\text{बिक्री}} \times 100$ (B) $\frac{\text{बिक्री}}{\text{अंशदान}} \times 100$

(C) $\frac{\text{अंशदान}}{\text{बिक्री}}$ (D) इनमें से कोई नही।

P/V Ratio

(A) $\frac{Contribution}{Sales} \times 100$ (B) $\frac{\text{Sales}}{\text{Contribution}} \times 100$

(C) $\frac{\text{Contribution}}{\text{Sales}}$ (D) None of these.

(23) जोखिम पूँजी शिलाधार स्थापित किया गया।

(A) 1970 (B) 1975

(C) 1986 (D) 1988

Risk capital foundation was established in---

(A) 1970 (B) 1975

(C) 1986 (D) 1988

(24) उधमी पूँजी विचार उत्पन हुआ।

(A) भारत (B) इग्लैंड़
(C) अमेरिका (D) जापान

Venture capital thought was firstly originated in .

(A) India (B) England
(C) America (D) Japan

(25) श्रम–गहन प्रौधोगिकी उपयोगी हैं।

(A) विकासशील देशो हेंतु (B) विकसित देशों हेंतु
(C) पिछड़ी अर्थव्यवस्था हेंतु (D) उपर्युक्त में से किसी के लिए नहीं

Labour- intensive technique is useful.

(A) For developing countries (B) For developed countries
(C) For backward economices (D) For None of these

(26) नग्न ऋण पत्र होते हैं।

(A) पूर्णतः सुरक्षित (B) आशिंक सुरक्षित
(C) असुरक्षित (D) इनमें से कोई नहीं

Naked debentures are..

(A) Fully Secured (B) Partly Secured
(C) Unsecured (D) None of these

(27) संघीय एक तकनीक हैं।

(A) उसी उद्योग में विस्तार करना (B) अन्य क्षेत्रों में विविधता करना
(C) अन्य ईकाई को लेकर (D) संगठन को उप–ईकाईयों में बाँटकर

Conglomeration is a technique to.

(A) Expand in the same industry (B) Diversity in other areas
(C) Taking over other Units (D) Divide the organisation

(28) बाजार बेधन में–

(A) एक सम्पति (स्कूटर) दूसरे के लिए विनिमय
(B) एक पुरानी (स्कूटर) एक नए से बदलना
(C) एक सम्पति (स्कूटर) कैश में बेचना
(D) एक सम्पति (स्कूटर) ऑनलाइन खरीदारी पर

Under market penetration-

(A) An asset “scoter” is exchange for another
(B) An old asset “scoter” is exchanged for new
(C) An asset “scoter” is sold for cash

(D) An asset "scoter" is sold online purchase system.

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) B	(8) A	(15) D	(22) A
(2) C	(9) D	(16) D	(23) B
(3) A	(10) D	(17) C	(24) C
(4) A	(11) A	(18) A	(25) A
(5) D	(12) B	(19) D	(26) C
(6) C	(13) D	(20) B	(27) B
(7) A	(14) B	(21) C	(28) C

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. वातावरणीय विश्लेश्षण की क्या सीमाएँ हैं।

   What are the limitation of Environmental analysis ?

   वातावरणीय विश्लेश्षण की मुख्य सीमाएँ निम्नलिखित हैः–

   1) उपक्रमों की प्रभावशाली की गारंटी नहीं है– वातावरणीय विश्लेश्षण अपने आप में किसी संस्था की प्रभावशीलता की गारंटी नही हैं।

   2) व्यावहारिक्ता में कठिनाई – वातावरणीय विश्लेश्षण के कार्य रूप देना वस्तुतः एक जटिल काम हैं। यह कभी –कभी अल्प अवधि के लिए प्रतिबंबित होता हैं।

   3) अनिश्चित भविष्य – वातावरणीय विश्लेश्षण भविष्य की अनिश्चिता के सम्बध में कुछ भी नही बताता हैं। व्यवसाय में नित्य प्रतिदिन नई–नई समस्याएँ उत्पन्न होती रहती हैं चाहे कितनी भी सावधानी क्यों नही रखी जाए।

The major limitation of environmental analysis are summed of as follows -

1. Inference of factors, No Guarantee : The environmental analysis is not a guarantee.
2. Difficult in practical application :- It is difficult to give a practical shape to environmental analysis. Sometimes, it is indicative on a short term basis.
3. Uncertain future :- Nothing is predictable about the fate of the environmental analysis

2. पूर्वाधिकार अंश क्या हैं।

what is preference share?

पूर्वाधिकार अशो से तात्पर्य उन अंशो से है जिन्हे लाभांश के भुगतान में प्राथमिकता दी जाती हैं। इन्हें लाभांश देने के पश्चात साधारण अंशधारियों के अन्त में लाभांश दिया जाता हैं। लाभांश की दर निश्चित होती हैं। कम्पनी के समापन होने पर समता अंशधारियों की पूजीं वापस की जाती हैं।

Preference share are those shares which have a preference to get divided according to a fixed rate and repayment of their capital at the liquidation of company before equily shareholders.

3. खिड़की प्रदर्शन से आप क्या समझतें हैं।

What do you mean by window Dressing ?

कुछ कम्पनियाँ अपने वित्तीय विवरणों को विन्ड़ो ड्रेसिंग कर प्रदर्शित करती हैं, ताकि वाह्य पक्षो के समक्ष वित्तीय स्थिति एवं लाभदायकता का बेहतर प्रर्दशन कर सकें। अतः ऐसे वित्तीय विवरणों के आधार पर गणना किये गये अनुपातों के सम्बध में सावधान रहने की आवश्यकता होती हैं, क्योंकि इसके आधार पर सही निर्णय नही लिए जा सकतें किन्तु वाह्य पक्षों के लिए यह जानना अत्यंत कठिन हैं कि फर्म में विन्ड़ो ड्रेसिंग किया गया हैं।

Some of the companies display their financial statements on window dressing so as a better picture of their financial strength and profitability of strength one ought to remain cautions, because on the basis of such ratio-projection the correct decision can not be taken since the exterior concers find it difficult to be believe this window dressing.

4. प्रौद्योगिकी को परिभाषित किजिए।

Define Technology.

प्रौद्योगिकी से अभिप्राय संगठन द्वारा अपने साधन आगमों को उत्पति में बदलने के लिए चातुर्या यन्त्र एंव पद्वतियो से लिया जा सकता हैं। जे0 के0 गैलब्रेथ के अनुसार, 'प्रौद्योगिकी को व्यावहारिक कार्यो को सम्पन्न करने हेतु उपयोग की गई वैज्ञानिक विधियो अथवा अन्य संगठित ज्ञान के रूप में परिभा"ात किया जा सकता है।' उक्त परिभा"ा के आधार पर कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकी किसी प्रकिया को सम्पन्न करने अथवा उत्पादो अथवा सेवाओ सम्बंधी समस्याओ को हल करने की विधि ज्ञान हैं।

Technology implies change of its sources – skill, technology,equipment into production by organisation according to J.K Gailbraith, “Technology is used for accomplishing business activities by exploting the scientific methods and others organising skill and for acquiring this knowledge, can be defined in this way”. On the basis of the aforesaid definition it can be inferred that technology is a method to

the used for concluding an activity and solving this problems in relation to the products or services.

5. प्रबंध कला और विज्ञान दोनो है! कैसे!

Management is both art as well as science .How?

निःसंदेह प्रबंध कला और विज्ञान दोनो हैं। वास्तव में प्रबंध के वैज्ञानिक एंव कलात्मक रूपों को अलग नहीं किया जा सकता। सैद्धातिक ज्ञान व्यावहारिक ज्ञान के बिना अधुरा हैं, तथा व्यावहारिक ज्ञान के बिना सैद्धातिक ज्ञान का उपयोग नहीं हो सकता अर्थात एक कुशल प्रबंधक के लिए ज्ञान और अनुभव दोनो परम आवश्यक हैं।

Undoubtly , Management in both art as well as science. In facts, its interrelationship between science and art is inseparable. The science based on principles is incomplete in absence of behavioural knowledge and viva-versa or for a successful manager, both knowledge and experience are of paramount importance.

6. विपणन और विक्रय में अंतर स्प"ट करें।

Differentiale between marketing & selling.

विपणन	विक्रय
1) उद्देश्य–विपणन का उद्देश्य ग्राहको को संतु"ट प्रदान कर लाभ अर्जित करने से है। 2) क्षेत्र–विपणन का क्षेत्र व्यापक हैं। इसमें विक्रय भी सम्मिलित हैं। 3) प्रारंभ–विपणन का प्रारंभ वस्तु निर्माण के विचार के साथ ही हो जाता हैं। 4) अन्त–इसका अन्त ग्राहकों की संतुष्टि के बाद होता हैं।	विक्रय का उद्देश्य वस्तुओ तथा सेवाओं का अधिकतम विक्रय करना हैं। 2) विक्रय का क्षेत्र सिमित हैं। विपणन का ही अंग हैं। 3) विक्रय का प्रारंभ वस्तुओ के उत्पादन के पश्चात होता हैं। 4) इसका अन्त विक्रय हो जाने के बाद हो जाता हैं।

1. Object – The objective is to earn profit by statisfying customers. 2. Scope –The scope is much wider which includes selling also. 3. Start – The very thought of production marks the start of marketing. 4. End- The end lies in customer statisfaction .	1. Here, the objective is to achieve maximum sale of the products or services. 2. It has a limited scope, science it is a part of marketing. 3. The beginning sale starts after production. 4. Its end lies when the sale is over.

7. अल्पकालीन वित्त के साधन क्या हैं।

What are the sources of short term finance?

अल्पकालीन वित्त के साधनों को दो वर्गो में विभक्त किया गया हैं।

(क) बैंक साधन

1 सुरक्षित ऋ्ण

2 बैंक अधिविक"ा

3 असुरक्षित ऋण
4 बिलो पर कटौंती
(ख) गैंर बैंक साधन
1 व्यापारिक ऋण
2 खुला खाता
3 जन निक्षेप
4 बकाया दायित्व
5 कम समय के लिए ऋण
6 प्रतिज्ञा पत्र एंव हुण्ड़ी

The sources of short term finance can be divided into two parts:-

(A) Bank Sources
1. Secured Loans
2. Bank Overdrafts
3. Unsecured Loans
4. Discounting Bill

(B) Non-Banking Sources
1. Trade Loans
2. Open account
3. Public Deposit
4. Outstanding Liabilities
5. Short-terms Loan
6. Promissory Notes & Hundies

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. नये उपक्रम को स्थापित करने के पूर्व साहसी को किन किन बातों पर ध्यान देना चाहिए।
What essential factors should be considered by an entrepreneur before setting up of a new enterprises?

किसी भी उपक्रम को चलाने में पाँच 'M' की आवश्यकता होती हैं।

1) श्रम 2) कच्चा माल 3) संयंत्र 4) मुद्रा 5) बाजार

जिस प्रकार मानव का शरीर पाँच तत्वों से निर्मित है, ठीक उसी प्रकार उपक्रम कों चलाने में भी पाँच तत्वों की आवश्यकता होती हैं।

1) श्रम– उत्पादन के समस्त साधनो में श्रम की महता सर्वोतम हैं। अच्छी श्रम शक्ति के आधार पर ही उपक्रम की सफलता सुनिश्चित हैं। उपक्रम को संचालन हेतु कुशल एवं अकुशल दोनो तरह के श्रम की जरूरत होती हैं।

2) कच्चा माल– यदि उपक्रम उत्पादन से संबधित है, तो स्थापना के पूर्व कच्चे माल की उपलब्धता किस्म, मूल्य, आपूर्ति की निरंतरता आदि पर विचार करके इनकी व्यवस्था करनी पड़ती हैं।

3) संयंत्र– उत्पादन चाहे बड़े या छोटे किसी पैमाने पर हो, इसके लिए संयत्रो की आवश्यकता पड़ती हीं हैं। उपक्रम प्रारंभ करने से पूर्व इसकी व्यवस्था करनी चाहिए।

4) मुद्रा– मुद्रा अर्थात पूँजी उपक्रम का जीवनरक्त हैं। इसके बिना उपक्रम की कल्पना की ही नहीं जा सकती हैं। अतः उपक्रम स्थापना के पूर्व इसकी व्यवस्था करनी ही पड़ती हैं।

5) बाजार– उपक्रम के उत्पादित वस्तुओं को बेचने हेतु निकट के बाजार की आवश्यकता पड़ती हैं। बाजार के माँग के अनुसार ही उत्पादन किया जाता हैं, ताकि माल बर्बाद न हो सकें अन्यथा साहसी का उत्पादन ठप हो जाएगी।

In order to successfully operate an interprise there requires five “M”.

(I) Men (ii) Materials (iii) Machine (iv) Money (v) Market

(I) Men or Labour:- Without men we can not imagine of an enterprise. In all the recourses of production the ingredient of labour is the most mobilising element that stimulates all others factors and turns even the most useless things into a useful one. For the successful operation of an enterprise both kinds of skilled and unskilled labour force are required.

(ii) Raw-Materials:- If the enterprise is production oriented a prior arrangement should be comphasised with regareds to availability type, cost/price and a regular supply of the raw-materials.

(iii) Machine:- Whatever be the scale of the enterprise whether big or small, machines are required in either case. Prior to the establishment the machinery and the others equipment should be purchased and installed as well.

(iv) Money:- Money/capital is the life blood of an enterprises without which the establishment is an inconceivable presumption. The capital in long and short term and its amount and the capital resources are the pre-emptive requirement.

(v) Market:- In accordance with the presumed estimate the production is to be ensured under production or over production both can inaur losses. According to the demand of market, entrepreneur supplies product in the market.

9. कार्य पूँजी का महत्व अथवा लाभ अथवा आवश्यकता पर प्रकाश ड़ालें ?

Discuss importance or advantage or needs of working capital.

जिस प्रकार मनु"य के जिन्दा रहने के भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार व्यवसाय को जीवित रखने एवं उसका संचारमन करने के लिए कार्यशील पूँजी आवश्यकता होती हैं। कार्यशील पूँजी आवश्यकता से अधिक या कम दोनों ही स्थिति में खतरनाक हैा इस दृ"ट से व्यवसाय मे कार्यशील पूँजी पर्याप्त होनी चाहिए इसके होने से निम्नांकित लाभ प्राप्त होते हैः–

(1) व्यवसाय की शोधन क्षमता को बनाए रखने मे सहायक हैं।

(2) छोटे–छोटे संकटो, आकस्मिक घटनाओ, व व्यापारिक संकटो का सरलता पूर्वक सामना किया जा सकता हैं।

(3) अनुकूल बाजार अवसरो का लाभ उठाया जा सकता हैं।

(4) संचालन मंड़ल आक"िक लाभांश वितरित कर सकते है। अंशधारी संतु"ट रहते है, तथा अंश बाजार में अशों का बाजार मुल्य स्थिर बनाए रखा जा सकता है।

(5) नकद छूट का लाभ उठाया जा सकता हैं।

(6) वेतन –मजदूरी तथा अन्य दैनिक व्ययो का यथा समय भुगतान किया जा सकता हैं।

The way in order to remain alive food in essential for man similarly in order to sustain a business the working capital is essential but it is fatal if the working capital exceeds or fall short of. It there is surfeit of it, It encourages the extravagance, administrative lapses, dissatisfaction among share holders incredibility of the financial institutions decline in profitability. Fostering of speculation increasing delay, corruption like other problems etc. On the contrary, in the event of paucity of the working capital difficulties start raising their ugly hood in terms of operation of business to liquidity and other unfore seen problem. Therefore there should be an adequate working capital which yield due the following benefits:-

(l) Helps to maintain solvency of business.

(ii) It is easy to overcome trivial problems. Unfore seen accident and business crisis etc.

(iii) The appropriate business opportunities can be easily exploited.

(iv) Boards of Director can distribute attractive dividend the share holders remain content and the rate of shares remain stable in the market.

(v) The benefit of cash discount can be avoided of.

(vi) There in convenience in disbursing the salaries/wages and daily expenditure as per schedule.

10. वित्तीय प्रबंध को परिभाषित किजिए।

Discuss financial management?

वित्त व्यवसाय का मूलाधार हैं। इस के बिना न तो कोई व्यवसाय आरंभ ही किया जा सकता हैं, और न उसका विकास ही संभव हैं। वित्तीय प्रबंध का सम्बध व्यवसाय का वित्त संस्थाओं से हैं जो कुशल संचालन एवं उद्देशयो को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए की जाती हैं। कहा जाता है कि वित्त व्यवसाय का जीवन रक्त हैं। किसी व्यवसाय की स्थापना उसके लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने जैसे– भूमि, भवन, कच्चा माल, प्लांट एवं मशीनरी फर्नीचर इत्यादि का भुगतान करने तथा उसके संवर्धन के लिए पर्याप्त वित्त की आवश्यकता होती हैं।

वित्तीय प्रब्रंध की परिभाषा भिन्न– भिन्न विद्धानों द्वारा इस प्रकार दी गई है:–

1) हावर्ड एवं उपटन के अनुशार वित्तीय प्रबंध से आशय नियोजन नियंत्रण कार्यो को वित्त कार्य पर लागू करना हैं।

2) गथमैन एवं डग्गल के अनुसार, 'वित्तीय प्रबंध का संबध ऐसी गतिविधियों से है जो व्यवसाय में प्रयुक्त कोषों के नियोजन, एकमात्र नियंत्रण एंव प्रशासन से जुड़ी हुई हो।

3) जे0 एल0 मैसी के अनुशार वित्तीय प्रबंध वह संचालनात्मक क्रिया है, जो एक व्यवसाय के कुशल संचालन के लिए आवश्यक वित्त को उपलब्ध कराने तथा उसका प्रभावपूर्ण उपयोग करने के लिए उत्तरदायी होती हैं।''

Finance is the base of business, in the absence of which neither can any business be stared nor can grow. Financial management is skin to the financial arrangements in which an efficient operation for achieving the projected objectives can be ensured. It is said that financial management means managing for any organisational health with finance, Which is also required as the life blood of any organisation. Establishing for any commercial organisation and requisite sources for it. Such as land, building raw meterial, plant & machinery furniture and other infrastructure

etc. Payment of general expenses and for distribution an adequate amount of finance is needed.

Definitions of 'financial management':- Various scholars have defined in different ways as their perception and belief, some of significant definitions are as follows:-

(I) According to the Howards upon," financial management is the application of the planning and control function to the finance function,"

(II) According to Guthmann & Dougall," Business finance is the activity concerned with the planning, raising, controlling and administering the funds used in business."

(III) According to J.L massie," financial management in the operational activity of a business that is responsible for obtaining and effectively utilizing the funds necessary for efficient operations."

11. विज्ञापन से क्या आशय है? विज्ञापन बिशेषताओं का संक्षेप में वर्णन किजिए।

Which is meant by Advertising? Explain in brief the characteristics of advertising.

'विज्ञापन' शब्द 'वि' तथा 'ज्ञापन' दो श्शब्दों से मिलकर बना हैं। 'वि' का अर्थ विशे"ा या विशि"ठ और ज्ञापन का अर्थ विशे"ा जानकारी देना हैं। अतः विज्ञापन का अर्थ विशे"ा जानकारी दर्शाने से हैं। वर्तमान में विज्ञापन का अर्थ केवल जानकारी देने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि इसके द्वारा नए ग्राहकों का सृजन किया जाता हैं एवं पुराने ग्राहकों को स्थायी बनाया जाता हैं। विज्ञापन के अन्तर्गत विभिन्न माध्यमों से ग्राहको को वस्तुओं तथा सेवाओं के सम्बध में सूचना देकर उनमें जनता का विश्वास जमाने का प्रयास किया जाता हैं और जनता को क्रय के प्रति आकर्"ात करके वस्तुओं का अधिकाधिक विक्रय किया जाता हैं। संक्षेप में विज्ञापन का आशय संभावित ग्राहकों को उत्पाद अथवा सेवा की जानकारी देना तथा उन्हें क्रय करने के लिए प्रेरित करना हैं।

व्हीलर के अनुसार विज्ञापन लोगों के क्रय करने के उद्देश्य से विचारो, वस्तुओ तथा सेवाओं का अवैयक्तिक प्रस्तुतिकरण है जिसके लिए भुगतान किया जाता है।''

शेल्ड़न के अनुशार,''विज्ञापन ऐसी व्यवसायिक श्शक्ति है जिसके अन्तर्गत मुद्रित श्शब्दो द्वारा विक्रय वृद्धि में सहायता मिलती है, ख्याति का निर्माण होता है तथा साख बढ़ती है।''

विज्ञापन की विशे"ाताएँः–

1) विज्ञापन सदैव व्यक्तिगत होता है।
2) विज्ञापन द्वारा संदेश जन साधानण के पास सार्वजनिकरूप से पहुँचाया जाता है।
3) इसके लिए विज्ञापन दाता द्वारा भुगतान किया जाता है।
4) विज्ञापन का संदेश लिखित अथवा मौखिक हो सकता है।
5) विज्ञापन का उद्देश्य ग्राहकों को विज्ञापित सामग्री का क्रय करने के लिए प्रेरित करना है।

The wordly meaning of advertising is to give specific information. At present the meaning of advertising is not limited to give only information but the new customers are created by it and the old customers are made permanent. Under advertising goods and service by various mediums and maximum sale by goods is done by attracting the public towards purchese. In brief advertising is meant to give information of its products and services to the proposed customers and to inspire them for purchasing.

According to wheeler," Adverting is impersonal presentations of thought, goods and services with the objective of inspiring the people to purchases."

According to the Sheldon," Adverting is such a commercial power under which sale is increased by printed words, goodwill is formed and credit increases."

Characteristics of adverting:-

(I) Adverting is always impersonal.

(ll) The message is made to rearch the general public publically by adverting.
(lll) Advertiser paid for it.
(lv) The massage of adverting can be written or oral.
(v) The objective of adverting is to inspire the costomers to purchase the advertised material.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 04

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. निम्न में से कौन–सा व्यावसायिक अवसर की पहचान को प्रभावित करने वाला घटक हैं।
   (A) आन्तरिक माँग की मात्रा (B) निर्मित अवसर
   (C) पर्यावरण मे विद्यमान अवसर (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Which of the following factors affecting identification of business opportunities. –
   (A) Volume of internal demand (B) Created opportunity
   (C) Exiting opportunities in the environment (D) None of these

2. प्रेरणाएँ सम्बधित नही होती हैं।–
   (A) छूट (B) कर से मुक्ति
   (C) बीज पूँजी का प्रावधान (D) एकमुश्त भुगतान

   Incentives are not concord with –
   (A) Rebate (B) Exemption fromtex
   (C) Provision of seed capital (D) Lump sum payment

3. व्यवसाय का नियामक ढाँचा सम्बंधित होता हैं।–

(A) व्यवस्थापन (B) व्यवसाय की दिशा
(C) व्यवसाय की मात्रा (D) इनमें से कोई नहीं

Regulatory framework of business is concerned with. –

(A) Regulation (B) Direction of business
(C) Volume of business (D) None of these

4. निम्न में से कौन सा घटक बाजार मूल्यांकन पर प्रभाव ड़ालता हैं–

(A) सूक्ष्म वातावरण (B) उत्पाद की लागत
(C) माँग (D) इनमें से कोई नहीं

Which of the following factors affect market assessment.-

(A) Micro Environment (B) Production cost
(C) Demand (D) None of these

5. निम्न में से किसका उत्पाद या सेवा का चुनाव करते समय ध्यान रखना जरूरी नहीं हैं।–

(A) बाजार का निर्धारण (B) व्यावहारिकता
(C) प्रतियोगिता (D) उत्पादन नियोजन

Which of the following is not to be considered while selecting a product or Service. –

(A) Market Assessment (B) Practicability
(C) Competition (D) Product planning

6. बाजार में पूर्णता की स्थिति को कौन सृजित करता हैं जो अन्ततः बिक्री एवं लाभ में वृद्धि करता हैं।–

(A) प्रवर्तन (B) आविष्कार
(C) उपर्युक्त दानों (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

What creates imperfection in the market which ultimately increases the volume

(A) Promotion (B) Innovation
(C) Both of the above (D) None of these

7. नियोजन होता हैं।–

(A) भूतकाल के लिए (B) भविष्य के लिए
(C) वर्तमान के लिए (D) सभी के लिए

Planning is for:-

(A) Past (B) Future
(C) Present (D) All

8. कारक प्रबलता प्राच्य परियोजनाएँ हैं।–

(A) पूँजी प्रबल परियोजनाएँ (B) श्रम आधारित परियोजनाएँ
(C) तकनीकी प्राच्य परियोजनाएँ (D) A एवं B दोनों

Factors intensity oriented project are –
(A) Capital oriented projects (B) Labour Intensive projects
(C) Technology oriented projects (D) Both "A" and "B"

9. प्रत्येक नया व्यावसायिक अवसर होता हैं।–
(A) आसान (B) कठिन
(C) अद्वितीय (D) इनमें से कोई नहीं

Every new business opportunity is :-
(A) Easy (B) Difficult
(C) Unique (D) None of these

10.परियोजना के तैयार करने पर व्यय किया गया धन हैं।–
(A) विनियोजन (B) व्यय
(C) अपव्यय (D) इनमें से कोई नहीं

Money spent on the preparation of project is :-
(A) Investment (B) Expenditure
(C) Wastage (D) None of these

11.गर्भावधि सम्बधित हैं।–
(A) विचार सृजन अवधी से (B) उदभवन अवधि से
(C) कियान्वयन अवधि से (D) वाणिज्य अवधि से

Generation Period is concerned with :-
(A) Idea creation period (B) Incubation period
(C) Implementation period (D) Commercialisation period

12.निम्नलिखित में से कौन सा संचालन व्यय नहीं हैं।–
(A) विज्ञापन कार्य (B) प्रारम्भिक व्यय
(C) मजदूरी (D) किराया

Which of the following is not an operating Expenses. –
(A) Advertising Expense (B) preliminary Exp. Written off
(C) Wages (D) Rent

13.जोखिम पूँजी शिलाधार, निम्न द्वारा स्थापित किया गया –
(A) आई एफ सी आई (B) यू टी आई
(C) आई डी बी आई (D) आई सी आई सी आई

Risk capital foundation was established by –

(A) IFCI (B) UTI

(C) IDBI (D) ICICI

14.उद्यमी पूँजी उपलब्ध हैं।–

(A) अत्यन्त जोखिम ईकाईयों हेंतु (B) तकनीकी ईकाईयों हुतु

(C) संस्थागत ईकाईयो हेंतु (D) इन सभी के लिए

Venture capitals provided for –

(A) Very risk unit (B) Technical unit

(C) Organisation units (D) All of these

15.पूँजी गहन प्रौाधोगिकी की वकालत की जाती हैं, क्योंकि–

(A) शीघ्र आर्थिक स्थिति (B) सामाजिक प्रभाव

(C) रोजगार अवसरों में वृद्धि (D) उपर्युक्त सभी

Capital-intensive technique is favoured due to –

(A) Repaid economic growth (B) Social influence

(C) Incensement in employment opportunities (D) All of the above

16.प्रबन्ध कला हैं।–

(A) स्वंय काम करने की (B) दूसरो से काम लेने की

(C) स्वंय काम करने एवं दूसरो से काम लेने दोनों की (D) इनमें से कोई नहीं

Management is an art of –

(A) Doing work himself

(B) Taking work others

(C) Both for doing himself work and taking work from others

(D) None of these

17.''प्रबन्ध व्यक्तियों का निवास हैं न कि वस्तुओं का निर्देशन'' यह कथन हैं।–

(A) लॉरेन्स ए एप्पले का (B) आर सी डेविस का

(C) कीथ एवं गुबेलिन (D) इनमें से कोई नहीं

Management is the development of men and not the direction of things statement is of –

(A) Lawrence A Appley (B) R.C Davis

(C) Keith and Gublelline (D) None of these

18.भारत में प्रबन्ध है–

(A) आवश्यक (B) अनावश्यक

(C) अनिर्वाय (D) इनमें से कोई नहीं

Management in India is –

(A) Necessary (B) Unnecessary

(C) Compulsory (D) None of these

19.विपणन व्यय भार हैं।–

(A) उद्योग पर (B) व्यवसासियों पर

(C) उपभोक्ताओं पर (D) इनमें से सभी पर

Marketing expenditure is a burden –

(A) On industry (B) On businessmen

(C) On Consumers (D) All of these

20.विपणन अवधारणा का महत्व हैं–

(A) समाज के लिए (B) उपभोक्ता के लिए

(C) उत्पादक के लिए (D) इन तीनो के लिए

Importance of marketing concept is for –

(A) Society (B) Consumer

(C) Producers (D) All of these

21.उत्पाद अन्तलेय (मिश्रण) को प्रभावित करने वाले घटक है–

(A) विपणन (B) उत्पाद

(C) वित्तीय (D) ये सभी

The factors affecting product mix are –

(A) Marketing (B) Production

(C) Financial (D) All of these

22.विपणन प्रबन्ध अवधारणा का जन्म कहाँ हुआ–

(A) जापान (B) अमेरिका

(C) भारत (D) इनमें से कोई नहीं

Where is the birth place of marketing management –

(A) Japan (B) America

(C) India (D) None of these

23.लाभांश है–

(A) शुद्ध लाभ (B) लाभ का विनियोजन

(C) संचय कोष (D) अवतरित लाभ का अंश

Dividend is –

(A) Net profit (B) Appropriation profit

(C) Reserve Fund (D) Part of undistributed profit

24.जन निक्षेप साधन हैं–

(A) अल्पकालीन वित्त का (B) दीर्घकालीन वित्त का
(C) मध्याकालीन वित्त का (D) सामाजिक निवेश का

Public deposit are the source of –
(A) Short finance (B) Long finance
(C) Medium term finance (D) Social investment

25.चल लागत का श्रेष्ठतम उदाहरण है –
(A) पूँजी पर ब्याज (B) सामग्री लागत
(C) धन कर (D) किराया

The best example of variable cost is -
(A) Interest of capital (B) Material cost
(C) Wealth Tax (D) Rent

26.परियोजना मूलयांकन के पहलू है–
(A) तकनीकी मूल्यांकन (B) वित्तीय मूलयांकन
(C) प्रबन्धकीय मूलयांकन (D) ये सभी

Aspects of project evaluation is -
(A) Technical evaluation (B) Financial evaluation
(C) Managerial evaluation (D) All of these

27.अमेरिका की सम्पननता का मूल कारण हैं–
(A) संसाधन (B) कुशल प्रबन्ध
(C) मानव शक्ति (D) इनमे से कोई नहीं

The primary cause of America prosperity is-
(A) Resources (B) Efficient management
(C) Man power (D) None of these

28.जोखिम पूँजी की स्थापना कब की गई–
(A) 1975 (B) 1992
(C) 1947 (D) 1957

In which the year risk capital foundation was established-
(A) 1975 (B) 1992
(C) 1947 (D) 1957

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) A	(8) D	(15) D	(22) B
(2) D	(9) C	(16) C	(23) B
(3) A	(10) A	(17) A	(24) C
(4) A	(11) C	(18) A	(25) B
(5) D	(12) B	(19) C	(26) D
(6) B	(13) A	(20) D	(27) B
(7) B	(14) D	(21) A	(28) A

****

खण्ड–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. अवसर किसे कहते है?

   What is an opportunity?

   अवसर का अर्थ वर्तमान परिस्थितियो में संयोग से लाभ उठाना है। कुछ व्यक्ति इसे पहचानकर इससे लाभ उठा लेते है जबकि अन्य लाभ नहीं उठा पाते। अवसर में स्थायित्व नही होता। यह कुछ दिनो के लिए आता है,फिर चला जाता है। उद्यमी अथवा साहसी अवसर में स्थायित्व नही होता। यह कुछ दिनो के लिए आता है फिर चला जाता है। उद्यमी अवसर की संभावनाओ पर विचार करके नये उद्योग अथवा व्यापार को मूर्त रूप देते है।

   An opportunity means to take advantage in the present circumstances co-incidently. Some people identity it and take benefit where as other could not take benefit of it. The Opportunity does not has stability, it comes for some days only and then it goes away. The entrepreneur start, industry or business after thinking about the possibilities.

2. उपक्रम की स्थापना में रणनीति का क्या आशय है।

   What does the strategies mean in setting up of an enterprise?

   उत्तरः– रणनीति की महता को स्वीकारते हुए बिल बोल्टन एंव जॉन थॉम्पसन का कथन है कि ''रणनीतियाँ वे हैं जिन्हें उपक्रम करती है, वह वैसी राह है जिस पर वह चलती है तथा यह वह निर्णय है जिसके द्वारा वह सफलता के एक निश्चित स्तर पर पहुँचती है।''

Bill Bolton and John Thompson say, “What does the strategies mean in setting up of an enterprise” after accepting the importance of strategies that strategies are those which are performed by the enterprise. It is the same path on which they run it is that decision by which they reach up to the definite level of the success.

3. फण्ड प्रवाह क्या है?

   What is Fund flow?

   भारतीय चार्टर्ड़ एकाउण्टेन्ट्स (ICA) संस्थान ने इसे इस प्रकार परिभाषित किया है– '' वित्तीय स्थिति में हुए परिवर्तनों का विवरण एक निश्चित अवधि के वितीय स्थिति में हुए परिर्वतनो का सारांश होता है जिसमें यह शामिल होता है कि व्यवसायिक संस्था द्वारा किन स्त्रोतों के कोष प्राप्त किये तथा कोषों का प्रयोग किस प्रकार किया गया।''

   Indian chartered accountants institute defined it, “The statement of the changes took place in the financial position is the summary of the changes happened during a certain period where in it is include of which is sources and how these funds were used that the commercial institution has acquired the funds.”

4. सामाजिक उत्तरदायित्व क्या है?

   What is Social Responsibility?

   कुण्डज तथा डोनेल के अनुसार '' सामाजिक उत्तरदायित्व है कि वह विश्वस्त हो कि दूसरो के अधिकार तथा न्यायोचित हित न टकराये।

   The social responsibility is the personal responsibility of every person working in his own interest that he become sure that there may be no cash between rights and legal interest of others.

5. ''विपणन अवधारणा का व्यावहारिक या क्रियात्मक रूप ही विपणन प्रबंध है।'' यह कथन किसका है तथा इसका क्या आशय है?

   “Marketing management is the marketing concept in action.” Who said this, what does he meant?

   ये कथन विलियम जे0 स्टेण्टन का है। इसके अनुसार विपणन विचार के दो आधारभूत स्तम्भ है–
   (1) कम्पनी का नियोजन नीतियाँ और क्रियाकला ग्राहक संतुष्टि हो तथा (2) लाभप्रद विक्रय कम्पनी का लक्ष्य हो। इस प्रकार इन दो लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उठाये जाने वाले व्यावहारिक कदम या किये जाने वाले क्रियाकलापो को ही शामिल किया जाता हैं।

   This statement is of William J. Stanton., according to him there are two basic pillars of marketing concept-

   1. The planning policies and activities of the company should be satisfaction of the customers and
   2. The profitable selling should be objective of the company. Thus, the practical steps or activities taken for achieving these two objectives are included in marketing management.

6. उद्यमी पूँजी के दो विशेषताएँ लिखें।

Write two characteristics of venture capital.

(1) यह अकेले व्यक्ति का व्यापार में निवेश काफी ज्यादा जोखिम से भरपूर होता है, तथा सफलता के अवसर अधिक होते है क्योंकि यह लम्बे समय तक शुरू करने की कीमत से लेकर उच्च जोखिम भरे उच्च लाभ परियोजना को उपलब्ध करवाता है।

(2) उद्यमी पूँजी फर्मो द्वारा निवेश उच्च तकनीकी क्षेत्रों में किया जाता है जिसमें तकनीकी का प्रयोग होता है या नई तकनीक प्रयोग करके नए उत्पादो का उत्पादन होता है।

1. The entry of a lone individual in business is replete with risk and various challenges having wider scope of sources because it begins with a long thought up to the planning of high profitability coupled with greater degree of risk and the venture capital provides an opportunity to overcome all the debentures on way to success.
2. Venture capital generally invested by the firms in the high technological areas and by use of innovative technique, new kinds of merchandise are produced.

7. गुणवता नियंत्रण क्या है?

What do you meant by Quality control?

किसी भी निर्माणी संस्था के उत्पादों की मांग इस उत्पाद में निहित किस्म के आधार पर होती है तथा ग्राहको द्वारा उस वस्तु को तभी स्वीकार किया जाता है जबकि उसके अनुसार वस्तु में सही मात्रा में किस्म विद्यमान हो। इसलिए किस्म के आशय उन विशेषताओं से है जिसके आधार पर एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद की तुलना की जाती है। इसलिए निर्माण को चाहिए कि वस्तुओं के किस्म का निर्धारण करते समय उपभोक्ताओं की इच्छाओं का आवश्य ध्यान रखें।

For any manufacturing unit, the demand of its quality which is accepted by the consumers in the event of it being a quality product according to their expectations and aspiration. Therefore, hence the quality refers to those characteristics on the basis of which one product can be compared with its counter product. Therefore, it is quite imperative for any manufacturer to keep in mind the aspirations of the consumer"s while determining the quality of his product.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. उत्तम परियोजना नियोजन एवं निर्माण की उपेक्षाएँ को वर्णन कीजिए।

Describe essentials of good project planning or preparation.

(1)परियोजना का निर्माण वस्तुपरक एवं यथार्थपूर्ण मान्याताओं पर आधारित होना चाहिए।
(2)लाभप्रद विनियोग के अवसरो का पता लगाने के लिए व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन करना।
(3)परियोजना के निर्माण में परियोजना के समस्त पहलुओं एवं बिन्दुओं पर निष्पक्षतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए।
(4)परियोजना का अनुमान सुचनाओं तथ्यो एवं वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित होना चाहिए।
(5)साध्यता प्रतिवेदन तैयार करने के लिए वित्तीय, तकनीकी एवं आर्थिक पहलुओं पर गहन अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाना चाहिए।
(6)परियोजना निर्माण में तकनीकी विशं"ाज्ञो अर्थवेताओं उत्पादन विशेषज्ञों एवं औद्योगिक अभियन्ताओं का विशे"ा रूप से सहयोग होना चाहिए।

A good project is always implicit of some essentials in the absence of which a successful completion of if is not possible. The main essentials are:-

1. A project planning should be based on logical and realistic factors.
2. Various aspects in relation to the project must be meticulously analysised.
3. An objective contemplation should be done with regard to all aspects of the project.
4. The project estimate should be based on probable information's and their scientific analysis.
5. While planning for a project every technical, economical aspect should be carefully studies and analysed.
6. In the context of project planning consultation with technical expert economist product experts and industrial entrepreneur is also essentials.

9. परियोजना मूल्यांकन क्या है?

What is project Appraisal?

जब परियोजना निरूपण के द्वारा कोई विचार ठोस एवं लाभदायक प्रतीत होता है, तो फिर उसके मूल्यांकन की विभिन्न अवस्थाओं से होकर गुजरना पड़ता है। जिसके अन्तर्गत परियोजना के आर्थिक वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से अनुकुल होने की जाँच परख की जाती है, और फिर उसमें पूँजी का विनियोग किया जाता है जिससे परियोजना में विनियोजित सभी संसाधनो का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय और विनियोजन पूँजी पर उचित आय प्राप्त हो ऐसा तभी होगा जबकि उद्यमी द्वारा सुदृढ़ एवं लाभदायक परियोजना का चुनाव किया जाय। इस प्रकार परियोजना मूल्यांकन से आशय किसी परियोजना की आर्थिक एवं वित्तीय क्षमता,

प्रबंधकीय क्षमता एवं तकनीकी तथा वाणिज्यक साध्यता का निर्धारण, विश्लेषण एवं मूल्याकंन करने से है। जिससे एक उद्यमी द्वारा प्रस्तावित व्यावसायिक परियोजना की सम्भाव्य सफलता के सम्बन्ध में निर्णय लेना है, तथा परियोजना की वांछनीयता एवं लाभदायकता का मूल्यांकन करना हैं।

In similar terms, project appraisal is an analysis of cost and profit of any proposed project. Its objective is to select the best of the available alternatives so as the projected goals could be conveniently realised. There are limited financial sources with an entrepreneur where as there are several alternatives plans and projects on his mind, "high dreams with limited budget and he has to opt one of the best available alternatives. To facilitilate his so called "selection" he takes into consideration the basis of project appraisal. In the large context, "a detailed evaluation of the project to determine the technical feasibility, economic necessity, financial variability of the project and managerial competence required for its successful operation." It is a technique by which the decision by an entrepreneur is to be taken for strengthening his project for making it a great success to him dream project.

Or, it is a way to assess the desirability of the project profitability, competence by taking into consideration,, various techniques, financial, economical , communicational and management aspect.

10. कर्मचारी के प्रति उत्तरदायित्व की विवेचना किजिए।

Describe Responsibility towards employee.

कोई भी उद्योग– व्यापार उद्यमी अकेले नही चला सकता। वह इसका स्वामी हो सकता है, नेतृत्व दे सकता है, प्रबधक हो सकता है, किन्तु इसके संचालन की जिम्मेदारी इसके कर्मचारियों के उपर ही होती हैं संतुष्ट कर्मचारीयो ही वे बहादुर सैनिक होते है। जिनके चलते व्यावसायिक सफलता की जंग/लड़ाई जीती जा सकती है। अतः सफलता की कुँजी जिन कर्मचारियों के हाथ में हो और साहसी इनकें प्रति अपने दायित्वों का ध्यान नहीं रखते तो इसके भविष्य की कल्पना आसानी से की जा सकती है। इस दायित्व के निर्वाह में उद्यमी को देखना चाहिए कि कर्मचारी अपने मालिक से संतुष्ट रहें।

(1) कर्मचारी अपने मालिक से सुतुष्ट रहें।
(2) कर्मचारी को उचित वेतन परिश्रामिक मिलना चाहिए।
(3) कार्य के घण्टे एवं कार्य की दशाएं ठीक हो।
(4) समय समय पर प्रोत्साहन भत्ता मिलना चाहिए।
(5) उन्हें उचित अवकाश मिलना चाहिए।
(6) नौकरी में स्थायित्व एवं पदोन्नती का अवसर मिलना चाहिए।

No business/industry can be run solely by an entrepreneur., though he can be commander, a director, a leader or a manager, yet the responsibility of business operation always rests with the company's employee. Only the employees who are satisfied the brave and gallant soldiers with the help of whom, the battle for the success of business can be fought and won. As such the key of success lies in their hands and the entrepreneur if turn indifferent or careless towards them, what would be the result

in future can be well anticipated. In this context, it is important for an entrepreneur to be considerate in following manner with regards to his responsibility towards employees:-

1. Employee's satisfaction with the employer.
2. Employees must be sufficient and adequately remunerated.
3. Working hours and working conditions must be appropriate.
4. From time to time, there should be a provision of encourageing allowance.
5. Adequate facilities for leave.
6. Stability or job security, promotional opportunity should be there.

11. स्थिर एवं परिर्वतनशील लागतो मे अंतर स्पष्ट करें।

Differentiate between fixed cost and variable cost.

(1) स्थिर लागतः– कारखाने का वह खर्च जो उत्पादन हो या नहीं, हो लगेगा ही, उसे स्थायी कारखाना लागत कहा जाता है। जैसे– फैक्ट्री का किराया, बिजली रख–रखाव खर्च आदि।

परिर्वतनशील लागत :– वह खर्च जो उत्पादन बढ़ने से बढ़े और घटने से घटे परिर्वतनशील कारखाना लागत कहलाती है। जैसे – ह्रास, ईधन, शक्ति, आदि।

स्थिर साधन	परिर्वतनशील साधन
(1) उत्पादन के स्थिर साधनो पर किये जाने वाले खर्चो को स्थिर लागत कहा जाता है। (2) उत्पादन की मात्रा से कोई सम्बन्ध नही होता। (3) ये कभी भी (उत्पादन न होने पर भी) शुन्य नही होती। (4) फर्म स्थिर लागतों की हानि उठाकर भी उत्पादन जारी रख सकती है। स्थिर लागतों के उदाहरणः– (i) कारखाना के भवन का किराया (ii) प्रबन्धक का वेतन	(1) उत्पादन के परिर्वतनशील साधनो पर किये जाने वाले खर्चो को परिर्वतनशील लागते कहते है। (2) परिर्वतनशील लागते उत्पादन की मात्रा के घटने बढ़ने के साथ साथ घटती बढ़ती है (3) ये उत्पादन बन्द कर देने पर शून्य हो जाती है। (4) एक फर्म तब तक उत्पादन जारी रखती है, जब तक की उसे परिर्वतनशील लागतों के बराबर किमतें अवश्य मिले। परिवर्त्तनशील लागतों के उदाहरणः– (i) कच्ची सामग्री की लागत (ii) प्रत्यक्ष श्रम व्यय

1. Fixed cost :- The expending to be encurred in case of production or no production, can be called as fixed cost.
2. Variable cost :- Variable cost is that expenditure which increase or decresses according to the production is known as variable cost.

Fixed Cost	Variable Cost
1. Expenses incurred an fixed sources of production are called fixed cost	Expenses incurred on variable sources of production are called variable cost.
2. It has no relation with volume of production.	It varies according to changes in production.
3. Fixed cost can not be zero even	It becomes zero after closing

of the time of no production	production.
4. A firm can continue production after bearing the loss of fixed cost i. Rent of factory building. ii. Salary of managers.	A firm continues its production till it receives revenue equal to variable cost. Example of variable cost:- i. Cost of raw material. ii. Direct labour expenses.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 05

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

29.निम्न में से कौन–सा अवसर बोध का तत्व हैं।

(A) समझ की शक्ति (B) परिर्वतन पर नजर
(C) नवपरिर्वन पर नजर (D) उपर्युक्त सभी

Which of the following is a element of sensing the opportunities. –

(A) Ability to Perceive (B) Insight into the change
(C) Innovation (D All of these

30.परियोजना प्रबन्ध सम्बधित नहीं होता हैं–

(A) प्रकायत्मिक प्रस्ताव से (B) केन्द्रकृत नीति निर्धारण से
(C) विकेन्द्रीकृत कार्यान्वयन से (D) विकेन्द्रीकृत नीति निर्धारण से

Project management is not concerned with –

(A) Functional Approach (B) Centralised policy formulation
(C) Decentralised Implementation (D) Decentralised policy formulation

31.भारतीय अर्थव्यवस्था हैं–

(A) सामाजवादी अर्थव्यवस्था (B) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था
(C) मिश्रित अर्थव्यवस्था (D) इनमें से सभी

Indian Economy is –

(A) Social Economy (B) Capitalist Economy
(C) Mixed Economy (D) All of these

32.लोगो का अधिकार एवं हित का संरक्षण उद्यमी का ––––उत्तरदायित्व है–

(A) वैधानिक (B) वित्तीय
(C) सामाजिक (D) इनमें से कोई नहीं

Protection of right and Interest of people is a ----- responsible of entrepreneurs.-

(A) Legal (B) Financial
(C) Social (D) None of these

33.आर्थिक नीतियाँ ––––– निर्धारित करती है–

(A) व्यवसाय की मात्रा (B) व्यवसाय की दशा
(C) व्यवसाय की दिशा एवं मात्रा (D) इनमें से कोई नहीं

Economic Policies determine –

(A) Volume of business (B) Direction of business
(C) Direction of business (D) None of these

34.संचालन अनुपात है–

(A) लाभ प्रदता अनुपात (B) निष्पादन अनुपात
(C) शोधन क्षमता अनुपात (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Operation Ratio is :-

(A) Profitability Ratio (B) Activity Ratio
(C) Solvency Ratiio (D) None of these

35.चालू सम्पति में शामिल नहीं है–

(A) स्टॉक (B) देनदार
(C) कार (D) इनमें से कोई नहीं

The term “Current Assets” close not include:-

(A) Stock (B) Debtors
(C) Car (D) None of these

36.निम्नलिखित मदो मे से किसे चालू अनुपात की गणना में ध्यान में नही रखा जाता–

(A) लेनदार (B) देनदार
(C) फर्नीचर (D) बैंक अधिविकर्ष

Which of the following items is not taken into consideration while current Ratio:-

(A) Craditors (B) Debtors

(C) Furniture (D) Bank overdraft

37.उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रदान करता है–

(A) बेरोजगारी (B) रोजगार

(C) भ्रष्ट्राचार (D) बेईमानी

Entrepreneurial development programme provider –

(A) Unemployment (B) Employment

(C) Corruption (D) Dishonesty

38.भारत में उद्यमिता कार्यक्रम रहा है–

(A) सफल (B) असफल

(C) सुधार की आवश्यकता (D) ये सभी

In Indian entrepreneurial development programme has been:-

(A) Successful (B) Unsuccessful

(C) Need of Improvement (D) All of these

39.उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रति भारत के सरकारी तन्त्र का दृष्टिकोंण है–

(A) विनाशात्मक (B) नकरात्मक

(C) रचनात्मक (D) असहयोगात्मक

The attitude of Indian Government machinery towards entrepreneurial development programme is :-

(A) Destructive (B) Negative

(C) Constructive (D) Non co-operative

40.जोखिम परिणाम है–

(A) निश्चितता (B) अनिश्चितता

(C) उपरोक्त दोनो (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Risk is the result of:-

(A) Certainties (B) Uncertainties

(C) Both of above (D) None of these

41.व्यावसायिक जोखिम के कारण उत्पन्न नही होता–

(A) सरकारी नीति में परिर्वतन (B) अच्छा प्रबन्ध

(C) बेईमान कर्मचारी (D) पावर फेल

Risk is the result of –

(A) Changes in government policy (B) good Management

(C) Employee Dishonesty (D) Power failure

42.कर्मचारी की बेईमानी किस तरह का व्यवसायिक जोखिम है –

(A) मानवीय (B) प्राकृतिक

(C) आर्थिक (D) सरकारी नीतियाँ

Dishonesty of employee is the type of cause business risk –

(A) Human (B) Natural

(C) Economic (D) Govt. Type

43.समन्वय है –

(A) ऐच्छिक (B) आवश्यक

(C) अनावश्यक (D) समय की बर्बादी

Co –ordination is-

(A) Voluntary (B) Necessary

(C) Unnecessary (D) Wastage of time

44.समन्वय स्थापित किया जाता है–

(A) समूहो के मध्य (B) विभागों के मध्य

(C) प्रबंध एवं कर्मचारियो के मध्य (D) उपर्युक्त सभी के मध्य

Co –ordination is established –

(A) Between Group (B) Between Department

(C) Between management and workers (D) All of the above

45.प्रबन्ध की प्रकृति है –

(A) जन्मजात प्रतिभा के रूप में (B) अर्जित प्रतिभा के रूप में

(C) जन्मजात तथा अर्जित प्रतिभा के रूप में (D) इनमें से कोई नहीं

The Nature of Management is–

(A) As an inborn ability (B) As an acquired ability

(C) As Indian ability and as an acquired ability (D) None of these

46.प्रबन्ध का सार है–

(A) समन्वय (B) संगठन

(C) स्टाफिंग (D) इनमें से कोई नहीं

The essence of management is –

(A) Co- ordination (B) Organisation

(C) Staffing (D) None of these

47.कूण्ठज तथा ओडोनैल के अहार प्रबन्ध के प्रमुख कार्य है–

(A) 5 (B) 4

(C) 3 (D) 2

According to “kontz” and “odonnell” the main functions –
(A) 5 (B) 4
(C) 2 (D) 2

48.वित्तीय प्रबन्ध के मुख्य कार्य है–
(A) वित्तीय नियोजन (B) कोषों को प्राप्त करना
(C) शुद्ध लाभ का आवंटन (D) उपरोक्त सभी

Main function of financial management are –
(A) Financial planning (B) Procurement fund
(C) Allocation of net profit (D) All of these

49.वित्तीय प्रबन्ध है–
(A) कला (B) विज्ञान
(C) कला और विज्ञान दोनो (D) इनमें से कोई नहीं

Financial management is –
(A) Art (B) Science
(C) Art and Science (D) None of these

50.पूँजी संरचना में सम्मिलित है–
(A) अंश पूँजी (B) जनता से जमा
(C) अस्थायी सम्पति (D) इनमें से कोई नहीं

Capital structure includes is –
(A) Share capital (B) Deposit for public
(C) Current Assets (D) None of these

51.फ्रेन्चाइजिंग के अन्तर्गत–
(A) उत्पाद पर नियत्रण फ्रेन्चाइजर के पास
(B) उत्पाद पर नियंत्रण फ्रेन्चाइजर के हाथ में
(C) उपर्युक्त दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं

Under Franchising –
(A) Control of the product remains in the hands of franchisor
(B) Control of the product goes in the hands of franchisor
(C) Both above
(D) None of these

52.अच्छे ब्राण्ड़ की बिशेषताएँ है–

(A) सूक्ष्म नाम (B) स्मरणीय

(C) आकर्षक (D) ये सभी

The characteristics of a good brand are –

(A) Short Nane (B) Memorable

(C) Attractive (D) All of the above

53.निम्न में से कौन एक कम्पनी के वित्तीय विवरण का भाग नहीं है–

(A) लाभ हानि खाता (B) आर्थिक चिट्ठा

(C) लेजर खाता (D) इनमें से कोई नहीं

Which of the following is not a part of financial statement of a company –

(A) Profit and Loss Account (B) Balance Sheet

(C) Ledger Account (D) None of these

54.वित्तीय विवरण होते है–

(A) प्रत्याशित तथ्य (B) अभिलेखित तथ्य

(C) अनुमानित तथ्य (D) इनमें से कोई नहीं

Financial Statement are -

(A) Anticipated facts (B) Record facts

(C) Estimated facts (D) None of these

55.विज्ञापन का उद्देश्य है–

(A) सम्भावित क्रेताओं को आकर्षित करना (B) ग्राहकों को सूचित एवं मार्गदर्शन करना

(C) उत्पादो को प्रचार करना (D) ये सभी

The purpose of advertising is -

(A) The attract potential buyers (B) The inform & guide customers

(C) Advertising of the product (D) All of these

56.उद्यमिता में नवप्रर्वतन की क्रिया का आशय है–

(A) एक नये उत्पाद का प्रारंभ (B) उत्पाद की नई विधि का प्रयोग

(C) उपर्युक्त दोनो (D) इनमे से कोई नहीं

The process of innovation in entrepreneurship means-

(A) Introduction of a new product (B) Use of a new method of production

(C) Both above (D) None of these

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) D	(8) C	(15) B	(22) A
(2) D	(9) B	(16) D	(23) A
(3) C	(10) A	(17) C	(24) D
(4) C	(11) C	(18) A	(25) C
(5) C	(12) A	(19) A	(26) B
(6) A	(13) D	(20) D	(27) D
(7) C	(14) C	(21) C	(28) C

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुम सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. मूल्यनीति क्या है?

   What is the price policy?

   उत्तरः– एक विकासशील व्यवसाय को अपनी मूल्य नीति का समय–समय पर मूल्यांकन करते रहना चाहिए। यद्यपि लाभ के लिए कीमत निर्धारण का लक्ष्य उचित है फिर भी उद्यमी को अनेक घटकों जैसें– प्रतिद्धन्दियों की सम्भावित प्रतिक्रिया वैधानिक सीमाएँ ग्राहक प्रतिक्रिया सामाजिक लक्ष्य, उपभोक्ता आकाक्षाएँ भावी विकास आदि पर पर्याप्त रूप से विचार करके ही अपने उत्पादो का मूल्य निर्धारित करना चाहिए। प्रत्येक फर्म की बाजार में 'कीमत प्रतिष्ठा' बनी होती है। व्यवसाय के विकास एवं विस्तार के साथ यह धूमिल नहीं होना चाहिए। उद्यमी को गैर–कीमत प्रतिस्पर्द्धा पर भी ध्यान देना चाहिए।

   In a seccessful enterprise the pricing policy must be open to appraisal from time to time. While pricing for profit is justifiable, even then an cntreneur has to take into account several factors before determining the prices, like possible reaction of the competitors legal limitations consumers reaction social objective the consumers aspiraction and probable development etc. Every firm is known for its price reupted this should not get adversely affected on account of growth and development. An entrepreneur is supposed to think in terms of non price competition.

2. वितरण माध्यम क्या है?

   What is distribution process?

   मात्र वस्तुओं का उत्पादन करना ही पर्याप्त नही है,बल्कि उन्हें अन्तिम उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी अनिवार्य है। वस्तुओं को अन्तिम उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिए उत्पाद अथवा निर्माता जिन–विभिन्न प्रकार मध्यस्थों जैसे थोक व्यापारी, फुटकर व्यापारी अभिकर्ता आदि की सेवाएँ लेता है, उन्हें वितरण के माध्याम कहा जाता हैं।

   Only producing the goods is not sufficient but it is coupulsory to reach them to the last consumers. The service of the various kinds of mediators such as whole saler, retailer, agents taken by the procuder or manufacturer for making the things to reach last consumers are called channels of distribution.

3. सम–बिच्छेद विश्लेषण क्यों आवश्यक है?

   Why is Break-even analysis essential.

सम–विच्छेद विश्लेषण का तकनीक जो लाभ के नियोजन एवं नियंत्रण में सहायक होती है। यह लाभ एवं लागत के मध्य सम्बध स्थापित करने में सहायक होती हैं। सम–बिच्छेद बिन्दु की उपयोगिता को निम्न बिन्दुओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता हैः–

(1) नैदानिक यत्रं– यह विश्लेषण प्रबंध के समक्ष कारणो का निदान प्रस्तुत करता है।

(2) जोखिम मूल्यांकन–जोखिम के मूल्यांकन में सम–विच्छेद विश्लेषण काफी उपयोगी सिद्ध होता है। यह आदेश स्वीकृत, पाली कार्य, विक्रय मिश्रण आदि निर्माण के सम्बन्ध में बहुत सहायक प्रतीत होता है।

(3)लाभ–सुधारः–सम–विच्छेद बिन्दु एवं लाभ मात्रा में अनुपात की गणना इस विश्लषण के अन्तर्गत की जाने है। जिसके आधार पर लाभ को प्रभावित करने वाले कारकों की जानकारी प्राप्त की जाती है।

Break-even analysis is a technique which is helpful in planning and control of profit. It is helpful in making a relation between profit and cost. Following are some points which clarify the utility of break-even point.

(1) Diagnostic tool:-It present diagnosis of reasons before analysis management.

(2) Risk Evaluation:- Break-even analysis proves very useful in the evaluation of risk assessment. It is very helpful regarding the decision of order acceptance shift-work, sale mixture, purchase and make etc.

(3) Profit Improvement :- The break-even point and profit volume ratio are calculated under break-even analysis and the improvement of the profit is obtained on its basis.

4. मानवीय संसाधन से आप क्या समझते है?

What do you understand by Human Resoures?

जितने भी संसाधन विद्यमान है, सभी निष्क्रिय होते है। इन्हें मानवीय संसाधन ही गतिशील बनाता है। अतः मानवीय संसाधन एक सक्रिय संसाधन होता है। उद्यमी अपने उपक्रम का जहाजी रूपी कप्तान अवश्य होता है, किन्तु अकेले सभी कार्य स्वंय नही कर सकता। इसके लिए अन्य मानवीय संसाधन पर निर्भर रहना ही पड़ता है। उपक्रम चलाने के लिए अनेक कर्मचारियो की आवश्यकता होती है। इसके कर्मचारियो को कई श्रेणी में कार्य एवं आवश्यकतानुसार बँटवारा उनकी योग्यतानुसार नियुक्ति की जाती है। अतः मानवीय संसाधन के अन्तर्गत प्रबधकीय,गैर प्रबधकीय तकनीकी कुशल अकुशल सभी तरह के कर्मचारी आते है। बिना सामूहिक साहस के बिना प्राजेक्ट सफल नही हो सकता है।

All the available resources are of little use mobilised by the human resources. As such, human resources is the most operative and active one. An entreprenure of course is the captain of his project but can not perform each activity by himself. He has to depend on other human resources. Many workers are needed for operating project. For this various categories of employees are recruited as per requirement on the basis of their abilities and qualification etc. Therefore human resources are comprised of manpowers technicians, skilled and non skilled employee. With their joint endeavour and co-ordenation a project canot be successful.

5. फ्रेन्चाइजिंग क्या है ?

What is Franchising?

फ्रेन्चाइजिंग के अन्तर्गत उद्यमी देश के विभिन्न भागों मे अपना अधिकृत विक्रेता बहाल कर देता है, जो उक्त उत्पाद को बेचने का कार्य करता है। अधिकृत विक्रेता के चुनाव में उद्यमी को सावधान रहने की आवश्यकता होती है क्योकि गलत विक्रेता अपने क्षणिक लाभ के लिए मूल उत्पाद में मिलावट आदि का सहारा लेकर उद्यमी को बाजार में बदनाम कर देता है।

सरल शब्दो में फ्रेन्चाइजिंग एक प्रकार की ठेकेदारी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत एक फुटकर व्यापारी एक निर्माता के साथ एक समझौता करता है कि उत्पादक के माल अथवा सेवाओं के विक्रय एक निश्चित फीस अथवा कमीशन के बदले करने का अधिकार सौपता है।

As per franchising strategy an entrepreneur establishes his sales force in different part of the country who does the job of selling. Yes the entrepreneur is required to be cautious in the selection of the sales person because an unbecoming salesman with an aim to earn more profit can exploit the situation by means of adult rating the product can give a bad name to the entrepreneur.

In the simple terms, franchising is a sort of contract under which a franchise makes an agreement with a franchiser for the sales of services or the merchandise, the franchiser entiles the franchise with the right by charging a certain fee or commission.

6. बिलो पर कटौती क्या है ?

What is Discounting of Bills?

बिलों पर कटौती के रूप मे बैंक ऋण देने की तिथि से परिपक्वता अवधि की ब्याज की राशि, बिल की राशि से प्राप्त कर लेता है और इस प्रकार बिल की कटौती मे से शेष बच जाती है, उसको ऋण के रूप में ग्राहक को दे दिया जाता है और परिपक्वता पर बैंक ग्राहक से पूरी राशि प्राप्त कर लेता है।

In form of discounting of bills the banks from the date of extending loan to the date of maturity, deduct the amount of interest from the amount of the bill and whatever the amount is left is given to the customer in the form of a loan and till the date of maturity, the bank receives its total amount.

7. प्रोजेक्ट कैसे सहायक है ?

How are the projects helpful?

प्रोजेक्ट के दौरान विद्यार्थी को सैद्धान्तिक जानकारी की वास्तविक से अवगत होने का मौका मिलता है अर्थात विद्यार्थी का यह जानने का मौका मिलता है कि व्यावसायिक अध्ययन विषय का अध्ययन करते समय जो सिद्धान्त उन्होने पढ़े है वास्तव में वे उनको किस सीमा तक लागू कर सकते है अर्थात सैद्धान्तिक ज्ञान को जब व्यवसायिक ज्ञान से मिलाया जाता है, जब वास्तविकता का पता चलता है। इसका तात्पर्य यह नहीं कि सैद्धान्तिक ज्ञान की आवश्यकता ही नहीं है केवल वास्वविक ज्ञान ही पर्याप्त है। ऐसा नहीं है सैद्धान्तिक ज्ञान वयावहारिक ज्ञान के बिना अधूरा है।

During the project the student happen to come closer to the reality of the theoretical knowledge, or they get on apportunity that during the cource of their study of the business subject wherein the the principles they have studied if coupled with the pracital knowedge, then the truth is realised. It does not mean that the therocital knowledge is required and only the practical knowledge is enough. But it is not so that the theoritical knowledge without the practical one is incomplete.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. माँग पूर्वानुमान में सम्मिलित कारकों की व्याख्या कीजिए।

Discuss factors involved in demand forecasting

माँग पूर्वानुमान में निम्नलिखित कारक इस प्रकार हैः–

(1) पूर्वानुमान की लम्बाई– इन्हें निम्न वर्गो मे विभाजित किया जाता है।

(क) अल्पकालिन पूर्वानुमान – इसकी अधिकतम अवधि एक (1) वर्ष की होती है।

(ख) मध्यकालिन पूर्वानुमान – इसकी अवधि 1 से 2 वर्ष की है जिसमें अनुशासन हर संचालन तालिका एवं व्यय के उपर बजटरी नियंत्रण के निर्धारण के लिए उपयुक्त है।

(ग) दीर्घकालीन पूर्वानुमान – इसके अन्तर्गत 3 से 10 वर्ष तक की अवधि पूँजीगत व्यय, से विवर्गीय आवश्यकताएँ तथा खोज एवं विकास के आधार व क्षेत्र के निर्धारण के लिए उपर्युक्त समझी जाती है।

(2) पूर्वानुमान के स्तर– यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की व्यावसायिक शर्तो से सम्बधित होता है जो कि औधोगिक उत्पादन एवं राष्ट्रीय आय का व्यय के समुचित निर्देशांक द्वारा मापित होता है।

(क) सूक्ष्म स्तर पूर्वानुमान– यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की व्यावसायिक शर्तो से संबधित होता है जो कि औद्योगिक उत्पादन एवं राष्ट्रीय आय–व्यय के समुचित निर्देशांक द्वारा मापित है।

(ख) फर्म स्तरीय पूर्वानुमान –दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण होता है।

(ग) उद्योग स्तरीय पूर्वानुमान – इसका निर्माण विभिन्न व्यापार धंधो द्वारा किया जाता है।

(3) उत्पाद का वर्गीकरण– उत्पादो को उत्पादन वस्तुएँ एवं उपभोक्ता वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना आवश्यक होता है।

(4) सामान्य एवं विशिष्ट पूर्वानुमान–

(5) पूर्वानुमान की समस्याएँ एवं विधियाँ– पूर्वानुमान की समस्याएँ एवं विधियाँ नये उत्पादो के सम्बध मे पुराने उत्पादो की समस्याओं एवं विधियों से भिन्न होगी।

The following factors are attributed to demand forecasting :-

(1) Length of Forecasting:- It is further spilt into the following sub factors:-

(a) Term forecasting:- The maximum span in short term forecsting is 12 month which is considered adequate for determining the sales Volume inventory control production level and the capital flow etc.

(b) Medium term forecasting:- The span in this regard range from 1 to 2 years for ensuring disciple level operational level and the budgetary control over the expenditure etc.

(c) Long term forecsting:- This term forecasting vary from 3 to 10 years are considered to be aquate for capital investment expenditure employment requeirement financial needs etc.

(2) Level of Forecsting:-

(a) Micro level forecasting: - It is related to all the business conditions in the economic management which is strictly in accordance with the determined standards of industry production, national income & expenditure.

(b) Industry level forecasting:- It is determined and established by various federation.

(3) Classification of Products:- It is essential to classify the products as the productive and consumerable items.

(4) General or specific forecasting :-

(5) Problem and method of forecast:- Problem and method of forecasting are different in case of old and new products.

9. अनुपात विश्लेषण की सीमाओं पर प्रकाश डालें।

Discuss the limition of Ratio Analysis.

अनुपात विश्लेषण संख्या की वित्तीय स्थिति एवं सुदृढ़ता को प्रदर्शित करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। हालाकिं अनुपात विश्लेषण व्यवसाय प्रबन्ध के लिए शक्तिशाली यंत्र है, फिर भी यह विभिन्न सीमाओं से ग्रसित है जो कि निम्नलिखित है–

(1) गलत परिणाम– अनुपात वित्तीय विवरणों पर आधारित होते है। यदि वित्तीय विवरणों के आँकड़ो शुद्ध नहीं हैं तो उन पर आधारित अनुपात भी गलत होगे। जिससे निष्कर्ष के रूप में निकाले गये परिमाण भी गलत होगें। लेखाकंन पद्धति में भी अनेक कमियाँ व्याप्त है, अतः उन पर आधारित अनुपात भी विश्वसनीय नही हो सकते।

(2) सर्वमान्य प्रमाणित शब्दावली का अभाव– कुछ शब्दों के अलग अलग अर्थ होते है, जैसे कुछ फर्मे लाभ को ब्याज के पूर्व एवं कर के बाद लेती हैं तथा कुछ फर्मे लाभ को ब्याज एवं कर के बाद लेती है। कुछ फर्मे बैंक अधिविकर्ष को चालू दायित्व मानती है तो कुछ गैर चालू दायित्व मानती है।

(3) गुणात्मक पहलुओं की अवहेलना– अनुपात विश्लेषण व्यवसाय के निष्पादन की परिमाणात्मक माप है। यह फर्म के गुणात्मक पहलू की अवहेलना करता है जो कि स्पष्ट करता है कि अनुपात व्यावसाय की कार्यक्षमता को एक पक्षीय अवधारणा है।

(4) एक पक्षीय अवधारणा– अनुपात विश्लेषण एक पक्षीय विश्लेषण है। यह निर्णयन हेतु आवश्यक सूचना का एक अंश उपलब्ध कराता है। अतः वित्तीय विवरणों का सूक्ष्म विश्लेषण हेतु अनुपात का प्रयोग विश्लेषण की दूसरी विधियों के साथ किया जाना चाहिए।

(5) एकल अनुपात का सीमित प्रयोग– एकल अनुपात अर्थपूर्ण सूचना देने मे सक्षम नही होता है। अतः एक निश्चित स्थिति को समझने के लिए बहुत से अनुपातों की गणना की आवश्यकता होती है। विविध अनुपातों की गणना से भी दिमाग भ्रमित हो सकता है।

(6) सीमित तुलनीयता– दो फर्मो के परिणामों की तुलना की जा सकती है किन्तु यह तभी सम्भव है जब दोनो फर्मो में प्रयुक्त लेखाकन विधियाँ एक हो। यदि वे अलग–अलग लेखांकन विधियो का प्रयोग करती है तो उनका तुलनात्मक अध्ययन संभव नही हो सकता। इसी प्रकार सुविधाओं का प्रयोग, सुविधाओं की उपलब्धता एवं संचालन स्तर भी विभिन्न फर्मो के वित्तीय विवरणों को प्रभावित करते है। ऐसी फर्मो के अनुपातो की तुलना भ्रामक होगी।

Ratio analysis plays a crucial role in exhibiting the financial status and strength of an organisation. Although the ratio analysis is a potent tool for the management yet flawed with certain limitations which are follow:-

(1) False Results:- Ratio are based on financial details if the statistics and figures contained in the details are not true and exact so are the ratio based on them. Which lead to the wrong inferences.

(2) Lack of Staudard Universally Accepted terminology :- Different words have different meanings as several companies consider profits prior to taxation and some consider profit after deducting interests and taxes.

(3) Ignoring Qualitative factors:- Ratio analysis is a parameter or measuring yard stick for a business execution. It tries to qualitative factors and tends to explain the ratio is a measurding device to see the operational efficeinay of a venture.

(4) One sided analysis:- Ratio analysis is a one sided phenomenon which provides only one aspect of the desired information. Therefore the micro analysis of the financial statements must be coupled with others analytical processes by expolting the ratio factors.

(5) A single product ratio is indadequate in provding a meaning ful information and in order to understand any exat position a multidimensional analysis of ratios is needed .

(6) Limited Comparatability:- The result of two organisations are comparable but it is possible only when the accouting procedures a comparative study is not feasible.

10. विपणन के उद्देश्यों पर प्रकाश ड़ालिए। या विपणन प्रबंध के उद्देश्यों को लिखे।

Discuss the objection of marketing.

Or

Discuss the objective of marketing management.

विपणन प्रबन्ध का मूलभूत उद्देश्य बाजार में उत्पाद की माँग उत्पन्न करना एवं ग्राहको की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए विपणन प्रबन्ध के प्रमुख उद्देश्य निन्नलिखित है।

(1) माँग का सृजन करनाः– विपणन प्रबन्ध का प्रथम एवं महम्वपूर्ण उद्देश्य बाजार में उत्पाद की माँग उत्पन्न करता है। यह कार्य उपभोक्ताओं के प्रति विभिन्न प्रकार की सेवाएँ अर्पित करने, विज्ञापन एवं विक्रय संवर्धन के उपायों के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

(2) उपभोक्ता सन्तुष्टि– विपणन प्रबंध का दूसरा महत्वपूर्ण उद्देश्य उपभोक्ताओं को अधिकतम सन्तुष्टि प्रदान करना है। ऐसा करने के लिए विपणन प्रबन्धक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार ही उत्पादक उत्पाद की उत्पादन कराता है और उसका वितरण कराता है।

(3) बाजार हिस्सेदारी :– विपणन प्रबन्ध का तीसरा महत्वपूर्ण उद्देश्य बाजार में अपनी हिस्सेदारी बनाये रखना एवं उसमें वृद्धि करना है। उदाहरण के लिए, पैप्सी तथा कोकाकोला दोनो कम्पनियाँ बाजार में अपनी हिस्सेदारी बनाये रखने एवं उसमें वृद्धि करने के लिए परस्पर प्रतियोगिता करती है। इसके लिए विज्ञापन बिक्री संवर्द्धन तथा पैकेजिंग आदि के नये नये तरीके अपनाती है।

(4) साख एवं जनछविः– विपणन प्रबन्ध का चौथा महम्वपूर्ण उद्देश्य बाजार में अपनी कम्पनी तथा उत्पाद दोनो की ख्याति एवं जनछवि विकसित करना है यह कार्य ग्राहको को उचित मूल्यों पर यथा समय पर एवं अच्छी गुणवता उत्पाद उपलब्ध कराकर ग्राहको में अपनी पैठ बनाकर किया जाता है। जैसे – टाटा, बाटा, गोदरोज आदि।

(5) लाभ सृजन – लाभ तथा विक्रय में प्रत्यक्ष संबध है। सामान्यतः जितनी अधिक बिक्री होगी, लाभ की मात्रा भी उतनी ही अधिक होगी। अतएव प्रबन्धक बिक्री की वृद्धि का हर संभव प्रयास करता है। यदि कोई व्यावसायिक इकाई पर्याप्त लाभ अर्जित नही करती है तो बाजार में टिक नही सकती है।

(6) समाज सेवाः– व्यवसाय समाज का अंग है। अतएव सामाजिक उतरदायित्व उसे निभाना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि वह समुचित लाभ अर्जित करे। सामाजिक उतरदायित्व क्रमशः उपभोक्ताओं के प्रति, कर्मचारियों के प्रति, एवं सरकार के प्रति होता हैं।

The fundamental objective of marketing management into generate the demand of merchandise and cater to the customers requirements with this objectives in mind following are important objects.

(1) Creation of Demand:- It is the first foremost objective of marketing management to creat demand of a product with market. This objective

becomes achievable through the service to the customers adverting and sales strategies etc.

(2) Customer satisfaction:- The second most task of the marketing management is to provide the optimum satisfaction to the customers. For doing so, a meticulous study and survey is conducted to ascertain their needs.

(3) Market Share:- It is the third most important task for the marketing management to retain its share in the market and to ensure its growth.

(4) Goodwill and public Image:- The fourth task into established the goodwill and credibility of its company in the market. This task can be accomplished by providing the customers with the products at reasonable prices by maintaining the standards so to gain credibility of the product among the consumers like Tata, Bata, etc.

(5) Profit Generation:- Direct relation is found between sale and profit. Generally more is the sale, more profit can be earned so manager makes every possible attempt to increase sales. If any interprise does not earn adequate profit, it can not remain in market for a longer period.

(6) Social Service: - Business is a an organ of society and it is the marketing management that ensures this social obligation. Therefore it is important for it to generate the maximum profit. The responsibility and obligation in business is always directed towards society, customers employee share holders and the Govt. etc.

11. परियोजना के प्रकार का वर्णन किजिए।

Describe types of project.

परियोजना के प्रमुख प्रकार इस प्रकार है।

(1) शोध एवं विकास परियोजनाँ– जिन उद्योगो में Technological परिर्वतन बड़ी तेजी से होता है। उनमे शोध एवं विकास कार्यो में बड़ी मात्रा में धन का विनियोग करना पड़ता है।

(2) विविधीकरण परियोजनाएँ– एक उपक्रम जो अपनी जोखिम कम करना चाहता है, एक ही बाजार में अपने उत्पादो को न देकर विभिन्न बाजारो में अपना कार्य प्रारम्भ कर सकता हैं।

(3) विस्तार परियोजनाएँ– एक उपक्रम को अपने उत्पादो की माँग में अत्यधिक वृद्धि होने तथा अपर्याप्त उत्पादन क्षमता के कारण अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करनी पड़ सकती है। इसके लिए अतिरिक्त पूँजी विनियोग की आवश्यकता होती है।

(4) प्रतिस्थापन परियोजनाएँ– स्थायी सम्पतियों के नष्ट होने या नई तकनीकी के कारण उनके अप्रचलित होने से उनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है।

(5) विविध परियोजनाएँ– एक उपक्रम को उन परियोजनाओं में विनियोग करने की आवश्यकता हो सकती है। अतः इन प्रयोजनों के लिए भी परियोजना की आवश्यकता हो सकती है।

The important types of projects mentioned in the following points.

(1) Research and Development projects- Those traders are fast being intruded into by technological innovation a lof of money is required to be invested on the research and development programmes.

(2) Diversification project- Any project which wants to reduce its risks instead of giving its product to the same market, can start its business in different markets.

(3) Expansion projects- For any business organisation, when there is growing an instence demand of its product resulting in short supply, it becomes quite imperative increase its production capacity. As such an additional capital investment is needed.

(4) Replacement project- Such project refer to the events of ruining or destruction of the capital assets, or the technological failure resulting into a statement, there is a need of replacement project. As such in this event, the old machines and equipments are required to be replaced with new one replacement projects for establishing new infrastructure are induced in this project planning.

(5) Miscellaneous Projects:- Such ventures that need to invest in those projects which are not directly related to the earning of profits for example due to legal obligations an organisation is required to instal the pollutions control equipments. As such projects, it is the miscellaneous projects which are required.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 06

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. भारतीय उधोग के सम्बन्ध में उधमिता है
   (A) आवश्यक (B) अनाश्यक
   (C) भार (D) समय और धन की बर्बादी

In relation to Indian industries entrepreneurship is
   (A) Necessary (B) Unnecessary
   (C) Burden (D) Wastage of time and money

2. ई. एस. मीड के अनुसार नवप्रवर्तन के तत्व है
   (A) चार (B) दो
   (C) छः (D) आठ

Elements of innovation according to E.S.Meed
   (A) 4 (B) 2

(C) 6 (D) 8

3. निम्नलिखित में से कौन सी एक आर्थिक क्रिया नहीं है
(A) वस्तुओं का उत्पादन (B) वस्तुओं का व्यपार
(C) पेशेवर सेवा (D) समाज सेवा

which of the following is not an economic activity
(A) Production of goods (B) Trade of goods
(C) Professional service (D) Social Service

4. क्या किसी निश्चित निर्णय के पूर्व आन्तरिक संसाधनों पर ध्यान देना आवश्यक होता है
(A) हाँ जरूरी है (B) नहीं जरूरी नहीं
(C) वाह्य संसाधनो के लिए जरूरी (D) इनमें सें कोई नहीं

Is it necessary to give due consideration on internal resources before initiating a particulars decision .
(A) Yes, it necessary (B) No,Not necessary
(C) Necessary for external resources (D) None of these

5. सामाजिक व्यवहार सम्बन्धित नहीं होता है
(A) जनता हेतु वस्तुओं के उत्पादन से (B) अनैतिक व्यवहार का परिर्वजन
(C) समाजिक वाहयता की पूर्ति (D) लाभ अर्जन प्रक्रिया

Social behavior is not concerned with
(A) Production of Public goods (B) Avoid of unethical behaviour
(C) Fulfilment of social obligations (D) Profit earning process

6. वसीयत को मानना चाहिए!
(A) दायित्व (B) आयगत प्राप्ति
(C) आय (D) इनमें से कोई नहीं

Legacies should be treated as
(A) A liability (B) A Revenue Receipts
(C) Income (D) None of these

7. गैर व्यापारिक संस्थानों में व्यापार आय की अधिकता को कहा जाता है
(A) लाभ (B) अधिशेष
(C) हानि (D) कमी

In non-trading concerns organisation excess of expenditure over Income is called
(A) Profit (B) Surplus
(C) Loss (D) Deficit

8. कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों के अर्न्तगत एक कम्पनी निर्गमित कर सकता
(A) केवल समता अंश (B) केवल पूर्वाधिकारी अंश
(C) समता अंश और पूर्वाधिकारी अंश (D) इनमें से कोई नहीं

Under the provisions of companies Act,a company can issue
(A) Only equity shares (B) Only preference shares
(C) Preference shares and Equity shares (D) None of these

9. दायित्यों की कुल राशि में सम्मिलित होती है
(A) अधिकृत पूँजी (B) निर्गमित पूँजी
(C) प्रार्थित पूँजी (D) चुकता पूँजी

Total amount of liabilities side includes the following
(A) Authorised capital (B) issued capital
(C) Suscribed capital (D) Paid up capital

10. समता अंशधारी होते है
(A) लेनदार (B) स्वामी
(C) कम्पनी के ग्राहक (D) इन्में से कोई नहीं

Equity share holders are
(A) Creditors (B) owners
(C) Customers of the company (D) None of these

11. राज्य सरकारें लघु उधोग को अनुदान देती है
(A) ब्याज के भुगतान पर (B) तकनीकी ज्ञान पर
(C) परिवहन पर (D) इन सभी पर

State government provide subsidy to small industries on
(A) Payment of Interest (B) On technical knowledge
(C) On transport (D) On all these

12. निम्न में से कौन–सी आर्थिक विकास की विशेषताएँ है
(A) निरन्तर प्रक्रिया (B) निरन्तर प्रक्रिया एंव वृद्धि
(C) आयात सुविधाएँ (D) वृद्धि

which of the following is a characteristics of economic development
(A) Continuous Process (B) Continuous Process and Increase
(C) Import facilities (D) Increase

13. उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रदान करता है

(A) स्वरोजगार
(B) स्वरोजगार,शिक्षण एंव प्रशिक्षण
(C) शिाक्षण एंव प्रशिक्षण
(D) भ्रष्टाचार

Entrepreneurial development programme provides

(A) Self-employee
(B) Self-employment education and training
(C) Education and training
(D) Corruption

14. एक उद्यमी

(A) जन्म लेता है
(B) बनाया जाता है
(C) जन्म लेता है एंव बनाया जाता है
(D) इनमें से कोई नहीं

An entrepreneur is

(A) Born
(B) Made
(C) Both Born and made
(D) None of these

15. भारत के आर्थिक विकास में सहायक है

(A) भारतीय उद्यमी
(B) विदेशी उद्यमी
(C) भारतीय एंव विदेशाी उद्यमी
(D) इनमें से कोई नहीं

In Indian"s economics development is helpful-

(A) Indian entrepreneur
(B) Foreign entrepreneur
(C) Indian and foreign
(D) None of these

16. उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रायः संगठित किये जाते है

(A) छः सप्ताह अवधि
(B) 4 सप्ताह अवधि
(C) 8 सप्ताह अवधि
(D) 10 सप्ताह अवधि

EDP should organized normally by

(A) 6 weeks duration
(B) 4 weeks duration
(C) 8 weeks duration
(D) 10 weeks duration

17. व्यवसाय का उद्देश्य है

(A) सेवा उद्देश्य
(B) लाभ कमाना
(C) धर्मार्थ
(D) सेवा एंव लाभ दोनों

Object of business is

(A) Service motto
(B) Earning profit
(C) Charitable
(D) Service and profit both

18. उद्यमिता पुस्तक के लेखक थे–

(A) वी0 सी0 टण्डण
(B) मोल्ड डेविड एम
(C) पिंचोट गिफर्ड III
(D) मेयर और बालविन

The book Entrepreneur written by
(A) B.C. Tendon
(B) Mold David M.
(C) Pinchat Gifford III
(D) Maier and Balwin

19. आधुनिकीकरण विकास करता है
(A) उत्पादों का
(B) प्रक्रिया का
(C) क्षमता को
(D) श्रमिकों का

Modernisation Improves
(A) Products
(B) Processess
(C) Capacity
(D) Workers

20. एक सफल उद्यमी में अवश्य गुण होने चाहिए
(A) नेतृत्व की
(B) नियन्त्रण की
(C) नवप्रवर्तन की
(D) उपरोक्त सभी

A successful entrepreneur must possess the quality of
(A) Leadership
(B) Control
(C) Innovation
(D) All the above

21. एक परियोजना सम्बन्धित नहीं होती है
(A) नवपर्वतन
(B) कल्पना शान्ति
(C) जोखिम
(D) सृजनशीलता

A product is not concerned with
(A) Innovation
(B) Vission
(C) Risk
(D) Creativity

22. स्टाक आवर्त अनुपात के अन्तर्गत आता है
(A) तरलता अनुपात
(B) लाभ प्रदता अनुपात
(C) निश्पादन अनुपात
(D) इनमें से कोई नहीं

Stock turnover ratio comes under-
(A) Liquidity Ratio
(B) Profitability Ratio
(C) Acidity Ratio
(D) None of these

23. आदर्श चालू अनुपात है
(A) 2:1
(B) 1:2

(C) 3:2 (D) 3:4

The Ideal current Ratio is ----

(A) 2:1 (B) 1:2

(C) 3:2 (D) 3:4

24. द्रवता के दो आधारभूत माप है

(A) स्टॉक आवर्त और चालू अनुपात (B) चालू अनुपात और द्रवता अनुपात

(C) चालू अनुपात और औसत संग्रहण अवधि (D) चालू अनुपात तथा देनदार आवर्त अनुपात

The two basic measures of liquidity are-

(A) Inventory turnover and current Ratio (B) Current Ratio and Liquid Ratio

(C) Current Ratio and Average collection period (D) Current Ratio and Debtors turnover Ratio

25. प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग नहीं हो सकता

(A) सदस्यों के लाभांश बाँटने के लिए

(B) सदस्यों को बोनस अंशो के निर्गमन के लिए

(C) कम्पनी के प्रारम्भिक व्ययों के अपलेखन के लिए

(D) ऋणपत्रों के नियोजन के बट्टे के अपलेखन के लिए

Security Premium can not be applied

(A) For Paying dividend to members

(B) For issuing bonus shares to members

(C) For writing of Preliminary expenses of company

(D) For writing of discount on issue of debentures

26. वैधानिक रूप में सेबी की स्थापना हुई थी

(A) 1988 (B) 1990

(C) 1992 (D) 1994

Legally SEBI was established in –

(A) 1988 (B) 1990

(C) 1992 (D) 1994

27. तरलता का निर्माण करता है

(A) संगठित बाजार (B) असंगठित बाजार

(C) प्राथमिक बाजार (D) गौण बाजार

Creats liquidity

(A) organized market (B) unorganized market

(C) Primary market (D) Secondary market

28. सेबी का मुख्य कार्यालय है

(A) दिल्ली (B) मुम्बई

(C) कोलकता (D) चेन्नई

Head office of SEBI is in

(A) Delhi (B) Mumbai

(C) kolkata (D) Chennai

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) A	(8) C	(15) C	(22) C
(2) A	(9) D	(16) B	(23) A
(3) D	(10) B	(17) D	(24) B
(4) A	(11) D	(18) B	(25) A
(5) D	(12) B	(19) C	(26) C
(6) A	(13) B	(20) D	(27) D
(7) B	(14) C	(21) D	(28) B

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answers to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. सम्भाव्यता योजना क्या है?

   What is feasibility plan?

   सम्भाव्यता योजना के अंतर्गत उत्पादन के चयन के बाद अपने सोच को साकार करने की तैयारी में लग जाता है। उसके उत्पादन के लिए जो उपक्रम बनायी जाएगी, वह कैसी होगी, कहाँ होगी, कब होगी, क्या लागत आएगीए उपक्रम संचालन कैसे होगा, विक्रय मूल्य क्या होगा इत्यादि। इसका असर प्रतियोगिता पर क्या होगा, विज्ञापन कैसे होगा, लाभ की संम्भावना क्या होगी इत्यादि। ऐसे सभी समग्र प्रक्रिया को कागज पर लिखकर अध्ययन करता है। ऐसे कल्पना एवं विचारों में व्यवहार्य है या नही, इसी बातो को सम्भाव्यता योजना कहा जाता है।

   An entrepreneur finally decides with regard to the selection on the product/service. Now he tries to actualise his imagined project, what should be modus-operandi in terms of the product, its kind, its venue, its timing, cost of production, its impact on the competitions, models of distribution and possibility of profit etc. By noting down on a piece of paper write from the beginning up to last need to be meticulously studied and examined yes or no position of business. If is feasibility plan.

2. प्रोजेक्ट रिर्पोट क्यों आवश्यक है?

   Why the project report is essential?

   परियोजना प्रतिवेतन उद्यमी के हाथों में एक ऐसा सड़क मानचित्र है जिसके द्वारा वह अपने गंतव्य स्थान(उद्देश्य) तक पहुँच पाने में समर्थ होता है। अतः उद्यमी अपने निर्धारित उद्देश्य को एक निश्चित समय में कैसे पूरा करेगा इन्ही तथ्यों को विवरणी परियोजना प्रतिवेदन कहते है। यह निम्नांकित उद्देश्यों के पूर्ति हेतु बनायी जाती हैः–

   1. उससे उपक्रम की दशा एवं दिशा ज्ञात होती है।
   2. इस प्रतिवेदन के आधार पर विनियोगकर्त्ता या महाजन आर्थिक सहायता देने को तैयार होते है।
   3. परियोजना के मूल्यांकन का अवसर मिलता है।
   4. परियोजना की अनुमानित लागत एवं संभावित आय का पता चलता है।

   इस तरह हम देखते है कि परियोजना प्रतिवेदन स्वयं साहसी के लिए उपयोगी तो है ही, उसके अतिरिक्त अन्य बैंको, वित्तीय संस्थाओं, विनियोगकर्त्ताओं तथा सरकार आदि के लिए भी उपयोगी होता है।

   A project report to an entrepreneur is like a road map by the help of which he is able to reach his proposed destination. How can be accomplish his objective

within the stipulated time frame the description of these facts is termed as project report. It is prepared for the accomplished of the following:-

1. It serve as a path finder for the enterprise.
2. On the basis of the project report a financer decides to render the financial aid.
3. It also gives an opportunity for evaluating the project.
4. It also explains the estimated investment and the prospective income.

As such it is becomes apparent that the project report is easy to help for the entrepreneur as for the banks financial agencies and inventors and the government too.

3. रणनीति को परिभाषित करें।

Define strategies.

किसी भी उपक्रम के जन्म लेने में दो शक्तियाँ ठीक उसी तरह कार्य करती है जैसे बच्चें के जन्म लेने में उसके माता और पिता। जब साहसी की योग्यता, क्षमता, ज्ञान एवं सृजन–शीलता की शक्ति बाजार की वर्तमान अवस्था में संतुलित हो जाती है तो ये उपक्रम का जन्म औद्यौगिक एवं व्यापारिक जगत में हो जाता है। इस उपक्रम रूपी बच्चें के जन्म से पहले साहसी उसकी रणनीति(Strategies) बना लेता है क्योंकि सिर्फ उपक्रम को पैदा कर देना ही पर्याप्त नही होता बल्कि ऐसे उपाय बनाकर रखने होते है कि यह उपक्रम औद्योगिक जगत में बढें, फले–फूलें और विकास का सितारा बन सकें।

बिल बोल्टन एवं जॉन थामसन का कहना है कि, "रणनीतियाँ वे है , जिन्हे उपक्रम करती है, तथा यह वह निर्णय है जिसके द्वारा यह सफलता के एक निश्चित स्तर तक पहुँचती है।"

There are two kinds of forces which contribute to the emergence of an enterprise in the similar manner as the parents who cause birth to a child. When the strength of an entrepreneur in terms of ability, potentials and knowledge identified itself with the prevailing market environment, it gives rise to a new enterprise in industrial or market sector. Before giving a tangible form to his enterprise the entrepreneur makes his strategies and following this not only the birth of a new enterprise takes place but its future growth and visibility is also ensured so that this blossoming enterprise acquire a symbol of growth.

Bill Bolton and John Thompson have stated "strategies are the things that enterprises do, the paths they follow and decision they take in order to reach certain points and level of success."

4. सीमा की सुरक्षा एवं अंशदान में अंतर बताएँ।

Write differences between margin of safety and contribution.

<u>सीमा की सुरक्षा</u> :– सीमा की सुरक्षा वास्तविक ब्रिक्री और सम–विच्छेद बिन्दु के अंतर को दर्शाती है। दूसरे शब्दों में ब्रिक्री की मात्रा या राशि सम–विच्छेद बिन्दु से जितनी अधिक होती है उस आधिक्य को ही सीमा की सुरक्षा कहा जाता है।

<u>अंशदान</u> :– अंशदान से आशय ब्रिक्री एवं बिक्रय की परिर्वतनशील लागत या सीमांत लागत के अंतर से है। दूसरे शब्दों में परिर्वतनशील लागत पर ब्रिक्री की राशि के आधिक्य को अंशदान कहा जाता है। यह स्थिर लागत या लाभ के बराबर होता है।

अर्थात् अंशदान=विक्रय मूल्य–सीमांत लागत,
अथवा, अंशदान=स्थिर लागत + लाभ
अथवा, अंशदान–स्थिर लागत=लाभ।

Margin of Safety :- Margin of safety refers to the difference between total sales and the sales at break even point Margin of safety indicates the soundness of the business. A high margin of safety indicates an extremely, favorable position of the firm is the market since even with a sustained decline in sales the firm will continue to earn profit.

Contribution :- By contribution we mean the difference between the sales price and variable cost or marginal cost. In other words, the excess of amount received through sales over the variable cost in termed on contributation. This amount is equal to fixed cost and profit or,

Contribution=Sales price-Marginal cost.

Or, Contribution = (Fixed cost+ Profit- Loss)

Or , Contribution: Sales $\times \frac{P}{V}$ Ratio.

5. कारखाना लागत को समझाइयें।

Mention to the factory cost.

कारखाना लागत :–कच्चा माल श्रम की सहायता से कारखानों में विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरते हुए पक्के माल में बदलता है। इस स्तर पर अर्थात् कारखानो में जो भी खर्च होता है उसे कारखाना उपरिव्यय कहा जाता है, उसे जब मुख्य लागत में जोड़ दिया जाता है तो यह कारखाना लागत कहलाता है।

Factory Cost :- The raw material when to be covered into a finished product with help of labour has go under various process. At this stage or in factory whatever the cost is incurred is known as work overhead and when added to the price cost, it comes to be known as factory cost.

6. डाक द्वारा प्रत्यक्ष विज्ञापन क्या है?

What is direct mail order advertising?

डाक द्वारा प्रत्यक्ष विज्ञापन से आशय ऐसे विज्ञापन से है जिसके द्वारा आकर्षित करने के लिए उनके पास स्थायी रूप से छपे हुए अथवा लिखित संदेश भेजता है। इस प्रकार इसमें सामूहिक रूप से आकर्षित करने की अपेक्षा कुछ लोगो को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया जाता है।

Direct-mail order advertising refers to the one in which advertiser in order to impress some selective people, send permanently printed or written type of messages. Thus, to attract people collectively, some chosen ones are invisibly impressed upon.

7. उद्यमी का सरकार के प्रति दायित्व क्या है?

What is responsibility towards government?

सरकार अभिभावक के रूप में उद्योग,व्यापार,व्यवसाय को संरक्षण प्रदान करती है। विभिन्न नियम उपनियम बनाकर तथा औद्योगिक नीति बनाकर उसपर चलने कें लिए प्रेरित करती है। अतः सरकार के प्रति साहसी के निम्नांकित उत्तरदायित्व होते हैः–

1. देश के आर्थिक विकास में योगदान देना।
2. सरकारी अधिनियम कानूनों, निर्देशों का पालन करना।
3. सही कर का सही समय पर भुगतान करना।
4. किसी राजनीतिक पार्टी विशेष का सर्मथन नही लेना।

Responsibility towards government provides security to industry, commerce or business as a guardian. By industrial regulations that government encourages the

entrepreneurs to follow and as such an entrepreneur has some responsibilities to shoulder towards the government by following, the below mentioned points:-

1. To contribute to the nation"s economy.
2. To abide by government"s rules and regulations, and directions etc.
3. To pay taxes in right proportion in time.
4. Not to solicit any political party"s special favour.

****

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

प्रश्न 8. उपक्रम स्थापना का क्रियान्वयन आप कैसे करेंगे?

How would you execute the setting up of an enterprise?

उत्तर :– उपक्रम स्थापना का क्रियांवयन संबंधी व्यवहारिक कार्य निम्नांकित किया जाता है

(I) **<u>एक स्थान</u>** व्यस्थित **<u>करना</u>** :– उपक्रम जिस स्थान पर स्थापित होती है वहां उन सारी सुविधाओं को व्यवस्थित कर लेना चाहिए जो उपक्रम के लिए आवश्यक है जैसे उस स्थान तक पहुंचने के लिए आवागमन की व्यवस्था, बिजली, पानी इत्यादि।

(II) **<u>भवन निर्माण</u>** :– उपक्रम के लिए कभी कभी औद्योगिक क्षेत्र में सरकार द्वारा ही स्थान एवं भवन प्रदान की जाती है इसके लिए किराया लिया जाता है यदि ऐसा नहीं है तो निजी एजेंसी से भी अपनी आवश्यकता अनुसार जगह और भवन भाड़े पर लिया जाता है उत्पादन की प्रक्रिया के लिए भवन निर्माण किया जाना चाहिए।

(III) **<u>मशीन एवं यंत्र</u>** की **<u>स्थापना</u>** :– मशीन एवं यंत्र की खरीद सावधानीपूर्वक करना चाहिए और आरंभ में इसकी स्थापना विक्रेता कंपनी की देखरेख एवं विक्रेता

कंपनी के समन्वय मे करना चाहिए ताकि कर्मचारी भी समझ सके, संचालन के प्रतिनिधि को किसी भी गड़बड़ी को ठीक करना चाहिए और मशीन की प्रकृति को ध्यान में रखना चाहिए।

(IV) **<u>जांच उत्पादन</u>** :– संयंत्र स्थापित हो जाने के बाद थोड़े कच्चे माल से उत्पादन की प्रक्रिया आरंभ कर देनी चाहिए और देखना चाहिए कि इसमें क्या कमी वेशी रह गई है ऐसा कर लेने से तैयार उत्पादन को बाजार में भेजने से पहले उसकी जांच हो जाती है और सुधारात्मक उपाय संभव हो जाता है।

(V) **<u>पैकिंग एवं वितरण व्यवस्था</u>** :– इसके बाद सब कुछ ठीक ठाक रहा तो सामान्य उत्पादन प्रक्रिया चालू कर दी जाती है। इस तैयार उत्पाद की पैकिंग व्यवस्था ठीक से कर के इसके वितरण की कार्यवाही की जाती है। इसके लिए पहले से सुनिश्चित मार्ग अपनाए जाते हैं। ऐसा निर्णय साहसी अपनी सुविधा अनुसार पहले से ही कर लेता है।

(VI) **<u>बाजार में प्रवेश</u>** :– पैकिंग और वितरण व्यवस्था दुरुस्त कर लेने के बाद अब साहसी उत्पाद बाजार में दाखिल लेता है जहां उसकी असली परीक्षा होती है साहसी अपने उत्पाद के प्रति बाजार की प्रतिक्रिया पर हमेशा चौकसी बनाए रखते हैं तथा तुरंत अपनी उत्पादन प्रक्रिया में बाजार के निर्देशानुसार परिवर्तन लाता है।

These are factors execution of project establishment:

(I) Arranging the site – Prior to setting up of an enterprise, all the facilities which necessiate the project should be carefully considered in terms of water, electricity and Geographical approaches etc.

(II) Construction of building –The site of building is provided in the industrial area on rent by the government; otherwise, according to the suitability of the project, either the land or the building can also be obtained on rent from some private agency. If this is not possible the private land can be purchased in which a building can be raised according to suitability of production, technical infrastructure and other considerations.

(III) Settings of Machines and Equipments- Purchasing of machinery and utmost caution need to be exercised and in the beginning it should be installed by the vendor company enabling the company"s employee watch the operation carefully and till the beginning of the operation the vendors company representative should be detained so that any sang be rectified it if occurs.

(IV) Trail production – Soon after the machinery and other technical infrastructure gets installed a limited production from the raw material should start to see of any improvement is needed in the finished product. In this way the production is properly examine before it reaches in the market.

(V) Packing and distribution arrangement- Entrepreneur now chooses to give a kick to the production process. The good is nicely packed and dispatched for distribution as this aspect is already carefully considered .The insure sent to goods to the wholesaler, retailer or to some agent.

(VI) Entry into the market – The merchandise gets launched into the market and this phase is the real test of the entrepreneur"s ability. The entrepreneur keeps a constant vigil around the market with regard to the market response to his product and brings about changes as per market aspiration and expectation.

प्रश्न 9. व्यवहार्यता अध्ययन क्यों आवश्यक है? यह कैसे किया जाता है?

Why feasibility study is needed and how it is done?

उत्तर :– उत्पाद अथवा सेवा का चयन हो जाने के बाद उद्यमी उसे साकार करने के लिए विचार प्रारंभ कर देता है। उसके उत्पाद के लिए जो योजना बनाई जाएगी वह कैसी होगी, कहां होगी, कब होगी, उपक्रम कैसे संचालित होगा, क्या लागत आएगी, विक्रय मूल्य कितना होगा, उसका असर अन्य प्रतियोगियो पर क्या होगा, कैसे पैकिंग होगी, विज्ञापन कैसा होगा, वितरण की व्यवस्था क्या रहेगी, खर्च के लिए वे उत्पादन हेतु पैसा कहां से आएगा, लाभ की क्या गुंजाइश रहेगी, आदि यानी आरंभ से अंत तक सभी बातों का अध्ययन व्यवहार्यता अध्ययन के अंतर्गत आता है इस रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की योजना तैयार की जाती है।

व्यवहार्यता रिपोर्ट में सभी उपयुक्त तथ्यों से संबंधित बातों को प्रश्नावली के रूप में लिखकर इसका उत्तर स्वयं से पूछना चाहिए पूछना था। अन्य विशेषज्ञों से विचार विमर्श करके सुनिश्चित करना चाहिए कि वास्तव में साहसी अब जो कुछ करने जा रहा है उसमें व्यवहारिक सच्चाई कितनी है।

व्यवहार्यता रिपोर्ट के अध्ययन के आश्वस्त हो जाने के बाद अब जोखिमों का खिलाड़ी उपक्रम स्थापित करने की प्रक्रिया में जुट जाता है। यह बात ध्यान देने योग्य है कि उपक्रम चाहे छोटा हो या बड़ा दोनों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन अत्यंत आवश्यक है क्योंकि वह नियोजन एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट के लिए आधार का कार्य करती है।

After selection of a product or commodity or service, an entrepreneur endeavours to convert it into reality or tries to give a practical shape to the ideas or concepts. He starts thinking about the production and starts contemplating on the following issues. What would be the nature of scheme or project required for its production .Where and when it would be implement .Who would manage and organise the enterprise, what would be the cost of establishment, how much they would react,

what kind of packing would be used, what would be the nature of publicity or advertisement, campaign, what kind of distribution arrangements from where the money would be a for production and other running expenses. What would be the scope of profit or in other works the practical evaluation of each and every aspect would be taken into consideration.

All the above parameters and their relevant aspects together from a questionnaire and the entrepreneur holds a monologue to confirm the veracity and viability of the projector or also to seek an interaction with the experts before giving a final shape to dream project.

After going through this entire rigmarole an entrepreneur in the true sense engages himself in establishing his enterprise project. Here the important point is to see whatever the project is small or big the study of practicality is very imperative for it serves as a basic of the planning and project report.

प्रश्न 10 – अनापति प्रमाण–पत्र की कया महत्ता है? यह प्रारंभिक परियोजना से कैसे अलग है? समझाएँ।

What is importance of "No objection certificate (NOC)? How does it differ from preliminary report?

उत्तर – परियोजना अथवा प्रोजेक्टर से आशय पूंजी का विनियोग किसी ऐसे व्यावसायिक अवसरों में करने से है जिसमें लाभ की संभावनाएं अधिक मात्रा में दिखती हैं डेविड क्लिफटन एवं फिफे के अनुसार "परियोजना से आशय किसी नए उद्योग की स्थापना करना या वर्तमान उत्पाद मिश्रण में किसी नवीन वस्तु को मिलाना होता है एक परियोजना एक मशीन या प्लांट से संबंधित हो सकती है। इस प्रकार किसी भी उद्योग में प्रतियोगिता और बाजार की दशाओं तथा व्यवसाय में होने वाले चक्रीय परिवर्तनों एवं मांगो तथा मौसमी परिवर्तनों को ध्यान में रखते हूए व्यवसाय व उद्योग में परिवर्तन करना आवश्यक होता है क्योंकि अगर होने वाले परिवर्तनों के आधार पर व्यवसाय में परिवर्तन नहीं किया जाता तो अपने होने वाले लाभों से वंचित हो जाएगा। इसीलिए यह आवश्यक है कि वह समयानुसार होने वाले परिवर्तनों के आधार पर अपने उत्पादन एवं वितरण समायोजन करे तथा उपभोक्ता की क्रय आदतों रूचियों एवं फैशन में होने वाले परिवर्तनों के हिसाब से उत्पादित होने वाली वस्तुओं में परिवर्तन करके नवीन बनाने का प्रयास करें जिससे प्रतियोगी वस्तु से अलग एवं नयी दिखे, तभी मांग में वृद्धि होगी। नहीं तो वस्तु पुरानी दिखेगी और मांग में भी कमी हो जाएगा तथा व्यवसाय का जिंदा रहना कठिन हो जाएगा ।

इस प्रकार प्रत्येक व्यावसायिक संस्था को अपने को आधुनिक एवं समय अनुकूल बनाने के लिए सदैव नवीन परियोजनाओं के बारे में जांच पड़ताल एवं विचार विमर्श करते रहना चाहिए। यह विचार किसी नई वस्तु के उत्पादन करने या विद्यमान उत्पादनों में सुधार करने या उनमें नई वस्तुओं

को जोड़ने से संबंधित हो सकता है। इसी प्रकार व्यावसाय के विकास या विस्तार करने तथा उनका पुनर्गठन करने के उद्देश्य से नवीन परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाता सकता है।

If refers to the investment on such projects which have ample opportunities that reflect the scope of great deal of profitability. David Clifton and Eyffe opine ,"A project envisages the setting up business or mixing up of a new stimulant with the existing merchandise .A project may be related to a new machine or a plant. Similarly the threat of competition the market environment and the business or the products in conformity with the changing scenario failing in which may lead to the reduction in profit .Therefore, it is imperative to bring about the required and desirable change in the business or the products by taking into account the constantly changing fashions consumer"s buying habits and their performance and by giving a new look to the products so as there should be more demand of the merchandise otherwise the product would appear to be lack-lustre resulting the decline in demand lest it should be a threat to the survival of the business.

Therefore every commercial organisation must try to get modernized to Keep pace with the march of time and try to keep itself abreast of the contemporary business trends so as to get turned to the new emerging fashion. This is the way of developing and expanding or re-organising a business by planning afresh.

प्रश्न 11 – विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रौद्योगिकी समझाइये

Discuss the different types of production technology.

उत्तर –तकनीकों के प्रकार – प्रायः तकनीकी दो श्रेणी के हो सकती हैं

(1) श्रम गहन तकनीक (2) पूंजी गहन तकनीक

(1) श्रम गहन **तकनीक** – श्रम गहन तकनीक अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में श्रम एवं पूंजी की लघु मात्रा उपयोग करती है जिससे श्रम की अधिक मात्रा मिश्रण पूंजी की अल्प मात्रा से किया जाता है इस प्रकार इसमें अधिक श्रम तथा पूंजी की अल्प साधनों का प्रयोग किया जाता है प्रो0 मिण्ट के अनुसार – श्रम गहन उत्पादन विधियां वे हैं जो की पूंजी की एक इकाई के बदले श्रम की अधिक मात्रा की मांग करें। मानवीय चातुर्य तथा पूंजी निर्माण दोनों को ही मुख्य मानती है।

(2) **पूंजी** गहन **तकनीक** – पूंजी गहन तकनीक को ऐसी तकनीक के रूप में परिभाशित किया जा सकता है कि जिस में अपेक्षाकृत अधिक पूंजी की मात्रा प्रयोग की जाती है जबकि यहां श्रम की अल्प मात्रा प्रयुक्त होती है इस तकनीक के अंतर्गत उत्पाद की प्रति इकाई पर पूंजी अधिक होती है जबकि श्रम प्रधान

तकनीक में यहां लागत कम होती है तो पूंजी गहन तकनीक उत्पादन की मशीनी प्रक्रिया पर बल देती है।

उत्पादन तकनीक – वुड वार्ड के अनुसार उत्पादन तकनीक के निम्नांकित वर्ग है

1. **विस्तृत उत्पादन एवं बड़ी तकनीक** बैच **प्रौद्योगिकी**– इस प्रोधौगिकी के अंतर्गत उत्पादन बड़ी मात्रा में किया जाता है मारुति उद्योग लिमिटेड अथवा सुजुकी मोटर कार कंपनी द्वारा संचालित वाहन बनाने के लिए इस तकनीक का प्रयोग किया जाता है।
2. इकाई एवं अल्प बैच प्रौद्योगिकी :– प्रौद्योगिकी के इस वर्ग के अन्तर्गत वस्तुएँ ग्राहक (मांग) आयामों के अनुसार उत्पादित की जाती है अथवा चतुर तकनीक विशेषज्ञ द्वारा अल्प मात्राओं में निर्मित की जाती है ऐसी तकनीक का प्रयोग करने वाले संगठनों में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड भारत सरकार के लिए हेलीकॉप्टर बनाता है तथा डीजल लोकोमोटिव वर्क्स जो भारतीय रेलवे तथा अन्य देशों की रेल व्यवस्था हेतु डीजल इंजन बनाता है ।
3. निरन्तर प्रभाव प्रतिक्रिया प्रोधोगिकी :–प्रौद्योगिकी के इस वर्ग में उत्पाद एक निरंतर रूपांतरण प्रक्रिया में से होकर गुजरता है यह प्रक्रिया निर्माणी दवाइयां जैसे रसायन अथवा शुद्धीकरण कंपनियों द्वारा की जाती है।

Type of techniques- Generally, these technique involve two categories-(i) Labour-intensive Technique (ii)Capital-intensive Technique

(i) Labour-intensive Technique- It refers to the sufficient amount of labour and the major amount of capital to be exploited .As per Prof. Myint,"Labour-intensive techniques are those where there is more demand of labour against one unit of the capital."It regards both the human skill and capital availabitlity equally significant.

(ii) Capital-intensive Technique- It may be defined as the technique where in the desired and maximum capital is used but the amount of force of labour is meager.In this technique there sre capital involved in proportion to production per unit. Where as in labour-intensive technique there is other way round. As such in capital-intensive technique more emphasis is laid on technical and mechanical production.

Types of Production Techniques- Following are the categorized techniques of production of production according to wood ward:

(1)Mass Production and Large Batch Technology –Under this technology, there involves a mass production. The technology is used in manufacturing the vehicle by Maruti Udyog Ltd. and the Suzuki Motors Cars.

(2) Unit or Small Batch Technology- Under this the production is initiated on the consumer”s demand or the manufacturing production is under taken by the

experts technicians in limited quantity. By using the technique the Hindustan Aeronautics Ltd. that manufacturing helicopters for the Government and the Diesel Locomotive works that manufacturing the diesel engines for the Indian Railways and rail works of other countries also.

(3) Continuous Flow Process Technology- According to this technology the production undergoes a continuous flow process .This is a complex technology. This process helps in manufacturing medicines like chemicals and the purification process is undertaken by various companies.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 07

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions inOMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

57.नियोजन सभी प्रबन्धकीय क्रियाओं का है–

(A) प्रारम्भ (B) अन्त
(C) प्रारम्भ और अन्त दोनो (D) इनमें से कोई नहीं

Of all managerial activities planning is the –

(A) Beginning (B) Eng
(C) Beginning and end both (D) None of these

58.परियोजना का जीवन–चक्र निम्नलिखित से सम्बन्धित नहीं होता है–

(A) विनियोग–पूर्व चरण (B) रचनात्मक चरण
(C) सामान्यीकरण चरण (D) स्थिरीकरण चरण

Project life cycle is not concerned with the following –

(A) Pre-investment stage (B) constructive stage
(C) Narmalisation stage (D) stabilisation stage

59.परियोजना मूल्यांकन के पहलू है–
(A) तकनीकी मूल्यांकन (B) वित्तीय मूल्यांकन
(C) प्रबन्धकीय मूल्यांकन (D) से सभी

Aspects of project evaluation is –
(A) Technical Evaluation (B) Financial Evaluation
(C) Managerial Evaluation (D) All of these

60.उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रति भारत के सरकारी तंत्र का दृश्टिकोण है–
(A) विनाशात्मक (B) नाकारात्मक
(C) रचनात्मक (D) असहयोगात्मक

The attitude of Indian Government machinery towards entrepreneurial development programme is –
(A) Destructive (B) Negative
(C) Eonstructive (D) Non- co- operative

61.लघु उद्योग मे विनियोजन सीमा है–
(A) 3 करोड़ रू0 (B) 4 करोड़ रू0
(C) 5 करोड़ रू0 (D) 6 करोड. रू0

Investment limit in small industries is –
(A) Rs. 3 Crore (B) Rs. 4 Crore
(C) Rs. 5 Crore (D) Rs. 6 Crore

62.क्रिया–आधार पर बाजार वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे–
(A) वस्तु विनिमय बाजार (B) स्कन्ध विनिमय बाजार
(C) मुद्रा एवं पूँजी बाजार (D) उपरोक्त सभी

On functional basis market may be classified as :-
(A) Produce exchange market (B) Stock exchange market
(C) Money and capital market (D) All of these

63.भारत में व्यावसायिक चिन्ह अधिनियम किस वर्श पारित किया गया था–
(A) 1932 (B) 1967
(C) 1939 (D) 1940

In India the trademark Act was passed in the year:-
(A) 1932 (B) 1967
(C) 1939 (D) 1940

64.एक व्यावसायिक चिन्ह का पंजीकरण कितनी अवधि का होगा–

(A) 3 वर्ष (B) 6 वर्ष

(C) 7 वर्ष (D) 9 वर्ष

Registration of a trademark shall be for a period of –

(A) Three years (B) Six years

(C) Seven years (D) Nine year

65.भौगोलिक आधार पर बाजार को वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे–

(A) स्थानीय बाजार (B) प्रान्तीय बाजार

(C) राश्ट्रीय एवं अर्न्तराश्ट्रीय बाजार (D) उपरोक्त सभी

On geographical basis, market may be classified as :-

(A) Local Market (B) Provincial Market

(C) National and International Market (D) All of these

66.अधिकार अंश वे अंश हैं जिन्हें–

(A) कम्पनी के निर्देशको को निर्गमित किया जाता है

(B) कम्पनी के वर्तमान अंशधारकों को निर्गमित किया जाता है

(C) कम्पनी के प्रवर्तकों को निर्गमित किया जाता है

(D) सम्पत्तियाँ खरीदने के लिये विक्रेताओं को निर्गमित किया जाता है

Right shares are the shares which :-

(A)Are issued to directors of the company (B) Are issued to existing shareholders of the company

(C)Are issued to promoters in consideration of their services (D) Are issued to vendors for purchasing assets

67.एक कम्पनी अधिनियम की निम्न धारा के प्रावधानों के अन्तर्गत बट्टे पर अंशो का निर्गमन कर सकती है–

(A) 78 (B) 79

(C) 80 (D) 81

A company can issue its shares at discount under the provisions of following section of companies Act –

(A) 78 (B) 79

(C) 80 (D) 81

68.कम्पनी द्वारा याचना किये जाने से पूर्व ही अंशधारियों से अग्रिम राशि की प्राप्ति हो–

(A) बकाया माँग राशि मे डेबिट किया जाता है

(B) अग्रिम माँग राशि में क्रेडिट किया जाता है

(C) अग्रिम माँग राशि में डेबिट किया जाता है

(D) इनमें से कोई नहीं

Money received in advance from shareholders before it is actually called by the company is –

(A) Debited to calls in arrear account
(B) Credited to calls paid in advance account
(C) Debited to calls paid in advance account
(D) None of these

69.जब्त किये गये अंशो के पुनः निर्गमन के पश्चात् अंश हरण खाते के शेश को हस्तान्तरित कर दिया जाता है–

(A) लाभ – हानि खाता (B) पूँजी संचय खाता
(C) सामान्य संचय खाता (D) इनमें से कोई नहीं

Balance of forfeited shares Account after re-issue of forfeited shares is transferred to –

(A) Profit & Loss account (B) Capital account
(C) General reserve account (D) None of these

70.अंशो का हरण किया जा सकता है–

(A) सभा में उपस्थित न होने की स्थिति में
(B) माँग राशि के भुगतान करने पर
(C) बैंक ऋण मे भुगतान की असमर्थता में
(D) प्रतिभूति के रूप में अंशो के बन्धक होने पर

Shares can be forfeited –

(A) For failure to attend meetings
(B) for non payment of call money
(C) for failure to repay the loan to the bank
(D) For which shares are pledged as a security

71.हेनरी फेयोल का जन्म हुआ था–

(A) जापान में (B) फ्रांस में
(C) जर्मनी में (D) अफ्रीका में

Henry Fayol was born in –

(A) Japan (B) France
(C) Germany (D) Africa

72.प्रशासनिक प्रबन्ध के प्रस्तुतकर्ता थे–

(A) फेयोल (B) टेलर
(C) टैरी (D) इनमें से कोई नहीं

The Propounder of administrative management were –

(A) Fayol (B) Taylor
(C) Terry (D) None of these

73.प्रबन्ध के सिद्धान्त है–

(A) गतिशील (B) लोचशील

(C) सार्वभौमिक (D) उपरोक्त सभी

Principles of management are –

(A) Dynamic (B) Flexible

(C) Universal (D) All of the Above

74.प्रबन्ध के सिद्धान्त नहीं है–

(A) सार्वभौम (B) लचीले

(C) सम्पूर्ण (D) व्यावहारिक

Principles of management are not –

(A) Universal (B) Flexible

(C) Absolute (D) Behavioural

75.एक कार्य के निश्पादन के लिए प्रबन्ध को ''सर्वोत्तम रास्ता ढूँढना'' चाहिए। वैज्ञानिक प्रबन्ध का कौन–सा सिद्धान्त इस पंक्ति का व्याख्या करता है।

(A) सार्वभौम (B) लचीले

(C) सम्पूर्ण (D) व्यावहारिक

Management should find “one best way” to perform a task. Which technique of scientific management is difined in this sentence –

(A) Universal (B) Flexible

(C) Absolute (D) Behavioural

76.विश्व में सबसे पहले स्कन्ध विपणि की स्थापना हुई थी–

(A) दिल्ली (B) लन्दन

(C) अमरीका (D) जापान

The foremost stock exchange was established in –

(A) Delhi (B) London

(C) America (D) Japan

77.सेबी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है–

(A) दिल्ली (B) कोलकाता

(C) चेन्नई (D) इन तीनों जगह

Regional office of SEBI is situated in –

(A) Delhi (B) Kolkata

(C) Chennai (D) All of these

78.अच्छे ब्राण्ड की विशेशताएँ है–

(A) सूक्ष्म नाम (B) स्मरणीय
(C) आकर्शक (D) ये सभी

The characteristics of a good brand are –
(A) Short Name (B) Memorable
(C) Attractive (D) All of these

79.लेबलिंग है–
(A) अनिवार्य (B) आवश्यक
(C) ऐच्छिक (D) धन की बर्बादी

Labelling is –
(A) Compulsory (B) Necessary
(C) Voluntary (D) wastage if maoney

80.भारत में उद्यमिता का भविश्य है–
(A) अन्धकार में (B) उज्जवल
(C) कठिनाई में (D) इनमें से कोई नहीं

The future of entrepreneurial in India is –
(A) Dark (B) Bright
(C) Difficulty (D) None of these

81.उद्यमिता नेतृत्व प्रदान नही करती–
(A) साझेदारी फर्म (B) नये निगम विभाजन
(C) नवीन अनुदान उद्यम (D) इनमें से कोई नहीं

Enterpreneurship fails to lead-
(A) Partnership firm (B) New corporate division
(C) New subsidiary venture (D) None of these

82.भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की स्थापना की गयी थी–
(A) महाराश्ट्र सरकार द्वारा (B) गुजरात सरकार द्वारा
(C) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा (D) तमिलनाडु सरकार द्वारा

Entrepreneurial Development Institute of India was established by-
(A) Maharastra Government (B) Gujrat Government
(C) Madhya Pradesh Government (D) Tamilnadu Government

83.मेस्लो का आवश्यकताओं का पदानुक्रम सिद्धान्त तथ्य द्वारा शासित होता है कि–
(A) लोग सार्वभौमिक रूप में आवश्यकताओं द्वारा प्रेरित होते है।
(B) लोग आवश्यकताओं द्वारा सामाजिक रूप से प्रेरित होते है
(C) लोग राजनीतिक तौर पर आवश्यकताओं से प्रेरित होते है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Maslow"s Hierarchy of needs theory is governed by the fact that-

(A) People are universally motivated by needs

(B) People are socially motivated by need

(C) People are politically motivated by need

(D) None of the above

84.नवीन आर्थिक नीति घोशित हुई थी–

(A) जुलाई 1990 (B) जुलाई 1991

(C) जुलाई 1992 (D) जुलाई 2001

New economic policy was declared in-

(A) July 1990 (B) July 1991

(C) July 1992 (D) July 2001

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) C	(8) C	(15) B	(22) D
(2) D	(9) D	(16) A	(23) B
(3) D	(10) B	(17) D	(24) B
(4) C	(11) B	(18) C	(25) A
(5) B	(12) B	(19) D	(26) B
(6) D	(13) B	(20) B	(27) C
(7) D	(14) B	(21) D	(28) B

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. उपक्रम के चुनाव में सरकारी नियमन की क्या भूमिका है?

What is the role of government regulation in selection of an enterprises?

प्रायः प्रत्येक उद्योग व्यापार को स्थानीय एवं सरकारी नियमों का पालन करना पड़ता है। सरकारी नियमन कुछ तो व्यवसाय के आकार के अनुसार लागु होते है तो कुछ स्वामित्व के आधार पर। उदाहरणतः एकांकी व्यापार और साझेदारी चूँकि छोटे आकार वाले उपक्रम के लिए होते है, जिसके चलते इन पर सरकारी नियंत्रण की मात्रा कुछ कम होती है, जबकि कंपनी प्रारूप वाले उपक्रम बड़े पैमाने के होने के कारण अत्यधिक कानूनी अडचनों से बँधें होते है। इनका प्रत्येक कार्यकलाप कंपनी अधिनियम की अवस्थाओं के अनुसार चलता है।

Each and every trade quite after has to observe the government rules and regulations. These regulations vary according to the size of the enterprise or on the basis of the ownership. For instance, a sole trader or an enterprise of partnership is meant for a small scale business which does not fall much under government regulations whereas in large scale business enterprise there are legal complications and in this case function is subjected to legal formalities within the purview of government regulations.

2. प्रभावशाली नियंत्रण में नियोजन की क्या भूमिका है?

What are the role of planning in effective control?

नियोजन के अंतर्गत प्रत्येक प्रबंधक अपने अधीनस्थों की प्रक्रिया पर सर्वोत्तम ढंग से नियंत्रण स्थापित करने का प्रयत्न करता है। नियोजन को प्रभावी ढंग से अधीनस्थों की क्रियाओं का माप भी किया जाता है। यही नही बजट भी नियोजन का एक अंग है और साथ ही यह नियंत्रण का एक अंग है। अतः बजट द्वारा भी प्रबंधकीय प्रभावी बनाया जाता है।

By means of judicious planning every manager, executive tries to enforce his control to the best of his control to the best of his capacity over his subordinates in terms of their performance. In order to make the planning effective the meaningful the performance of the subordinates can be adequately measured. Not only this even budget is an organ of planning and also a tool of control. Moreover, also strengthens the administrative control.

3. अल्पकालीन वित्त की क्या आवश्यकता है? इसकें चार साधन के नाम लिखें।

What is needs of short term finance? Write its name of four sources.

अल्पकालीन वित्त से आशय उन ऋणों से है जो एक संस्था अपनी अल्पकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वित्त साधनों से प्राप्त करती है तथा जिनकी अवधि एक वर्ष या उससे कम होती है क्योंकि इनका उपयोग चल संपतियों या दैनिक आयों में किया जाता है, जैसे श्रमिकों की मजदूरी, वेतन, कच्चेमाल का क्रय, गोदाम किराया आदि।

अल्पकालीन वित्त के चार साधन निम्नलिखित हैः–

1. सुरक्षित ऋण
2. बैंक अधिविर्कष
3. असुरक्षित ऋण
4. व्यापारिक ऋण

Short term finance refers to those loans which are procured by a commercial organisation for meeting its short-term financial requirements for a period of one year, or less. It is utilised for daily expenses or current assets such as wages to labour, salaries, purchase of raw material, Godown rent etc.

Following are sources of short term finance:-

1. Secured loans.
2. Bank overdraft.
3. Unsecured loans
4. Trade loans.

4. हमें प्रौद्योगिकी क्यों चाहिए?

Why are we need tecnnology.

प्रौद्योगिकी निम्न कारणों से आवश्यक हैः–

1. देश में आर्थिक विकास के सूचक के रूप में प्रौद्योगिकी स्तर आवश्यक है।
2. इसकें द्वारा श्रम पूँजी तथा उत्पादन के अन्य घटकों की उत्पादकता सुधारी जाती है।
3. आर्थिक विकास के लिए विशिष्ट तकनीकी सुधार को स्तर के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यक है।
4. नव निर्माण को उत्पाद में बदलने एवं तदाश्रित पूँजी एवं मशीनरी को सृजित करनें का प्रौद्योगिकी एक अभिन्न साधन है।

Technology is essential due to the following reasons:-

1. The technological standard is essential for beings an indicator of the national economic growth.
2. With the help of technology an improvement can be brought about in terms of labour, capital and other factors with regard to the production.
3. Technology is also imperative for economic growth and its technical specification.
4. Technology is an integral source or a means of bringing about innovation for changing the production to consolidate the capital and to upgrade the machinery and infrastructure.

5. अंश और ऋण में अंतर बताइयें

Distinguish between shares and debentures.

अंश	ऋण
1. अंश पूँजी स्वामित्व पूँजी होती है।	1. ऋण पत्र ऋण पूँजी होती है।
2. अंशो के प्रतिफल के रूप में लाभांश दिया जाता है।	2. ऋण–पत्रों के प्रतिफल के रूप में ब्याज दिया जाता है।

3. अंशधारी कंपनी के स्वामी होते है।	3. ऋणत्रधारी कंपनी के ऋणदाता होते है।
4. अंशधारी कंपनी प्रबंध में भाग लेते है।	4. ऋण–पत्रधारी कंपनी के प्रबंध में भाग नही ले सकतें है।

Shares	Debentures
1. Share is a part of company"s capital.	1.Debenture is a part of company"s loan.
2. Dividend is paid on share as consideration	2.Interest is paid as consideration.
3. Share holders are owners of the company.	3.Debenture holders are the creditors of the company.
4. Share holders participate in company"s management.	4.They do not participate in company"s management.

6. विपणन मिश्रण क्या है?

What is marketing mix?

विपणन मिश्रण शब्द का प्रयोग मूलरूप से हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के नील बोर्डन ने किया था। ऐसे समस्त विपणन निणर्य जो कि विक्रय को प्रोत्साहित करते है, विपणन मिश्रण कहलाते है। विपणन मिश्रण व्यवसाय के प्रत्येक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण होता है, चाहे व कीमत क्षेत्र हो या संर्वद्धन क्षेत्र हो, वितरण क्षेत्र हो या उत्पादन क्षेत्र।

This concept was basically conceived by a professor of Harvard Business School Mr. Neil Brodon, which refers to all kinds of marketing decision that help encourage and faster the sales, can be termed as "Marketing Mix." It is very crucial in every area of trade, be it an area of price, distribution or production.

7. समाजिक घटक क्या है?

What is social factors?

व्यवसायिक पर्यावरण को सामाजिक घटक भी बहुत प्रभावित करता है। समाज में शिक्षा का स्तर जनसंख्या का आकार लिंग, आदत आदि ऐसे घटक है, जिससे पर्यावरण प्रभावित होता है। इसकी अनदेखी साहसी नही कर सकता अन्यथा उसे भयंकर परिणाम झेलनें होगें। अत– साहसी अपनी रणनीति इस घटक को ध्यान में रखकर ही तैयार करता है।

उदाहरणस्वरूप, उत्पाद का रंग भी लोगो के विश्वास, सामाजिक मूल्य एवं संस्कृति के साथ जुड़ा होता है। कही किसी रंग को शुभ तो कही अशुभ माना जाता है। जैसे–मुस्लिम देशों में हरा रंग को शुभ माना जाता है जबकि मलेशिया में इसे अशुभ मानते है। अतः साहसी को 'जैसा देश वैसा वेश' वाली नीति अपनानी पड़ती है।

The social factor also affects the commercial environment. The literacy level in society, population, size, sex ratio etc. Are the factors responsible for the business climate? An entrepreneur cannot afford to ignore these factors, otherwise he has to encounter serious consequences. As such an entrepreneur must determine his business strongly in conformity with such factor. For example, the colour of the product is also selected to the consumers" faith, social value and cultural value etc. In the Muslim countries, green colour spells value but its sound is auspicious in Malaysia. Therefore an entrepreneur must follow the idea of adopting the things as applicable.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

प्रश्न 8–व्यावसायिक अवसरो की पहचान को प्रभावित करने वाले घटको की व्याख्या कीजिए।

Explain the factors affecting identification of business opportunities

उत्तर– व्यावसायिक अवसरों की पहचान को प्रभावित करने वाले तत्व/ घटक :–

(1) वाह्य सहायता का स्वरूप – व्यावसायिक अवसरों की पहचान में आंतरिक संसाधनो के साथ वाह्य सहायता स्वरूप की भी विशिश्ट भूमिका होती है। वाह्य सहायता एवं समर्थन अवसरों की पहचान में प्रत्यक्षतः सहायता करता है। प्रायः सरकार अनुदान एवं प्ररेणाओं के रूप में सहायता प्रदान करती है।

(2) निर्यात की संभावना– व्यावसायिक अवसरों की पहचान में निर्यात की संभावना होती है उद्यमी ऐसे उद्योग की स्थापना या परिवर्तन के संबंध में योजना बना सकता है तथा वांछित कार्यवाही कर सकता है। इतना ही नही सरकार भी निर्यात प्रधान इकाइयों को अनेक प्रेरणाएँ एवं अनुदान प्रदान करती है। अतः कार्य के परिवर्तन का निर्णय लेता है।

(3) प्रस्तावित औद्योगिक विकास के संबंध में सूचनाएँ एकत्रित करना – व्यावसायिक उपक्रम का पहचान प्रक्रिया के बाद उद्यमी किसी साहसिक कार्य के बारे में निर्णय लेता है। उद्यमी प्रस्तावित उद्यौगिक विकास के संबंध में समग्र एवं विस्तृत सूचनाएँ एकत्रित करके यह जाना जा सकता है कि किस उद्योग विशेश में विकास की व्यापक संभावनाएँ विद्यमान है तथा किस प्रकार को उद्योग स्थापित करना लाभप्रद है।

(4) आंतरिक संसाधनों की उपलब्धता – आंतरिक संसाधनों कीी उपलब्ध की एक महत्वपूर्ण घटक है जो व्यावसायिक अवसरों की पहचान में भूमिका निभाता है। प्रायः व्यावसायिक अवसर के तीन चरण होते है –

प्रवर्त्तन, विस्तार व विविधीकरण। उपयुक्त अवसर तथा प्रत्याय दर उद्यमशील क्रिया हेतु प्रेरित करती है लेकिन इसके लिए उसके पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन का होना आवश्यक है।

(5) उद्यौगिक कच्चे माल की उपलब्धि – कच्चे माल की उपलब्धता व्यावसायिक अवसरों का काफी सीमा तक निर्धारित करती है क्योंकि इसी के द्वारा भावी उत्पादन का स्तर तय होता है यदि कच्चा माल आसानी से उपलब्ध हो सकता है या होने की संभावना है तो उद्यमी ऐसी इकाई की स्थापना के लिए सकरात्मक कदम उठा सकता है।

(6) जोखिम की मात्रा – एक व्यवसाय विशेश में अनेक प्रकार की जोखिमें सम्मिलित रहती है जिन में आर्थिक जोखिम सामाजिक जोखिम वातावरणीय जोखिम, तकनीकी जोखिम आदि प्रमुख है। वातावरण में परिवर्तन के साथ जोखिम की मात्रा एवं प्रकृति भी बदलती रहती है। उद्यमशील जोखिम वह जोखिम है जो परिवर्तनों एवं नई क्रियाओं के साथ व्यावसायिक अवसरों का सृजन करती है।

(I) Form of external assistance – Indentifing the venture opportunies, the form of external assistance is no less significant than the internal resources which play a vital role. External assistance like the internal resources immensely facilitate in spotting the business opportunities.

(II) Possibility of expert- Provision of export can also facilitate the entrepreneur in identifying the so-called opportunities which serves as an important factor. If in any venture,there are possibilities of export , a responsible entrepreneur can contemplate to conceive some plan to start such a venture and take the appropriate steps the direction.

(III) Gathering information regarding proposed industrial development- After obtaining information with regard to the propsed industrial development, an intelligent,entrepreneur happens to take a find plunge into a project of enterprise. On the basis of the various information,the entrepreneur can unearth the hidden business opportunities and the scope of any further expansion.

(IV) Availability of Internal resources- The availability of the internal resources is significant factor which consideranly facilities the process of identifying the business opportunities. Generally , the business opportunities rest on three stages-Promotion. Expansion and Diversification.

(V) Avialability of industrial raw materials- The availability of the raw material also determines business opportunities to a large extent because the level of production is also determined on the basis of the availability of the industrial raw-material. An entrepreneur can make the optimum use of the venture opportunities provided the industrial materials either available.

(VI) Level of risk – Any business venture includes various challenge which involve many risk in term of economic,social,environmental and technical complication etc.But such a changing scenario encompasess several intangible opportunities and the entrepernuer kbows how to convert the challenges in the opportunities or in other words the opportunities lie enshrined in the challenges.

9. प्रश्न– नियोजन के सीमाओं की व्याख्या करें।

Explain the limitation of planning.

उत्तर– 9. नियोजन के सीमाओं की व्याख्या करें।

उत्तर– प्रबंधन में नियोजन की सीमाएं निम्नलिखित है–

(1) पूर्वानुमान पर आधारित – नियोजन पूर्वानुमान पर आधारित होता है और अनुमान यथार्थ नहीं होता है। यदि परिस्थितियाँ अनुमान के विरूद्ध हो गई तो नियोजन का धाराशाई हो जाना स्वाथाविक है।

(2) राजनीतिक अस्थिरता – सरकार की उद्यौगिक, आर्थिक, मौद्रिक नीति के अनुरूप भावी योजनाएँ तय की जाती है अब यदि सरकार बदल जाए तो इन नीतियों में परिवर्तित हो जाए तो नियोजन निश्क्रिय हो जाता है।

(3) पहल करने की क्षमता में कमी – नियोजन के चलते प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को पूर्व निर्धारित लीक पर कार्य में पहल नहीं सकते है। इस से लाभदायक अवसर भी हाथ से छूट जाता है।

(4) खर्चीली प्रणाली – नियोजन खर्चीली प्रक्रिया होती है क्योंकि इस के लिए आकड़ो एवं सूचनाओं का एकत्रीकरण विश्लेशण सर्वोत्तम पद्धति का चुनाव आदि करना पड़ता है। कुल मिलाकर यह खर्चीली प्रणाली साबित होती है।

(5) लोचशीलता का आभाव – व्यावसायिक कार्यकलाप पर्यावरण से बंधे होते है जो हर समय विपरीत करने का आधार नहीं होता है।

(6) कुछ व्यापार के लिए अनुपयुक्त – इसमें शामिल होने वाले जैसे फैशन शेयर बाजार सूचना तकनीक आदि से जुड़े व्यवसाय में दीर्घकालीन नियोजन अनुपयुक्त होता है। क्योंकि दिन–प्रतिदिन यहाँ परिस्थितियाँ बदलती रहती है।

There are the various limitation of planning :

(I) Based on forecasting –Planning is first based on forecasting which may not be realistic. If the circumstances go contray the planning is bound to haywire.

(II) Political instability – The planning are formed on the basis of the government"s ,industrial ,economical and monetary policies.Following a change in the government or the policies are subjected to change which senders the plannings useless.

(III) Reduction in initiative capacity – Every execution and employee has strictly to adhere here to the predetermined policies and is not permitted to take a lead in any activity or decision at his own,resulting in the loss of useful opportunity sometime.

(IV) Unsuitable for some business- In fashion,share market,information technology etc.Related business a long term planning is sendered unsuitable on account of the ever-changing conditions.

10. प्रश्न– एक सफल उपक्रम की आवश्यक शर्तो की विवेचना करें।
Discuss the requisite of successful enterprise.

उत्तर– एक सफल उपक्रम की आवश्यक शर्ते निम्नलिखित है–

(1) स्थापना में आसानी – यदि कोई उपक्रम जल्दी और आसानी से स्थापित करना हो तो एकांकी व्यापार ठीक रहता है। साझेदारी फर्म स्थापित करने के लिए सामान मानसिक विचारधारा वाले अन्य साझेदारें के लेना पड़ता हे।

(2) व्यावसायिक क्रिया के प्रकार – साहसी को अपनी व्यवस्था ही क्रिया के अनुरूप ही उपक्रम का चुनाव करना चाहिए।

(3) प्रत्यक्ष नियंत्रण – यदि साहसी अपने आप व्यापार पर प्रत्यक्ष नियंत्रण रखना चाहता है दूसरे का हस्तक्षेप पंसद नहीं करता है तो उसे एंकाकी व्यापार या निजी कंपनी वाले उपकरण का चुनाव करना चाहिए।

(4) परिचालन का क्षेत्र – यदि व्यापार के परिचालन का क्षेत्र छोटा है अर्थात् स्थानीय है तो एकांकी व्यापार का चुनाव उपयुक्त होगा किन्तु परिचालन का क्षेत्र बड़ा अथार्त् राश्ट्रीय या अर्न्राश्ट्रीय स्तर का है तो अपना उपक्रम कंपनी के रूप में रखना चाहिए।

(5) पूंजी की उपलब्धता – व्यवसाय के लिए कितनी पूंजी याहिए उसके लिए साहसी यदि स्वयं सक्षम है तो उसके एकांकी व्यापार का उपक्रम चुनना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो साझेदारी उपयुक्त होगी। किन्तु उससे भी अधिक पूंजी की आवश्यकता होने पर कंपनी प्रारूप वाला उपक्रम ठीक रहेगा।

(6) सरकारी नियमन – प्रायः प्रत्ये उद्योग व्यापार को स्थानीय एवं सरकारी नियम का पालन करना पड़ता है। एकांकी व्यापार पर सरकारी नियंत्रण की मात्रा कुछ कम होती है जबकि कंपनी प्रारूप वाले उपक्रम बड़े पैमाने के होने के कारण अत्यधिक कानूनी अड़चनो से बंधे होते है।

इस तरह उपयुक्त घटकों को ध्यान में रखकर ही साहसी उद्यमी को अपने लिए उपक्रम चुनना चाहिए।

Following are the requisites of a successful enterprise:

(i) Easy formation – If an enterprise is soon and conveniently to be established sole trading is recommended for a partnership the same minded partners with the same ideology have to be taken into the fold.

(ii) Type of Business activities- An entrepreneur ought to be select his enterprise according to his business activities.

(iii) Direct control- If an entrepreneur wants to keep a strict control over the business activities and is not willing to brook any interference or contradiction he must prefer sole trading or personal and private company.

(iv) Area of operation-In case the area of an enterprise is limited and confined to local area the sole trading will be the most suitable one but if it is vast area or ay national or international scale the enterprise should be in the form of company.

(v) Availability of capital –If the availability of capital is adequate and the entrepreneur is self sufficient he must prefer sole trading otherwise the partnership would be suitable and if much more capital is required than the formation of a company would do better.

(vi) Government regulations- Each and every trade quite often has to observe the government regulations where as in large scale business enterprise there are many legal complications.

As such in view of the above considerations an entrepreneur has to make a judicious selection of his business enterprise.

11.विज्ञापन के उद्देश्य लिखे?

Write objectives of advertising.

उत्तर – विज्ञापन के उद्देश्य सामान्य व्यक्ति की दृश्टि से विज्ञापन का मूलभूत उद्देश्य विक्रय वृद्धि करना है किन्तु व्यावसायिक दृश्टिकोण से विज्ञापन का उद्देश्य यही तक सीमित नहीं है वस्तुओं का विज्ञापन कई उद्देश्य से किया जाता है।

एस0 आर0 डावर के अनुसार विज्ञापन का उद्देश्य उत्पादक को लाभ पहुँचाला उपभोक्ता को शिक्षित करना, विक्रेता की सहायता करना, प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर व्यापारियों को अपनी ओर आकर्शित करना और सबसे अधिक उत्पादक भी

उपभोक्ता के बीच संबंध स्थापित करता है। इस प्रकार विज्ञापन के विविध उद्देश्य होते है। कुछ प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है–

(1) नव निर्मित वस्तुओं एवं संवाओं की जानकारी देना – लोगों को किसी नव निर्मित वस्तु अथवा सेवा की बाजार में विद्यमानता की जानकारी देना एवं उन्हें आकर्शित करके माँग उत्पन्न करना विज्ञापन का प्रमुख उद्देश्य है।

(2) विक्रय वृद्धि करना– विज्ञापन का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य विक्रय वृद्धि करना है। व्यापारी सदैव विक्रय वृद्धि करना चाहता है। अतः इसी उद्देश्य से वह अपनी वस्तुओं का विज्ञापन करता हे।

(3) नए नए बाजारों का सृजन एवं विकास करना – विज्ञापन का एक उद्देश्य नए – नए बाजारों का सृजन करना एवं उनका विकास करना भी है। विज्ञापन द्वारा नए बाजारों में प्रवेश करना एवं उनका विकास करना सरल होता है।

(4) उत्पन्न माँग का पोशण करना – विज्ञापन का उद्देश्य केवल माँग उत्पन्न करना है अपितु उत्पन्न माँग का पोशण करना भी है इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही विज्ञापन बारंबार किया जाता है।

(5) उपभोक्ता को शिक्षित करना– विज्ञापन का उद्देश्य उपभोक्ता को शिक्षित करना भी है विज्ञापन द्वारा उपभोक्ता को विज्ञपति वस्तु की उपलब्धता पहचान तथा उसके प्रयोग के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की जाती है।

Objectives of Advertising- With the spectacle of a common man,the sole objective of advertising is to increase the sales but from the commercial point of view,the objective not restricted to this only.A product is advertised with several purposes.

As per S.R.Davar,"The purpose of advertising is to benefit the producer,to educated consumer,to assist the seller or salesman to attract the traders by suppressing the competition and above all this to establish rapport between the producer and the consumer."As such advertising has various objectives which are follows.

(1)To Introduce New Products or Services- It is through advertising that the people are to be informed about any newly launched product and induce them to buy it.

(2)To Increase Sales- Another aim of advertising is to promote sales. A trader always strives to increase sales and with this purpose in mind, he does advertising.

(3)To Create and Develop New Markets-One objective of advertising is to explore and develop new vistas or markets, which is easier to do so by means of advertising.

(4)To Sustain the Existing Demand-The objective here is not only to increase demand rather to exploit he current or existing demand, which requires a repeated advertising.

(5)To Education the Consumer-Advertising always directs the prospective buyers to the sellers by inspiring and educating them about the product and facilitates the efforts of the producers, this is what the advertising does.

(6)To combat and Accomplish Success in Competition-This is also an objective of advertising to combat competition success.The products which need to be advertised should be better advertised should be better advertised than that of the competitive products.

(7)To Increase the Goodwill of the Advertiser-It is also an aim of advertising to increase the goodwill of the advertiser,Though a consistently regular and frequent advertising in a most suitable medium and manner,the faith of the consumer can be reinforced towards the advertised commodity.In our country in the popularity of Tata,Hindustan Lever and Reliance and many more,advertising has a considerable contribution.

(8)To Remove Doubts and confusion –One more important task of advertising is to dispel doubts or confusion in the way of product sales and for popularizing such product,adgvertising is the need of the hour.

(9)To Make cautious-The last but not the least task of advertising is to warn the consumers againt the fictitious products , the warning is also intended for the traders,too.

branches and by installing a better technical infrastructure ,he expands his business.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 08

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

85.परियोजना पहचान में आवश्यकता होती है–
(A) अनुभव (B) मस्तिश्क
(C) अनुभव एवं मस्तिश्क का उपयोग दोनो (D) इनमें से कोई नहीं

In Project identification is needed :-
(A) Experience (B) Use of mind
(C) Both experience and use of mind (D) None of these

86.पुनर्भुगतान अवधि सम्बन्धित होती है–
(A) लाभ अर्जन प्रक्रिया के लिए आवश्यक अवधि
(B) विनियोग लागत वसूली के लिए आवश्यक अवधि
(C) स्थिर लागत वसूली के लिए आवश्यक अवधि
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Payback period deals with –

(A) Period required for profit earning process
(B) Period required for cost of investment recovery
(C) Period required for fixed cost recovery
(D) None of above

87.''उद्यमी विशिष्ट व्यक्तियों का समूह है जो जोखिम उठाते है और अनिश्चितता का सामना करते है।'' यह परिभाशा दी है–

(A) स्चिर्ड कैण्टीलोन (B) जे0 बी0 से0
(C) एफ0 एच नाईट (D) एफ0 बी0 हेने

"Entrepreneur is a specialised group of persons who bear risks and deal with uncertainty" this definition has been given by -

(A) Richard cantillan (B) J. B. Say
(C) F. H. Knight (D) F.V. Hane

88.निम्नलिखित में से कौन सा स्वतन्त्र केन्द्र है।

(A) कांडला (B) केवल दिल्ली
(C) गाजियाबाद (D) फरीदाबाद

Which of the following is a free trade zone -

(A) Kandala (B) Only Delhi
(C) Ghaziabad (D) Faridabad

89.उपभोक्ता की मुख्य चिन्ता है।

(A) कीमत (B) गुणवत्ता
(C) संतुश्टि (D) ब्राण्ड

The major concern of a consumer is -

(A) Price (B) Quality
(C) Satisfaction (D) Brand

90.एक कम्पनी के वित्त का प्रमुख स्त्रोत है–

(A) अंश (B) ऋण–पत्र
(C) बैंक ऋण (D) उधार क्रय

The Primary source to a company is -

(A) Shares (B) Debentures
(C) Bank Loan (D) Credet purchese

91.एक नई फैक्टरी को स्थापित करने के लिए हमें आवश्यकता होती है–

(A) वृहत पूँजी (B) भूमि का बड़ा खण्ड
(C) पर्याप्त मानव शक्ति (D) आयातित मशीन

To establish a new factory, we need-

(A) Large capital (B) Big plot of land

(C) Adequate manpawer (D) Imported Machines

92.निम्न मे से कौन उद्यमिता विकास का भाग है–

(A) सामाजिक वातावरण की भूमिका (B) आर्थिक वातावरण की भूमिका

(C) दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

Which of the following is an element of development of entrepreneurship?

(A) Role of social environmet (B) Role of economic environmet

(C) Both (D) None of these

93.स्थायी लागत में सम्मिलित है

(A) कच्चे माल की लागत (B) श्रम की लागत

(C) शक्ति की लागत (D) कारखाना

Fixed cost includes-

(A) Cost of raw materials (B) Cost of labour

(C) Cost of power (D) Factory cost

94.संस्थागत शक्ति की अधिक आवश्यकता वाले लोग अधिक रूचि रखते है–

(A)दूसरे के लिए त्याग में (B) अपने आप त्याग के लिए तैयार

(C) समर्पित व्यवस्था के लिए (D) इनमें के कोई नहीं

People with a high need for institutional power are more interested to :-

(A)Ensure sacrifice for other (B) Willing to sacrifice on his own

(C)Among support system (D) None of these

95.वित्तिय स्थिति अनुपात को सामान्यतः प्रदर्शित किया जाता है–

(A) साधारण अनुपात (B) प्रतिशत

(C) गुणा (D) इनमें से कोई नहीं

Financial position reatio is generally shown in –

(A) Simple Ratio (B) Percentage

(C) Times (D) None of these

96.अम्ल–परीक्षण अनुपात की गणना करने मे निम्नलिखित सम्पत्तियो में से कौन–सी सम्पत्ति को ध्यान में नही रखा जाता है–

(A) रोकड़ (B) प्राव्य विपत्र

(C) स्टॉक (D) इनमे से कोई नहीं

Which of the following assets is not taken into consideration in calculating acid-test ratio :-

(A) Cash (B) Bills Receivable
(C) Stock (D) None of these

97. प्रारम्भिक व्यय चिट्ठे में निम्न शीर्शक के अधीन दर्शाया जाता है
(A) स्थायी सम्पत्तियॉ (B) विनियोग
(C) ऋण एवं अग्रिम (D) विविध व्यय

Preliminary expenses are shown in the balance sheet under the head :-
(A) Fixed assets (B) Investment
(C) Loans & Advance (D) Misc. expenditure

98. क्षैतिज विश्लेशण जाना जाता है–
(A) गतिशील विश्लेशण (B) संरचनात्मक विश्लेशण
(C) स्थैतिक विश्लेशण (D) इनमें से कोई नही

Horizaontal Analysis is known as :-
(A) Dynamic Analysis (B) Structural Analysis
(C) Static Analysis (D) None of these

99. वित्तिय विवरणो के निर्वचन में शामिल होता है–
(A) आलोचना एवं विश्लेशण (B) तुलना एवं प्रवृत्ति अध्ययन
(C) निश्कर्श निकालना (D) अपर्युक्त सभी

Interpretation of financial statements includes :-
(A) Criticism and analysis (B) Comparison and trend study
(C) Drawing canclusion (D) All the above

100. नेतृत्व का शक्ति स्वरूप है–
(A) निरकुंश (B) जनतन्त्रीय
(C) निर्बाध (D) ये सभी

Power style of leadership is :-
(A) Autocratic (B) Democratic
(C) Free - rein (D) All of these

101. ऋण –पत्र के निर्गमन द्वारा ख्याति का क्रय है–
(A) कोश का प्रयोग (B) कोश का स्त्रोत
(C) कोश का प्रवाह नही (D) इनमे से कोई नही

Purchases of goodwill by issuing debenture is :-
(A) Application of fund (B) Sources of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

102. स्थायी लागत प्रति ईकाई बढ़ती है जब –

(A) उत्पादन कम होता है (B) उत्पादन बढ़ता है

(C) उत्पादन पूर्ववतर रहता है (D) इनमें से कोई नही

Fixed cost per unit increases when :-

(A) Production decrease (B) Production increase

(C) Production remain same (D) None of these

103. भारतीय विनियोग केन्द्र की स्थापना की गयी थी –

(A) भारत सरकार द्वारा (B) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा

(C) महाराश्ट्रा सरकार द्वारा (D) गुजरात सरकार द्वारा

India investment centre was established by –

(A) Govt. Of India (B) M.P. Government

(C) Maharastra Government (D) Gujrat Government

104. कार्य पर स्वयं–विकास आवश्यकताएँ पूर्ण की जाती है के द्वारा –

(A) कार्य में मेहनत (B) किस्म उत्पाद आश्वस्त करना

(C) प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी (D) इनमे से कोई नहीं

Self actualisation needs on the job are fulfilled by -

(A) Determination of activities

(B)Grouping of activities and defining of inter-relationship

(C) Optimum utilisation of human resources and provide right environment (D) All of these

105. संगठन मे क्या किया जाता है–

(A) केवल क्रियाओं का निर्धारण

(B) समूहीकरण एवं व्यक्तियों के आपसी सम्बन्धी का निर्धारण

(C) मानवीय साधनो का अपुकूलत्तम उपयोग एवं उचित वातावरण प्रदान करना

(D) उपरोक्त सभी

Under organisation what is done:-

A) Determination of activities

(B)Grouping of activities and defining of inter-relationship

(C) Optimum utilisation of human resources and provide right environment

(D) All of these

106. बजट का अर्थ है–

(A) निश्पादन का नियोजित लक्ष्य (B) भविश्य के कार्यकलाप का प्रयोग

(C) संसाधनो का सही वितरण (D) आशान्वित परिणाम का अंशो का वितरण

Budget refers to :-

(A) Planned target of performance

(B) Use of handling future activities

(C) systematic action and allocation of resources

(D) Statement of expected results expressed in numerical terms

107. उच्च स्तरीय प्रबन्धक नियोजन पर अपने समय का भाग व्यय करता है–

(A) 35% (B) 50%

(C) 75% (D) 90%

Higher-level management spent on planning part of his time :-

(A) 35% (B) 50%

(C) 75% (D) 90%

108. वैज्ञानिक प्रबन्ध के पिता है–

(A) गिलब्रेथ (B) टेलर

(C) रॉबर्टसन (D) इनमें से कोई नहीं

The father of scientific management is :-

(A) Gilbreath (B) Taylor

(C) Robertson (D) None of these

109. निर्णयन का कार्य है –

(A) निम्न प्रबन्ध (B) मध्यम प्रबन्ध

(C) उच्च प्रबन्ध (D) सभी प्रबन्धकीय स्तर

The function of decision – making is of :-

(A) Lower management (B) Milddle management

(C) Top management (D) All level of management

110. वैज्ञानिक प्रबन्ध से श्रमिको को –

(A) लाभ होता है (B) हानि होती है

(C) कोई प्रभाव नही (D) इनमे से कोई नही

By scientific management workers :-

(A) Benefitted (B) suffer loss

(C) No effect (D) None of these

111. वैज्ञानिक प्रबन्ध से श्रमिको के काय्र के घण्टो मे होती है

(A) वृद्धि (B) कभी

(C) कोई प्रभाव नहीं (D) इसमे से कोई नही

By scientific management working hours of workers ara :-

(A) Increase (B) decreased

(C) No effect (D) None of the these

112. इनमें से कौन सा कारखाना उपरिव्यय नही है–

(A) कारखाना बीमा (B) प्लाण्ट पर ह्रास

(C) ड्राइंग कार्यालय वेतन (D) वेतन

Which of the following is not factory overhead :-

(A) Factory insurance (B) Depreciation on Plant

(C) Drawing office salary (D) salary

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) C	(8) C	(15) D	(22) D
(2) B	(9) D	(16) D	(23) A
(3) C	(10) B	(17) C	(24) B
(4) A	(11) A	(18) A	(25) D
(5) C	(12) C	(19) B	(26) A
(6) B	(13) D	(20) C	(27) B
(7) A	(14) A	(21) D	(28) D

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. सूक्ष्म वातावरण क्या है?

What is Micro environment?

सूक्ष्म वातावरण में उन शक्तियों का वर्णन होता है जिनसें कंपनी के ग्राहकों को प्रभावित किया जाता है। ये शक्तियाँ बाहर होती है परंतु कंपनी की बाजार व्यवस्था को प्रभावित करती है। इन शक्तियों में माल की पूर्ति देने वाले मध्यस्थ प्रतियोगी ग्राहक तथा जनता आती है। साधारणतया इन घटकों को नियंत्रित किया जा सकता है। ये घटक सूक्ष्म शक्तियों की अपेक्षा अधिक प्रभावी होते है।

Micro environment refers to the strength of are external yet do affect the marketing strategy of a company these peculiarities include the suppliers and the mode of supply, competitors, consumers and the public etc. Generally, these factors are uncontrollable but as compared to the macro factors, these micro, ones is more effective.

2. लाभ–नियोजन एवं व्यय नियंत्रण क्या है?

What is profit planning and expenses control?

अपनी क्रियाओं का विस्तार करतें समय उद्यमी को लाभ एवं व्ययों के संबंध में एक उपर्युक्त योजना बनानी चाहिए। उद्यमी की लाभ अर्जित करने की क्षमता पर विक्रय की मात्रा एवं लागतों का गहरा प्रभाव पड़ता है। उसे लागत–मात्रा लाभ का विश्लेषण करकें व्यवसाय की लाभ अर्जन करने की क्षमता का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। हानियों से बचने के लिए न्यूनतम विक्रय की मात्रा ज्ञात की जानी चाहिए।

An entrepreneur while expanding his business must carefully plan with regards to his profit and expenses. For ensuring a good profit and his potential as such gets affected by the sales volume and the rate of expenditure. He must keep on constantly evaluate his proficiency in profit generation by analysis cost-volume profit. To ascertain the ways of saving himself from the losses, he must consider the continue his study of the certain change taking place in terms of prices, investment and other factor to ensure the achievement of target profit.

3. बकाया (अदत) दायित्व क्या है?

What is outstanding liabilities?

बकाया दायित्व से आशय उन भुगतानों से है जो एक संस्था द्वारा अपनी आवश्यकता के लिए वस्तुओं या अन्य मदों को क्रय या मँगाया गया है और उनकी भुगतान राशि बाकी है ऐसे भुगतानों को रोककर संस्था के व्यवसायिक कार्यो

के संचालन में किया जाता है, और आपूर्तिकर्त्ता से संस्था की साख खराब होती है और आपूर्तिकर्त्ता से संस्था का विश्वस कम हो जाता है। इस प्रकार बकाया दायित्व में श्रमिकों की मजदूरी कर्मचारियों का वेतन, ब्याज, गोदाम का किराया, बिजली, पानी का बिल, कर, कच्चा माल इत्यादि को सम्मिलित किया जाता है।

Outstanding liabilities refers to those payments which are organisation accounting to its requirement has taken some conditions or other material and the payment of which is still outstanding as the cost and other expenses are the outstanding liabilities of an organisation. Many times, the organisation by stopping such payments, are invested on the important tasks of business organisation but this kind of strategy spoils the organizational image,. Such outstanding liabilities include the labour, wages, salaries, loans, raw materials etc.

4. परियोजना के चार प्रमुख तत्वों को लिखें।

Write four salient features of the project.

परियोजना प्रतिवेदन में निम्नलिखित पहलुओं के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया जाना चाहिएः–
स्थल परियोजना का स्थान स्वयं का है अथवा लीज पर लिया गया है? क्या परियोजना स्थल अनुमोदित औद्योगिक क्षेत्र में है? क्या यह प्रस्तावित परियोजना के लिए उपर्युक्त है?
कच्चा माल क्या विदेश से आयात करना होगा? यदि हाँ तो क्या कच्चें माल की प्राप्ति के स्त्रोंत क्या है? क्या इसे उचित मूल्य पर नियमित रूप से प्राप्त किया जा सकेगा?
शक्ति शक्ति की आवश्यकता की मात्रा स्वीकृत शक्ति भार, शक्ति की पूर्ति में स्थायित्व विभिन्न उपभोग स्तरों का मुल्य आदि।
कुशल श्रम क्या उस क्षेत्र में कुशल श्रम उपलब्ध है? यदि नही तो श्रम को प्रशिक्षित करने के लिए क्या व्यवस्था की गई है?

The following aspects must have a mention in the project report:-

1. Site :- The project site is the personal belonging or taken on lease? Is the project site is located in the approved industrial area? Is it adequate for the proposed project?
2. Raw-Material :- Is the row material to be imported from abroad? It yes, has the license been obtained for it? What are the sources of row material? Will it be available at reasonable rate?
3. Power :- The need of the quantity of power, the approval for its consumption, stability in the power supply and various consumption rate are referred to use.
4. Skilled labour :- Is the skilled labour available in that specific area? It not. What provision has been laid down to import than training?

5. एक अच्छें पैकेज चार विशेषताएँ का वर्णन करें।

Describe four characteristics of a good packaging.

एक अच्छे पैकेज में निम्न विशेषताएँ होनी चाहिए–

1. ध्यानार्कषण पैकेज ऐसा हो जो लोगो का ध्यान आर्कषित करें। आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मकसमय में पैकेज की यह विशेषताएँ विशेष महत्वपूर्ण है। एक ग्राहक प्रारंभ में ही वस्तु को नही देखताए वह पैकेज से प्रभावित होकर ही वस्तु को देखने की इच्छा प्रकट करता है।
2. पहचान ऐसा हो जिसे असानी से पहचाना जा सकें अर्थात् एकबार देखने के पश्चात् ग्राहक उसे तत्काल पहचान सकें।
3. रूचि उत्पन्न करना, जो ग्राहक के मन में उत्पाद के प्रति रूचि पैदा कर सके और उसे बनाएँ रखें।
4. इच्छा जागृत करना, पैकेज ऐसा हो जिसें देखकर ग्राहक के मन में उत्पाद को प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो।

A good packing characteristics are following:-

1. Attention- arresting :- Packing should be such that captures the people"s attention. In the modern competitive era, it is the package and its characteristics which are very important.
2. Identity :- A package must be easily identifiable that means that just looking at it once, customer easily makes it out.
3. Interest-evoking :- The package must be like that it evokes an immediate interest towards the product and sustains that interest.
4. Creating desire :- Packing must be so attractive as it create a passionate desire in the onlooker"s mind to possess it.

6. चालू सम्पतियाँ क्या है?

What is current assets?

चालू सम्पतियाँ के अंर्तगत वे सम्पतियाँ आती है जिनका आवागमन व्यापार में निरंतर बना रहता है जिनकों व्यापार के एक सामान्य संचालन पूर्तिकाल के अन्दर रोकड़ में शीघ्र ही परिर्वतित किया जा सकता है। उदाहरण, रोकड़ बैंक में रोकड़, देनदार, प्राप्य बिल, पूर्वदत्त व्यय व्ययए स्टॉक या स्टोर्स एवं अल्पकालीन विनियोग आदि।

Current assets refers to those assest which continue charging rather than being fixed, viz, cash in hand, cash at bank, sundry debetors, Bills receivable, closing stock, paid income, marketable securities.

7. सम–विच्छेद बिन्दु का निर्धारण कैसे होता है?

How Break-even point is determined?

सम–विच्छेद बिन्दु वह बिन्दु है। जिस पर संस्था के समस्त आय और व्यय बराबर होते है। इस बिन्दु से विक्रय की मात्रा अधिक होने पर संस्था को लाभ होने लगता है।

इसकी गणना में निम्नांकित सूत्र का प्रयोग किया जाता हैः–

$$BEP = \frac{F}{S-V} \times 100$$

जहाँ, F= स्थायी लागत (Fixed cost)

S = प्रस्तावित बिक्री (Projected cost)

V = विचरणशील लागत (Variable cost)

Break-even point is that point on which all the income and expenditure of the institution are equal. The institutions of the institution are equal. The quantity of sale is more beyond this point.

The following formula is used in its calculation:-

$$BEP = \frac{F}{S-V} \times 100$$

Where, F= Fixed cost

S = Projected cost

V = Variable cost

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. सम्वृद्धि रणनीति के विभिन्न प्रकारों की विवेचना कीजिए।

(1) आधुनिकीकरण – समय की दौड़ में बने रहने के लिए साहसी को अपने उत्पाद को आधुनिक की बनाते रहना होगा। यह आधुनिकीकरण उत्पाद के रंग, किस्म, आकार, डिजाइन, आधुनिक तकनीक का प्रयोग आदि के द्वारा किया जा सकता है। इस नीति से एक ओर जहॉ प्रति इकाई लागत होगी, वही ग्राहको के नवीनतम पसंद की आपूर्ति बनी रहेगी।

(2) विस्तारीकरण – एक सफल साहसी अपने वर्तमान लाभ से संतुश्ट नहीं होता बल्कि वह अपने उत्पाद के बाजार को और बढ़ाकर नये बाजार ढूंढकर अपनी उत्पाद क्षमता बढ़ाता है कुछ नयी शाखा खोलता है और मशीन संयंत्र लगाकर और अपने उपक्रम का विस्तार करता है।

(3) विविधीकरण – एक ही तरह उत्पाद वाले उपक्रम का विस्तारीकरण एक सीमा के बाद जोखिम से भरा होता है। अतः वर्तमान बाजारके स्थिति देखते हुए भी विविधीकरण की नीति अपनाना उपयुक्त होता है। यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक उत्पाद के एक उम्र सीमा होती है। इसके बाद उसे धीरे–धीरे स्वतः समाप्त हो जाता है। विविधीकरण या तो उसी तरह के उत्पाद श्रेणी में या बिल्कुल अलग ग्रुप में हो जाती है। जैसे स्ळ कंपनी ने ल्ट उत्पाद से कम्प्यूटर, फ्रीज, वाशींग मशीन बनाने में अपने को ढाल लिया। इसी तरह रू–ज जो एक इंजीनियरिंग कंपनी थी, सीमेण्ट उत्पादन में लग गयी।

(4) प्रतिस्थापीकरण – यह नीति तब अपनायी जाती है जब साहसी को ऐसा लगने लगे कि अब वर्तमान उत्पाद का कोई भविश्य नहीं है इसके अंतर्गत वर्तमान अप्रचलित हो रहे है। उत्पाद को नई तकनीकी युक्त उत्पाद से प्रतिस्थपित कर दिया जाता है। जैसे– स्याही वाला कलम के स्थान पर नए बॉल पेन का उत्पादन किया जाना, प्रतिस्थापन की ही रणनीति है।

(5) विलापीकरण – उपर्युक्त सभी रणनीतियॉ आन्तरिक होती है आर्थात् उपक्रम के अन्दर ही लागू रहती है किन्तु विलापीकरण बाह्य रणनीति है। यहॉ एक ही प्रकृति के दो या दो से अधिक उपक्रम आपस में मिल जाते हैं या फिर कोई बड़ा किसी छोटे उपक्रम को अपने साथ विलोपित कर लेता है। ऐसा होने से छोटा उपक्रम बन्द होने से बच जाता है और स्वयं भी बड़े के साथ समाहित हो जाता है।

(6) संयुक्त उपक्रम – यह नीति उस समय अपनायी जाती है। जब उद्यमी कार्य को अकेले कर पानी में सक्षम नहीं होता वह दूसरे अन्य साहसियों के सहयोग से उक्त व्यवसाय/कार्य को पूरा करता है। यह एक तरह की साझेदारी ही होती है। अन्तर सिर्फ यह है कि ' संयुक्त उपक्रम' काय्र पूरा हो जाने के बाद स्वतः समाप्त हो जाता है।

Q(8)-Explain the types of growth strategies.

(1) Modernisation – In order to keep pace with the business race,an entrepreneur must ensure a constant process of modernisation of his merchandise,by means of colours,types,size ,design and modern techniques .In this strategy, where the cost per

unit will be low and on the other hand,the desire of the consumers for acquiring new modernised merchandise will also to satisfied.

(2) Expansion- A successful entrepreneur never feels satisfied with the present profit rather continues to explore new vestas in the market for enhancding the rate of production in a better way . He opens new branches and by installing a better technical infrastructure,he expands his business.

(3) Diversification- The organisations manufacturing the identical products reach a state of saturation which acquires a risky proportion. In wake of the current market conditions ,it would be advisable to resort to the strategy of diversification.It is also essential since the life of any product has its own limit and thereafter, it starts disappearing from the market scene.Diversification may be in the product itself or it may be entirely different.It is like the L.G.company which manufactured television has now diversified to computer,fridge and washing machine,etc. Similarly ,L&T which is an engineering company has switched over to the production of cement.

(4)Substitution- This strategy is adopted when it appears to an entrepreneur that the existing product has no future and is heading towards obsolescene,thus it is to be substituted with another product such as a new ball pen instead of an ink pen, is an example of substitution.

(5) Merger- All the above-mentioned strategies are the internal ones which remain in force within the organisation but the "merger" is an external strategy. Here, two or more organisation come together or by a large enterprise, a smaller one is merged with. By doing so, the smaller enterprise survives from being closed rather becomes one with the mightier one.

(6) Joint Venture – This strategy is adopted when an entrepreneur lacks competency of running any enterprise at his own and seeks support from others in running the company successfully in a form of partnership .But the difference here is that in case of joint venture, the ownership, does not remain distinct after the job is done.

9. लागत का क्या अर्थ है?

उत्तर– साधारण भाशा में लागत का अर्थ कीमत से होता है। शब्दकोश के अनुसार लागत का अभिप्राय किसी वस्तु के सम्बन्ध में भुगतान की गई कीमत से है परन्तु लागत लेखाकन में लागत कीमत से भिन्न है। विभिन्न विद्वानो ने लागत को निम्नांकित प्रकार से परिभाशित किया है–

गार्डन शिलिंग लॉ के अनुसार '' लागत वह साधन है जिसे किसी विशिश्ट वस्तु को प्राप्त करने हुतु त्यागा जाए।'' आई0 सी0 एम0 ए0 लंदन के अनुसार, '' लागत वह व्यय है (वास्तविक अथवा काल्पिनिक जो किसी विशिश्ट वस्तु अथवा क्रिया के सम्बन्ध में व्यय की गई अथवा नियोजित की जा सके।

उपर्युक्त परिभाशाओ के वर्णन से स्पश्ट है कि लागत से अभिप्राय व्यय की कुला राशि से होता है, जो किसी वस्तु विशेश पर वास्तविक व्यय अथवा काल्पनिक की गई हो। यह किन्हीं वस्तुओं के उत्पादन एवं विक्रय अथवा किसी सेवा को प्रस्तुत करने अथवा किसी कार्य को सम्पन्न करने पर की गई हो। अन्य शब्दों में, लागत वह कुल व्यय होता है, जो किसी वस्तु अथवा सेवा के उत्पादन एवं विक्रय से सम्बद्ध हो। उदाहरणार्थ, एक लकड़ी की मेज बनाने पर सामग्री, जैसे– लकड़ी, कीले एवं पॉलिश की लागत, बढ़ई को दी गई मजदूरी तथा अन्य व्यय जैसे कारखाने का किराया एवंत विद्युत व्यय आदि सभी लागतें है। इन सभी को मिलाकर कुल लागत टेबुल बनाने की लागत होगी।

Q(9) What is meaning of cost? How does costs are determined?

In simple words cost means the price of a product or commodity Dictionary meaning of cost is payment made is lieu of something. But in cost accounting the meaning of cost is different from price various scholars have definer cost in he following ways:

(1)According to Gordon Shilling Law,"Cost is the resource that has been or must be sacrificed to attain a particulars objective."

(2)According to I.C.M.A,London ."Cost is the amount of expenditure (actual or notional) incurred on or attributable to a specified thing or activity."

From the above definitions it is clear that cost refers to the amount of expenditure,whether actual or notional incurred on .a specified thing or activity .This could be the expenditure incurred on production sale or in rendering services of any nature or in execution or completion of any work of assignment.In other words cost is that total expenditure which is incurred on production of any product or service or is related to.its sales or marketing.For example- the material required to build a wooden table, such as- wood ,nails and cost of polishing ,wages paid to the carpenter and other related expenditure ,such as –Factory rent and electricity expenditure etc.The total cost to manufacture a take shall be inclusive of all these costs.It means that the cost does not include the amount of profit .

10. प्रश्न – नियोजन की प्रकृति का वर्णन करे।

उत्तर– नियोजन के प्रमुख लक्षण अथवा प्रकृति निम्नलिखित है–

1) निर्धारित उद्देश्य एवं लक्ष्य होना– नियोजन निर्धारित लक्ष्य एवं उद्देश्य की पूर्ति के लिये किया जाता है, अतः प्रत्येक नियोजक इस लक्ष्य को सदैव ध्यान में रखता है और उसी के अनुरूप अपनी योजनाएँ बनाता है।
2) पूर्वानुमान लगाना – नियोजन का दूसरा महत्वपूर्ण लक्षण भविश्य के बारे में सोचना अर्थात् पूर्वानुमान लगाना है। इसके लिए एक– वर्शीय जैसे पूर्वानुमान लगाए जाते है।
3) ऐक्यता– एक समय में केवल एक योजना ही कार्यान्वित की जा सकती है क्योंकि दो विभिन्न योजनाओं के होने पर दुविधा, भ्रान्ति एवं अव्यवस्था फैलेगी।
4) विभिन्न वैकल्पिक क्रियाओं में से सर्वोत्तम का चयन– प्रबन्धक के सम्मुख विभिन्न लक्ष्य, नीतियाँ, विधियाँ तथा कार्यक्रम होते है। इनकी पूर्ति करने के लिए सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करना होता है। उपक्रम की सफलता बहुत कुछ इस चयन के आधार पर ही निर्भर करती है।
5) नियोजन की सर्वव्यापकता– कोई व्यक्ति चाहे कम्पनी का अध्यक्ष हो अथवा साधारण फोरमैन– संगठन के प्रत्येक स्तर पर नियोजन की आवश्यकता पड़ती है। संगठन का स्तर जितना अधिक ऊँचा होगा, नियोजन का क्षेत्र उतना ही अधिक विस्तृत एवं व्यापक होगा।
6) नियोजन एक निरन्तर एवं लोचयुक्त प्रक्रिया– नियोजन का एक महत्वपूर्ण लक्षण यह भी है कि इसमे निरन्तरता एवं लोच रहनी चाहिए ताकि बदलती हुई परिस्थितियों के अनुरूप इसमें आवश्यक परिर्वतन किया जा सकें।
7) प्राथमिक कार्य – नियोजन प्रबन्धन का प्राथमिक कार्य है। किसी भी प्रबन्धकीय प्रक्रिया में नियोजन को सर्वप्रथम एवं सर्वप्रमुख दिया जाता है, अन्य सभी कार्य नियोजन के पश्चात् की सम्पन्न किये जाते है।

Q(10)-Describe the nature of planning .

Following are the main features or nature of planning :

(1)Definite Objective and Goal: The planning is done for the fulfillment of determined objective and goal.Therefore ,every planner always keeps this goal in mind and plans as per thesegals.

(2)Forecasting:The other important feature of planning is to think about future i.e. forecasting.For it forecasting such as one-year are made.

(3)Unity : Only one plan can be implemented at one time because there will be confusion, illusion and disturbance due to two different plans.

(4)Selection of the Best among Alternative courses of Action : There are various goals ,policies,methods and programmes before the manager.The best alternative is to be selected to complete them .The success of the enterprise depends almost on the basis of the selection.

(5)Pervasiveness of Planning : Planning is needed at very level of the organisation,let any person be the chairman or the ordinary foreman of the company .As the level of the organisation will be higher,the field of planning will be more vast and comprehensive.

(6)Planning is a continuous and Flexible Process: It is also an important feature of planning that there should be continuity and flexibility in it so that necessary changes could be made in it as per the changed circumstances.

(7)Primary Function: Planning is a primary function of management.Planning is given first and foremost ;place in any management process,all other works are completed only after planning.

11. प्रश्नः– सम–विच्छेद विश्लेशण क्या है? यह कैसे ज्ञात किया जाता है?

उत्तरः– उद्यमी जब व्यवसाय में नया प्रविश्ट होता है, उसे तुरन्त लाभ नहीं होने लगता बल्कि कुछ दिनों तक उसे ' न लाभ न हानि' की नीति पर भी व्यवसाय चलाना पड़ता है। इसी नीति से सम्बन्धित आगणन 'सम–विच्छेद विश्लेशण' होता है जिसकी जानकारी रखना एक उद्यमी के लिए आवश्यक होता है।

बिक्री का वह बिन्दु जहाँ व्यवसाय को न लाभ हो न हानि, ' सम–विच्छेद बिन्दु' कहलाता है। यहाँ विक्रय मूल्य कुल लागत के बराबर होता है। कुल में स्थायी तथा परिर्वतनशील दोनो शामिल होते हैं उद्यमी कोई भी बिक्री करते समय इस बिन्दु का ध्यान रखता है क्योंकि इस बिन्दु से अधिक बिक्री लाभ प्रदान करेगी और इससे नीचे की बिक्री से हानि होगी।

एक रेखचित्र की सहायता से यह ज्ञात हो जाता है कि बिक्री के किस स्तर पर साहसी को कितना लाभ या कितनी हानि होगी?

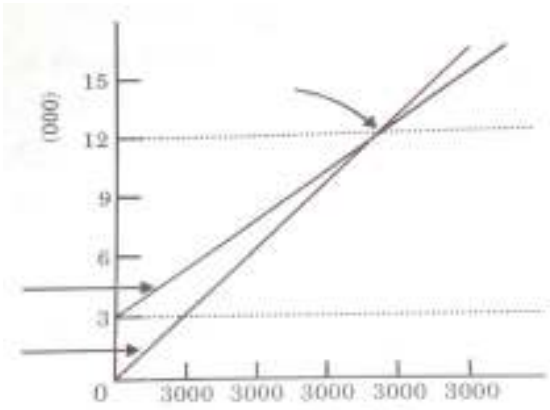

$$\text{BEP} = \frac{\text{Fixed Cost}}{\text{Contribution per Unit}}$$

$$\text{Contribution} = \text{Sales} - \text{Variable Cost}$$

स्पश्ट है कि उत्पादन चाहे 3,000 इकाई हो या 15,000 इकाई हो, परंतु लागत 3,000रू0 ही रहेगी। बिक्री रेखा शून्य से आरम्भ होती है जबकि लागत रेखा 3,000 से शुरू होती है क्योंकि बिक्री कुछ नहीं भी हो तो स्थायी लागत 3,000 रहेगी ही। अब ये दोनों रेखाएँ एक दूसरे को जिस बिन्दु पर काटती है, वह 'सम–विच्छेद' कहलाता है। इससे अधिक बिक्री लाभ तथा कम बिक्री हानि का द्योतक है।

Q(11) What is Break-even analysis? How it is calculated?

When the entrepreneur enters in the business for the first time,then he does not get profit immediately but he has to run the business for some days on the policy of no profit – loss .

The calculation related to this policy is called Break-even analysis and to keep its information is necessary for a entrepreneur.

The point of sale where there is neither profit nor loss to the business is called “Break-even point”. Here sale value is equal to total cost.The fixed and variable both are include in total costs.The entrepreneur keeps this point in mind while doing any type of selling because the more sale from this point will provide profit and there will be loss from the sale below this point.

It is found out with the help of a diagram that how much profit or loss will the entrepreneur get at which level of sale?

.

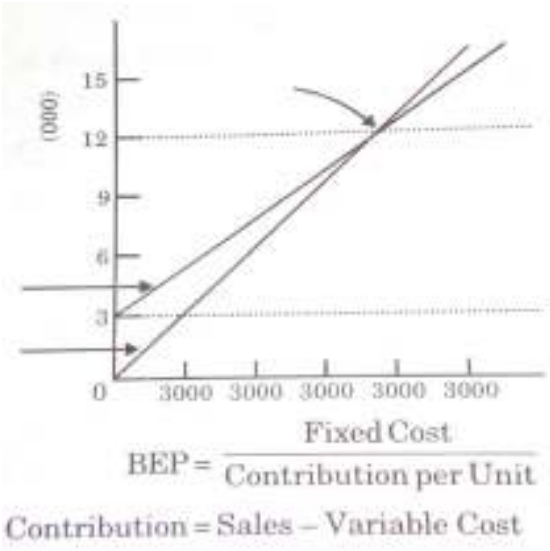

It is clear that let the production be 3,000 units, the fixed cost will remains Rs.3,000 only. The sale line stars from zero where the cost line starts from 3,000 because if there is no sale then also the fixed cost will remain 3,000 only.Now the point at which these two lines cut each other,is called”Break-even point”. The sale more than this point is the indicater of profit and less sale is the indicater of loss.

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)
{Commerce}
SET : 09

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

113. विभिन्न सार्वजनिक उपयोगिता की संस्थाओ को बड़ी मात्रा में विनियोग करना होता है–
(A) चालू सम्पत्तियाँ (B) स्थायी सम्पत्तियाँ
(C) काल्पनिक सम्पत्तियाँ (D) इनमें से कोई नहीं

Various public utility undertakings have to invest heavily on--
(A) current Assets (B) Fixed Assets
(C) Fictitious Assets (D) None of the Above

114. उद्यमिता के उपबन्ध अवरोध पोषित करते हैं। –
(A) नव–सृजन (B) लाभदायकता
(C) अनिश्यितता (D) इनमें से कोई नहीं

Barriers to entrepreneurship stifle--

(A) Innovative (B) Profitability
(C) Uncertainty (D) None of these

115. उद्यमितीय लक्षण निम्न से सम्बन्धित हैं–
(A) कार्य सृजक व्यवहार (B) लाभ सृजन व्यवहार
(C) जोखिम वाहन व्यवहार (D) इनमें से कोई नहीं

Entrepreneurial traits deals with---
(A) Job providing behavious (B) Profit seeking behaviour
(C) Risk taking behaviour (D) None of these

116. उद्यमिता विकास कार्यक्रम के आलोचनात्मक मूल्यांकन बिन्दु हैं–
(A) संगठात्मक नीतियाँ
(B)उपयुक्त चयन प्रक्रिया का अभाव
(C) निम्न श्रेणी की तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण
(D) उपर्युक्त सभी

Critical evaluation points of entrepreneurial development programme are –
(A) Organisation policies
(B) Lock of suitable selection Procedure
(C) Low quality of technical and vocational education and training.
(D) All the above

117. प्रबन्धकीय निर्णय तुरन्त होना चाहिए–
(A) सम्पादित (B) स्थगित
(C) परिवर्तित (D) निलम्बित

Managerial decision should be :--
(A) Edited (B) Postponed
(C) Changed (D) Suspended

118. नियन्त्रण जाँच का एक कार्य हैं–
(A) दुरूपयोग (B) खर्च
(C) लाभ (D) बहाली

Control is a function of instruction:--
(A) Misused (B) Expense
(C) Profit (D) Employment

119. पूँजी बाजार के लिए उत्तरदायी नहीं हैं–
(A) तरलता (B) सुरक्षा
(C) कोष (D) वस्तुएँ

Which of the following is not responsible for capital market:-

(A) Liquidity (B)Safety

(C)Fund (D) Material

120. किस स्थिति में अंश के मूल्य में कमी आती है–

(A) अधि पूँजीकरण (B) अल्प–पूँजीकरण

(C) समाज (D) बाजार

In which condition price of shares decreased .

(A) Over- capitalization (B) Under-capitalization

(C) Society (D) Market

121. निन्नलिखित में से कौन सा प्रोत्साहन हैं। –

(A) प्रोन्नति (B) अंश आवंटन

(C) नौकरी की सुरक्षा (D) कर्मचारियों की भागीदारी

Which is financial encouragement :-

(A) Promotion (B) Share allotment

(C) Security of service (D) Participation of employees

122. प्रबन्ध की सफलता का प्राथमिक तत्व हैं–

(A) सन्तुष्ट कर्मचारी (B) अत्यधिक पूँजी

(C) बड़ा बाजार (D) अधिकतम उत्पादन

Primary element of succession of management is :-

(A)Satisfied workers (B) Excess capilal

(C)Big market (D) Excess production

123. एक अच्छे ट्रेडमार्क की आवश्यकता नहीं होती है–

(A) अंग्रेजी मे (B)विशेष क्रम में

(C) याद रखने में (D) उत्पाद की उपयुक्तता

No need of a good trademark –

(A) In English (B) In special series

(C) To remember (D) In utility of product

124. एक फर्म की ख्याति सम्पत्ति है –

(A) भौतिक (B) अभौतिक

(C) गतिशील (D) निश्चित

Which type of assets is goodwill of a firm –

(A) Material (B) Non- material

(C) Movable (D) Certain

125. समाज के द्वारा अक्सर विज्ञापन का विरोध किया जाता क्योंकि इसमें कभी–कभी होता है–

(A) धोखाघड़ी (B) अधिक कीमत

(C) मिथ्या वर्णन (D) उपर्युक्त सभी

Advertisement is opposed by society due to –

(A) Cheating (B) High price

(C) Wrong statement (D) All of the above

126. उपभोक्त संरक्षण पारित हुआ था –

(A) 1786 (B) 1886

(C) 1986 (D) 1996

Consumer protection was passed in –

(A) 1786 (B) 1886

(C) 1986 (D) 1996

127. भारत मे कार्यरत गैर–सरकारी संगठन है –

(A) वॉइस (B) कॉमन कॉज

(C) दोनों (D)कोई नहीं

Working non-government organisation of India is –

(A) Voice (B) Common cause

(C)Both (D) None of these

128. उपभोक्ता विवादों के निपटारे की अवस्था तंत्र है–

(A) एक स्तीरय (B) त्रिस्तरीय

(C) द्वि–स्तरीय (D) कोई नही

The machinery for settlement of consumer disputes is –

(A) One - tier (B)Three - tier

(C) Two - tier (D) None of these

129. विपणन अवधारण है –

(A) उत्पादोन्मुखी (B) विक्रयोन्मुखी

(C) ग्राहकोन्मुखी (D) ये तीनो

Marketing concept is –

(A) Production – oriented (B) Sales – oriented

(C) Customer – oriented (D) All the three

130. अंश हरण (जब्त) खाते के शेष को चिट्ठे में प्रदर्शित किया जाता है–

(A) चालू दायित्व एवं प्रावधान मद के अन्तर्गत (B) संचय एवं अधिशेष मद के अन्तर्गत

(C) अंश पूँजी खाता के अन्तर्गत (D) आरक्षित ऋण के अन्तर्गत

Balance of share forfeiture account is shown in the Balance sheet under the item –
(A) Current Liabilities and provisions (B) Reserves and surplus
(C) Share capital Account (D) Unsecured Loans

131. लाभ अनुपात को सामान्यतः प्रदर्शित किया जाता है–
(A) साधारण अनुपात में (B) प्रतिशत में
(C) गुणा में (D) इनमें से कोई नहीं

Profitability Ratio is generally shown in –
(A) Simple Ratio (B)Percentage
(C) Times (D) None of these

132. जब चालू अनुपात 2:5 और चालू दायित्वों की राशि Rs 25000 है तो चालू सम्पत्तियों की राशि क्या होगी ?
(A) 62500 (B) 12500
(C) 10000 (D) 2000

When current ration is 2:5 and the amount of current liabities is Rs 25000 what is the amount of current assets. –
(A)62500 (B)12500
(C) 10000 (D) 2000

133. जब रोकड़ 10000 है, स्टॉक 25000 है, प्राप्य बिल 50000 है, लेनदार 22000 है और बैक अधिविकर्ष 8000 है तो चालू अनुपात होगा–
(A) 2:5 (B) 4:3
(C) 3:4 (D) 1:2

When cash is 10000,stock is 25000, B/R is 5000 creditors is 22000 and Bank overdraft is 8000, then current ratio is -
(A) 2:1 (B) 4:3
(C) 3:4 (D) 1:2

134. निम्न में से कौन–सी विशेषता नव–निर्माण की है?
(A) अधिक शिक्षित (B) उच्च सामाजिक स्तर
(C) अधिक प्रभावशाली (D) उपरोक्त सभी

Which of the following is the attribute of an innovator ?
(A) More qualified (B) Memorable
(C) More influential (D) All of the above

135. यह कथन है '' उद्यमी प्रबन्धक से बड़ा होता है। उद्यमी नव–प्रवर्तक एवं प्रवर्तक दोनों हैं।

(A) जोसफ ए शुम्पीटर (B) फौरेस्ट फ्रेन्ट्स
(C) पीटर एफ ड्रकर (D) उपरोक्त में सें कोई नहीं

This statement is --
(A) Joseph A. schumpeter (B) Forest Frantz
(C) Peter F. Drucker (D) None of the above

136. यह कथन है '' नवाचार उद्यमिता का विशिष्ट उपकरण हैं।
(A) जोसफ ए. शुम्पीटर (B) फौरेस्ट फ्रैन्ट्स
(C) पीटर एफ. ड्रकर (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

This statement is --
(A) Joseph A. schumpeter (B) Forest Frantz
(C) Peter F. Drucker (D) None of the above

137. निम्न में से नवाचार की अवस्था कौन सी है?
(A) व्यावसायिक विचारों की पहचान (B) व्यवसाय का नियोजन
(C) परियोजना प्रतिवेदन का निर्माण (D) उपरोक्त सभी

Which of the following is a stage of innovation ?
(A) Identification of business idea (B) Bussiness planning
(C) Formation of projeet report (D) All of the above

138. वैज्ञानिक प्रबन्ध के जन्मदाता कौन थे?
(A) एच.एस पर्सन (B) डाइमर
(C) एफ. डब्ल्यु टेलर (D) चार्ल्स बैबेज

Who was the father of scientific management?
(A) H.S.Person (B) Diemer
(C)F.W.Taylor (D) Charles Babbage

139. वैज्ञानिक प्रबन्ध कब प्रारम्भ हुआ ?
(A) 1913 (B) 1832
(C) 1903 (D) 1923

When scientific management was introduced.?
(A) 1913 (B) 1832
(C)1903 (D) 1923

140. वैज्ञानिक प्रबन्ध में उत्पादन होता है–
(A)अधिकतम (B) न्युनतम
(C) सामान्य (D) इनमें से कोई नहीं

Production in scientific management is---
(A) Maximum (B) Minimum

(C) Normal (D) None of these

Multiple Choice Answer 1 To 28.

1-B	2-A	3-A	4-D
5-A	6-D	7-B	8-D
9-B	10-D	11-D	12-D
13-B	14-A	15-A	16-B
17-A	18-D	19-D	20-B
21-C	22-C	23-A	24-C
25-B	26-B	27-A	28-A

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

Ques-1. What is legal factor.?

वैधानिक घटक क्या हैं?

Ans- सरकार अपनी नीतियों और कानून द्वारा उद्योग–व्यवसाय को नियंत्रित करती है अतः इस घटक के चलते भी पर्यावरण को प्रभावित होना स्वाभाविक है। कुछ उद्योगो को तो सार्वजानिक क्षेत्र के लिए सुरक्षित रखा जाता है तो कुछ मे ढील दी जाती है।

कारखाना अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम,राष्टीय नीति आदि द्वारा उद्योग व्यवसाय प्रभावित होते है।

Ans- Any government regulates the trade activities through its industrial policies and other legal factors. The business environment continues to be vulnerasle to such factors. Some categories of trade remain intact in the area of public sector and some are liberated from

such legal constraints. Industrial laws, Minimum ways Act, policy of nationalization etc are the factor which weild their influence on trade sectors.

Ques-2. पेशवर जोखिम में से क्या समझते हैं?

. What do you mean by career risks?

Ans. पेशेवर जोखिमों से आशय किसी पेशे या धंधे कों छोड़कर व्यवसाय प्रारंभ करने तथा उसमें असफल हो जाने की दशा में अपने पेशे में पुनः प्रवेश पाने की जोखिमों से है।कुछ पेशों में एक अंतराल के बाद पुनः प्रवेश करना कठिन हो जाता है। अतःव्यवसाय को प्रारंभ करने में व्यक्ति द्वारा अपने पेशे को दाँव पर लगाने की जोखिम विद्यमान होती है.

Career risks refer to this conditions of abandoning some profession or job and undertake. The setting up to an enterprise and in case of fiasco, returning to the earlier pre-occupation involves a great deal of challenge and risk. After a interval in some of the professions, return becomes greatly difficult. As such ,risking one"s earlier profession over remains an impossible and daunting process.

Ques-3. यदि किसी परियोजना की लागत 1500000 हो एवं फर्म की वार्षिक रोकड़ अन्तर्वाह 600000 हो, तो पुनर्भुगतान अवधि की गणना करें।

Ques- If the cost of a project is Rs 1500000 and the firm a receives annual cash in flow of Rs 600000 find out the pay back period.

Ans - P=I/R

Where, P= Pay- back period, I= Investment or cost of project,

R= Return from investment

Given,

Cost of Project (I) Rs 1500000

Return from investment =(R) 600000

$$P=\frac{1500000}{600000}=2.5 \text{ year}$$

So, Pay-back period is 2yrs and 6 moths

Ques-4. लाभांश नीति क्या है?

What is dividend policy ?

Ans- यदि कम्पनी उदार लाभांश नीति अपनाती है तो उसे नकद लाभांश वितरण के लिए अधिक कार्यशील पूँजी की आवश्यकता होगी।इसके विपरीत कम्पनी या तो लाभांश वितरण ही नहीं करती है तथा बहुत कम दर से लाभांश का वितरण करती है अथवा लाभांश नकद न वितरित करके बोनस अंशो का निर्गमन करती है तो उसे कम कार्यशील पूँजी की आवश्यकता होगी।

Ques- 4. What is dividend policy?

Ans- When an organization adopts a provision of dividend policy, it requires a large amount of working capital for the disbursement of dividend. In other cases, the companies which do not disburse dividend or disburse at a very low level or issue the bonus shares, new a lesser amount of the working capital.

Ques-5 . कटु या गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा का क्या आशय हैं?

Ques- What is meant by cut-throat competition?

Ans- वर्तमान में उत्पादन केवल स्थानीय, राज्यीय एवं अन्तर्राज्यीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं अपितु अन्तर्राष्टीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया जाता है। जैसें–जैसे उत्पादन में वृद्धि हो रही है, और बाजारों का विकास हो रहा है, त्यों'–त्यों प्रतिस्पर्द्धा बढ़ रही है। इस गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के युग में वही उद्योगपति टिक पाता है जो न्यूतम लागत पर अधिकतम उत्पादन करने मे सफल हो पाता है।

Ans- In the contemporary age, the production in not meant to cater the need at the local, regional, state or national, levels rather at the international level,too. It is like, that the level of production is increasing and the market is growing at the same time, competition is also increasing in this cut- throat competition ,only that business would survive which can elicit the higher sale of productivity at the minimum cost.

Ques-6. प्रश्नावली तैयार करना से क्या तात्पर्य है? What is meant by Preparing Question-naire?

Ans-किसी भी प्रोजेक्ट पर कार्य करने के लिए यह आवश्यक है कि जिस विषय से सबंधित प्रश्नावली तैयार कर लेनी चाएि ताकि जब इन संस्थाओं में भ्रमण किया जाए तब उस प्रश्नावली में लिखे प्रश्नों को पूछकर आवश्यक सूचनाएँ एकत्रित की जा सकें। जहाँ तक हो सके प्रश्नों का चुनाव इस तरह किया जाए जिनके उत्तर अत्यंत सूक्ष्म हों।

Ans- Preparing question naire is important for working on a project, to be done and a question naire on the subject is to be prepared so the when these institutions are visited to, then the questions could be selected for getting information. As far as possible, the questions opted for the purpose should be the most important ones.

Ques-7. संयन्त्र व मशीनें पर संक्षिप्र विवरण दीजिए। Write about Plant and Machinery in brief.

Ans- उत्पादन क्रियाओं के संचालन हेतु अनके यंत्रों, मशीनों , उपकरणों, कार्यशालाओं आदि की आवश्यकता होती है इसके अतिरिक्त ,तकनीकी सलाहकारो विशेषज्ञों का श्शुल्क, किराया, भाड़ा दुलाई संन्यंत्र स्थापना आदि पर भी व्यय करना होती है।

Ques- In the process of production, various machines, equipments and workshops are essentially required, apart from it, technical advisors, emolument of experts, rent, fare, moulding machines etc. also involve a substantial expenditure.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

08. प्रश्न – एक साहसी के लिए परियोजना प्रतिवेदन बनाने मे किन बातो को ध्यान में रखना चाहिए?

उत्तर – साहसी के लिए परियोजना प्रतिवेदन का निमार्ण करना बहुत आवश्यक है किन्तु इसकी एक निश्चित रूपरेखा निर्धारित नहीं की जा सकती क्योंकि प्रत्येक उपक्रम की प्रकृति एवं आकार अलग–अलग होता है। सामान्यतः प्रतिवेदन का निर्माण करते समय निम्नलिखित मुख्य बातों पर ध्यान देना चाहिए–

1) सामान्य विवरण – इस शीर्शक में साहसी का नाम, पता, योग्यता, अनुभव आदि का वर्णन दिया जाता है। यदि उपक्रम साझेदारी के रूप में हो तो सभी साझेदारों का विवरण और यदि कम्पनी प्रारूप में हो तो प्रवर्तको का विवरण दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही परियोजना जिस उद्योग से सम्बन्धित हो, उसकी भी भूतकालीन और वर्तमानकालीन स्थिति, समस्या आदि का विश्लेशण दिया जाना चाहिए।

2) परियोजना का विवरण– इस शीर्शक में परियोजना सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है। जैसे– यह कहॉ स्थित होगी? इसके लिए कच्चा माल व कुशल श्रमिक कहाँ से एवं कैसे उपलब्ध कराये जायेंगं? इसके लिए आधारभूत संरचनाएँ जैसे– पानी, बिजनी, ईंधन, यातायात इत्यादि की क्या व्यवस्था होगी? उत्पादन को किन प्रक्रियाओं से गुजरना होगो? इसके लिए यंत्र–संयंत्र कहाँ से, कितने में उपलब्ध होगा? इसकी क्षमता क्या होगी? भविश्य में इसके विकास की क्या सम्भावनाएँ होगी? आदि।

3) बाजार की शक्ति – इस शीर्शक में परियोजना के उत्पाद की बाजार में क्या सिथति रहने की सम्भावना है, का विवरण दिया जाता है। उक्त उत्पाद की वर्तमान स्थिति क्या है तथा भविश्य में इसकी माँग की स्थिति कया हो सकती है, का विवरण भी इसकमे सम्मिलित रहता है।

4) वित्तीय स्त्रोत– परियोजना के लिए स्थायी पूँजी और चालू पूँजी, कार्यशील पूँजी दोनो की व्यवस्था का विवरण अलग–अलग दिया जाना चाहिए।

5) अन्य वित्तीय पहलू– इस शीर्शक में परियोजना का प्रस्तावति लाभ–हानि खाता तथा आर्थिक चिह्ना दिखाया जाना चाहिए। इससे सम्भावित लाभ तथा आर्थिक स्थिति की सम्भावना का पता चलता है। इसके अलावा परियोजना के उत्पाद के उत्पाद का सम–विच्छेद बिन्दु भी दिखाया जाना चाहिए।

6) आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव– परियोजना से प्राप्त होने वाले सामाजिक एवं आर्थिक लाभ का भी विवरण होना चाहिए। जैसे– रोजगार कितना बढ़ेगा? स्थानीय लोगो को क्या लाभ होगा? उक्त क्षेत्र का क्या विकास हो सकेगा? आदि।

Q(8)- What main points should be taken care of while formulation of project report by an entrepreneur ?

It is very essential for a entrepreneur to make the project report but its definite outline can not be derermined because the nature and size of every enterprise is different Generally ,following pointsshould be kept in mind:

(1) General Description: The name of the entrepreneur,address qualification ,experience etc.are given under this title.If the enterprise is in the partnership from then the description of all the partners and if the company is in format then the details of promoters should be given.Alongwith,the project is related with which industry , the analysis of the present and past position,problems of it should be given.

(2) Description of the Project – The whole information regarding the project is given under this title; such as-where it will be situated? From where and how the raw material and skilled labourers will be made available? and what will be the arrangement of infrastructure, such as; water ,electricity ,fuel and transporation arrangement? From which process the production has to under go? From where will its tools and equipments be available and what will be its cost? What will its capacity be? what will be the possibilities of it in the future? etc.

(3) Market Potential : In this title description is given that what will be the possibility of product of the project in the market. Its also include the description that what is the present position of this product and what can be the position of the product and what can be the position of its demand in future?

(4) Sources of Finance: The description of the arrangement of both fixed capital and current capital working capital should be given separately.

(5) Other Financial Aspects: In this title, the projected Profit-loss Account and Balance sheet of the project should be shown. It shows the expected profit and the possibility of economic position. Expect this ,the break-even point of the product of the project should be shown.

(6) Economics and Social Effects : There should be the description of social and economics profit received from the project? Such as: How far the employment will increase? What benefit the local people will get ? What will be the development of the above sector? Etc.

9. संसाधनो की गतिशीलता में उद्यमी की क्या भूमिका होती है?

उत्तरः–उद्यमी की सफलता इस पर निर्भर करती है कि वह किस कुशलता से अपने लिए आवश्यक साधनों को जुटाकर उनका समुचित प्रयोग कर पाता है। साधनों को गतिशील बनाने से साथ– साथ उद्यमी को यह भी देखना है कि यह गति अनुकूल दिशा में होनी चाहिए। अतः उसे निम्नांकित कुछ मुख्य बातों पर ध्यान देना चाहिए–

1) संसाधन की पहचान– साहसी को सबसे पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे किन साधनों की आवश्यकता है? अपनी आवश्यकता के अनुरूप ही उचित साधनों का चयन किया जाता चाहिए।
2) संसाधनों की पहचान– तत्पश्चात् साहसी विभिन्न साधनों में से पहचान करेगा कि उसे किस साधन की कितनी मात्रा चाहिए और यह कहाँ से किस प्रकार उपलब्ध हो सकेगा?
3) रूकावटों का अध्ययन– साधनो को जुटा पाना सरल कार्य नही है। चिह्नित आवश्यक साधन को प्राप्त करने में साहसी को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, इन बातों का अध्ययन पहले से ही कर लेना चाहिए ताकि आगे का कार्य आसान रहे।
4) आपूर्तिकार्त्ता से सम्पर्क – प्रत्येक संसाधन, जैसे– भूमि, मशीन, श्रम, पूँजी आदि पर किसी–न–किसी व्यक्ति या संस्था का स्वामित्व होता ही है। अतः साहसी को इन संसाधनों के आपूर्तिकात्ताओं के साथ सम्पर्क स्थापित करके इनकी समयानुसार उपलब्धि के बारे में आश्वस्त हो लेना चाहिए।
5) साधन की मात्रा एवं समय– किस साधन की कितनी मात्रा कितने समय के अन्तराल पर आवश्यक होगी, इन बातों का निर्धारण साहसी को कर लेना चाहिए।
6) संसाधन की किस्म एवं लागत– संसाधन जुटाते समय साहसी को इसकी किस्म पर विचार करते हुए इसकी तुलना लागत से करनी चाहिए। उसे देखना चाहिए कि संसाधन की उक्त किस्म उसके अनुकूल है या नहीं?

Q(9) What is the role of an entrepreneur in the mobilisation of resources?

The success of an entrepreneur depends on the fact that how efficiently he can make proper use of the required resources.The entrepreneur alongwith making the mobility of resources has to see that this mobilization should be in favourable direction.Thus ,he should pay attention on some of the following points:

(1) Need of Resources : First of all, the entrepreneur should make sure that what resources are needed by him ? The selection of proper resources should be done as per his requirement .
(2) Identification of Resources: The entrepreneur will now identify from the various resources that he needs which of the resources in what quantity and from where it will be made available?
(3) Study of difficulties: It is not an easy task to arrange resources.To all these things should studied in advance that what difficulties can be faced by the entrepreneur to obtain required resources so that the future work remains easy.
(4) Contact with Supplier: Every resource; such as-land ,machine, labour ,capital etc. are owned by some of the person or institution. Thus ,the entrepreneur should make contact with the supplier of these resources and should get satisfaction about its availability in time.
(5) Quality and Timing of Resources : All the things should be determined by the entrepreneur that what quantity of which resource and it should be compared with the cost while arranging the resources. He should see that the above quality of the resource is suitable for him or not?

(6) Quality and cost of Resources: the entrepreneur should consider the quality of resource and it should be compared with the cost while arranging the resources. He should see that the above quality of the resource is suitable for him or not?

10. किस्म नियंत्रण को परिभाशित कीजिए। इसके सिद्धान्त क्या है?

उत्तर–किस्म नियंत्रण का अर्थ एवं परिभाशा– डॉ0 विलियम स्प्रैगल के अनुसार ''किसी वस्तु के गुण तथा किस्म से आशय आकार, रूप, रंग, मजबूती, कारीगरी, आकृति, संरचना तथा समायोजन से सम्बन्धित विशेशताओं से है।''

किस्म नियंत्रण से आशय वस्तुओं की अच्छाइयों एवं श्रेश्ठता से है जिनकी प्राप्ति के लिए मानव सामग्रियों एवं निमार्ण संयन्त्रो तथा परिस्थितियों पर इस तरह नियंत्रण स्थापित किया जाता है कि वे वस्तुओं की अच्छाइयों को प्रभावित कर सकें।

वस्तुओं को तैयार करने के लिए सभी सामग्रियाँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति से ही प्राप्त की जाती है जिससे प्राकृतिक कारण से उन सामग्रियों की बनावट व विशेशताओं में परिवर्तन आ जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ वस्तुओं की निर्माणी परिस्थितियों में भी तापमान, नमी, धूल, गर्म दूशित हवाएँ तथा मशीनों के हिलन–डुलने तथा मापक यन्त्र के घिसने से उनके समायोजन में परिर्वतन आते रहते है। इसलिए वस्तुओं में किस्म की सही मात्रा में विद्यमानता के लिए इन परिर्वतनो पर इस प्रकार से नियंत्रण रखा जाये कि ये वस्तुओं की श्रेश्ठता एवं गुणतात्ता को प्रभावित न कर सकें।

किस्म नियंत्रण के सिद्धान्त – किस्म नियंत्रण के सिद्धान्त निम्नलिखित है–

(I) किस्म का प्रमाप इस तरह से निर्धारित किया जाना चाहिए कि ग्राहकों को सन्तुश्टि प्रदान करने वाली सभी विशेशताएँ वस्तु में विद्यमान हों।

(II) वस्तुओं का निर्माण निर्धारित विवरण के अनुसार करना चाहिए ताकि उसमें प्रमाणित वस्तु या किस्म की मात्रा विद्यमान हो।

(III) किस्म की उत्कृश्टता को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय घटको पर व्यापक नियंत्रण होना चाहिए, जिससे वस्तु में निर्धारित प्रमाप के अनुसार किस्म विद्यमान हो।

(IV) एक उत्पाद की किस्म के प्रत्येक गुण की सही मात्रा के लिए उसे विशेश वितरण योग्य एवं कुशल डिजाइनर द्वारा तैयार किया जाना चाहिए।

Q(10)Define Quality control? What are its principles?

Meaning and Definition of Quality Control: According to Dr.William Spriegel,"The quality and type of any good means its characteristics regarding size , shape, colour, durability, workmanship , Construction and adjustment."

Quality control means the merits of the goods, for achieving this, the control on materials and manufacturing plants and circumstances is done in such a way that it could affect the merits of the goods.

All materials are obtained from the nature directly or indirectly to manufacture the goods, by which there comes the changes in the construction and characteristics of those materials due to nature causes, on the other side there comes the changes in their adjustments due to temperature, moisture, dust, polluted hot air, running of machines and deterioration of measuring instruments in the manufacturing circumstances. Therefore ,the control on these changes in the quality maintenance should be kept in such a way so that it should not affect quality of the goods.

Principles of Quality Control: Following are the principles of Quality control: -

(i) The standard of the quality should be determined in such a way that all the customers satisfying characteristics present in the goods.

(ii) The manufacturing of the goods should be done according to prescribed descriptions so that it contains the quantity of standard goods or type.

(iii) There should be comprehensive control on the changing factors affecting the perfection of the quality so that the quality in the goods should be present according to the prescribed standard.

(iV) For the right quantity of every merit of the quality of a product should be prepared by a efficient designer.

11. परियोजना को परिभाशित कीजिए।

उत्तर– परियोजना की कुछ प्रमुख परिभाशाएँ निम्नलिखित है–

1) 20वीं शताब्दी के वेब्स्टर नामक नये शब्दकोश के अनुसार, ''परियोजना किसी कार्य को करने की व्यवस्था, योजना, युक्ति, अभिकल्पना अथवा प्रस्ताव है।''

2) प्रबन्ध निर्देशिका के अनुसार, '' परियोजना पूँजी विनियोजन योजना है जिसका संचालन निर्धारित अवधि में निश्चित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए किया जाता है तथा उद्देश्य प्राप्ति के पश्चात् परियोजना समाप्त हो जाती है।''

3) लिटिल एवं मिररली के अनुसार, ''परियोजना संसाधनो के विनियोजन के लिए बनायी गई योजना है जिसका एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में उचित रूप में विश्लेशण एवं मूल्यांकन किया जा सकता है।''

4) डेविड क्लिफटन एवं फिफे के अनुसार, '' परियोजना का तात्पर्य किसी नवीन उद्यम की स्थापना करना अथवा वर्तमान उत्पाद– मिश्रण मे किसी नवीन वस्तु को जोड़ना होता है। एक परियोजना एक मशीन अथवा एक पूर्ण संयन्त्र से सम्बन्धित हो सकती है।''

5) प्रबन्ध एनसाइक्लोपीडिया के अनुसार, '' परियोजना एक संगठित इकाई है जो लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित है। एक विकासशील परियोजना को समय में, बजट के अन्दर तथा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम की विशेशताओं के अनुरूप सफलतापूर्वक सम्पूर्ण किया जाता है।'' सरल शब्दों में, ''परियोजना से आशय पूँजी विनियोजन के किसी भी ऐसे अवसर से है जिसका लाभ पाने के लिए दोहन किया जा सकता है।''

Q(11)Define Project.

The following are the main definitions of project:

(1) According to the Webster"s New 20th century Dictionary, " A project refers to a dream or imagination for the completion of a task, plan or a techniques."

(2) As per "Directory of, Management ","Project is capital investment plan ,the operation or execution of which is initiated for accomplishing a definite objective and after the accomplishment , the project comes to an end."

(3) As stated by Little and Mirrleee, "Project is a scheme for investing resources which can reasonably be analysed and evaluated as an important unit."

(4) In the opinion of David Clifton and Fyffe, "The term "Project" means the establishment of a new enterprise or the introduction of something new into an existing product-mix . A project can encompass a wide range of possibilities, from a single piece of machinery to an entire plant."

(5) According to "Management Encyclopedia". "Project is an organized unit dedicated to the pre-determined objectives. A project can completed within a proposed time-frame, within budget and in accordance with the specifications of planning ." In simpler words, "A project is any business opportunity which can be exploited for profit."

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 10

By:-

Dr. Sakal Deo Singh
Principal Incharge
+2 High School, Jadopur
Bhojpur

&

Dr. Jay Prakash Narayan
SKM +2 High school
Mokama, Patna

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

141. ''कम्पनी का विनणन वातावरण उन सब घटको और शक्तियो से होता है जिनका विपणन प्रबन्ध की क्षमता को विकसित करने तथा वांछित उपभोक्ताओ को सफलतापूर्वक विनणन क्रियाओं को कटने से होता है।'' यह कथन किसका है –

(A)क्रेवेन्स (B) कोटलर एवं आर्मस्ट्रॉंग
(C) मार्शल (D) थॉमस

" A company marketing environment consists of the factors and forces outside marketing that affect marketing management ability to develop and maintain successful transactions with its target customers" who said this.

(A) Experience (B) Use of mind
(C) Both experience and use of mind (D) None of these

142. मॉंग पूर्वानुमान में शामिल है

(A) अल्पकालीन पूर्वानुमान (B) उपभोक्ता पूर्वानुमान
(C) मॉंग एवं पूर्ति (D) इनमें से कोई नहीं

Demand force casting in included is :-

(A) Period required for profit earning process
(B) Period required for cost of investment recovery
(C) Period required for fixed cost recovery
(D) None of above

143. विपणन के स्वभाव में शामिल है।
(A) उत्पाद नियोजन (B) उत्पाद वर्गीकरण
(C) ग्राहक (D) इनमें से कोई नहीं

Nature of marketing in included is :-
(A) Richard cantillan (B) J. B. Say
(C) F. H. Knight (D) F.V. Hane

144. मानव संसाधन प्रबन्ध में सम्मिलित हैं
(A) भर्ती (B) चयन
(C) प्रशिक्षण (D) ये सभी

Human resource management includedes:-
(A) Kandala (B) Only Delhi
(C) Ghaziabad (D) Faridabad

145. कर्मचारियों का प्रशिक्षम हे
(A) आवश्यक (B) अनावश्यक
(C) अनिवार्य (D) धन की बर्बादी

Employees training is :-
(A) Price (B) Quality
(C) Satisfaction (D) Brand

146. कर्मचारियो के विकास मे सम्मिलित है
(A) पदोन्नति (B) स्थानान्तरण
(C) प्रशिक्षण (D) ये सभी

Development of employment involves :-
(A) Shares (B) Debentures
(C) Bank Loan (D) Credet purchese

147. नवीन निर्गमित अंशो मे व्यावहार करता है
(A) गौण बाजार (B) प्राथमिक बाजार
(C) गौण (D) ये सभी

In new issued shares deals :-
(A) Large capital (B) Big plot of land
(C) Adequate manpawer (D) Imported Machines

148. सन् 2004 मे भारत मे विपणियों की संख्या थी

(A) 20 (B) 21

(C) 23 (D) 24

The number of stock exchange in 2004 was :-

(A) Role of social environmet (B) Role of economic environmet

(C) Both (D) None of these

149. भारत में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम प्रभावी है

(A) 15 अप्रैल, 1986 (B) 15 अप्रैल, 1987

(C) 15 अप्रैल, 1988 (D) इनमे से कोई नहीं

Consumer protection Act is effective in India with effective from :-

(A) Cost of raw materials (B) Cost of labour

(C) Cost of power (D) Factory cost

150. जिला मंच विवादो का निपटारा कर सकता है

(A) 5 लाख रू0 तक (B) 10 लाख रू0 तक

(C) 15 लाख रू0 तक (D) 20 लाख रू0 तक

District forum can settle disputes :-

(A)Ensure sacrifice for other (B) Willing to sacrifice on his own

(C)Among support system (D) None of these

151. राज्य आयोग विवादो का निपटारा कर सकता है।

(A) 5 लाख रू0 तक (B) 10 लाख रू0 तक

(C) 20 लाख रू0 तक (D) 20 लाख रू0 से अधिक

State commission can settle disputes :-

(A) Simple Ratio (B) Percentage

(C) Times (D) None of these

152. राश्ट्रीय आयोग उपभोक्ता विवादो का निपटारा कर सकता है

(A) 5 लाख रू0 तक (B) 10 लाख रू0 तक

(C) 20 लाख रू0 तक (D) 1 करोड़ रू0 तक

National commission can settle dispute :-

(A) Cash (B) Bills Receivable

(C) Stock (D) None of these

153. उद्यमिता आश्वस्त होती है

(A) सहायक (B) वृहदाकार फर्म

(C) मध्यम फर्म (D) लघु फर्म

Entrepreneurship is ensured by :-

(A) Fixed assets (B) Investment

(C) Loans & Advance (D) Misc. expenditure

154. मानसिक क्रान्ति मूलाधार है–

(A) वैज्ञानिक प्रबंध का (B) संयोजन का

(C) विवेकीकरण का (D) इनमें से सभी

Mental revolution is the essence of :-

(A) Dynamic Analysis (B) Structural Analysis

(C) Static Analysis (D) None of these

155. जब गैर–अभिलेखित दायित्वो का भुगतान किया जाता है तो दर्शायेगें–

(A) वसूली खाता के नाम के पक्ष मे (B) बैंक खाता के नाम के पक्ष में

(C) वसूल खाता के जमा के पक्ष में (D) बैंक खाता के जमा के पक्ष में

Unrecorded liabilities when paid are shown in :-

(A) Criticism and analysis (B) Comparison and trend study

(C) Drawing canclusion (D) All the above

156. संचित लाभ और संचम का हस्तान्तरण किया जायेगा–

(A) वसूली खाता में (B) साझादारो के पूँजी खाता में

(C) बैंक खाता में (D) इनमे से कोई नही

The accumulated profits and reserves are transferred to :-

(A) Realisation A/C (B) Partner"s capital A/C

(C) Bank A/C (D) None of these

157. विचारो को कार्यरूप मे परिणत करने का प्रथम चरण है–

(A) नियोजन (B) वित्त

(C) संगठन (D) स्थानीयकरण

Tire first step of translate ideas into action is ;-

(A) Planing (B) Finance

(C) Organisation (D) Location

158. बाजार का प्रतिस्वर्धात्मक विश्लेशण निम्न मे से किस–किस से किया जा सकता है–

(A) मूल्य मे कमी एवं गुणवता मे वृद्धि (B) उत्पादन प्रक्रिया की लागत

(C) निरन्तर शोध (D) उपरोक्त सभी

By which of the following the study of competitive analysis of market can be done :-

(A) Decrease in price and income in quality
(B) cost of the process producation
(C) Continues Research
(D) All of the above

159. बाजार का प्रतिस्पर्द्धात्मक विश्लेशण मे से किससे नही किया जा सकता –
(A) कच्चे माल के किस्म (B) उत्पाद की पैंकिग एवं वितरण व्यवस्था
(C) उपरोक्त दोनो से (D) उपरोक्त दोनो नहीं

By which of the following the study of competitive market is not possible :-
(A) Quality of raw materials
(B) Packing and distribution arrangement of the product
(C) Both and Above
(D) None of the above

160. निम्न मे से कौन–सी प्र्यावरणीय बाधा नही है–
(A) सामाजिक (B) अभिप्रेरण
(C) आर्थिक (D) राजनैतिक

Which of the following is not an environmental barrier:-
(A) Social (B)Motivation
(C) Economic (D) Political

161. निम्न मे से कौन–सी व्यक्तिगत बाधा है
(A) अभिप्रेरण (B) मनोवृत्ति
(C) उपरोक्त दोनों (D) इनमें से कोई नहीं
Which of the following is a personal barrier :-
A) Motivation (B) Attitude
(C) Above Both (D) All of these

162. SIDBI किस वर्श स्थापित किया गया–
(A) 1940 (B) 1970
(C) 1990 (D) 1980

SIDBI was established in the year :-
(A) 1940 (B) 1970
(C) 1990 (D) 1980

163. EXIM बैंक कब स्थापित किया गया–
(A) 1982 (B) 1992
(C) 1974 (D) 1976

EXIM bank was established in the year:-

(A) 1982 (B) 1992
(C) 1974 (D) 1976

164. निम्न मे से कौन–सा व्यावसायिक अनिश्चितता का उदाहरण है–
(A) भूकम्प (B) सूखा
(C) मूल्यो में परिवर्तन (D) हिमपात

Which of the following is the example of business uncertainties :-
(A) Earthquake (B) Drought
(C) change in prices (D) snow Fall

165. ए0 एच0 मैस्लो निवासी थे–
(A) जर्मनी (B) अमेरिका
(C) भारत (D) फ्रांस

A.H. Maslow was the resident of :-
(A) Germany (B) America
(C) Bharat (D) France

166. आचार संहिता में सम्मिलित नही किया जाता–
(A) नियम (B) बेईमानी
(C) सत्यनिश्ठा (D) नैतिकता

Code of conduct does not include :-
(A) Rules (B) Dishonesty
(C) Integrity (D) Morality

167. भारत में बल दिया जाता है–
(A) प्रशिक्षण केन्द्र प्रशिक्षण पर (B) कार्य स्थल प्रशिक्षण पर
(C) कार्य के बाहर प्रशिक्षण पर (D) उपरोक्त सभी

In India stress is given on :-
(A) Training centre training (B) On the Job Training
(C) Off the job training (D) All of the these

168. निम्न मे से क्या, उद्यमिता विकास कार्यक्रम से सम्बद्ध नहीं है–
(A) मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करना (B) प्रशिक्षण हेतु उद्यमियो का चयन
(C) उपरोक्त A एवं N (D) उपरोक्त न A और न B

Which of the following is not involved in EDPL :-
(A) Arranging infrastructural facilities
(B) Selection of entrepreneurs for training
(C) A and B above

(D) Neither A nor B above

Multiple Choice Answer 1 To 28.

(1) B	(8) D	(15) A	(22) C
(2) A	(9) B	(16) B	(23) A
(3) A	(10) D	(17) A	(24) C
(4) D	(11) D	(18) D	(25) B
(5) A	(12) D	(19) D	(26) B
(6) D	(13) B	(20) B	(27) A
(7) B	(14) A	(21) C	(28) A

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

Ques-1. उपक्रम के चुनाव मे साहसी किन दो महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देगा ?

Ans- उपक्रम के चुनाव मे साहसी निम्नलिखित दों महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान दे देगा :–

1. स्थापना में आसानी (Easy Formation) :– यदि कोई उपक्रम शीघ्र और आसानी से स्थापित करना हो तो एकारी व्यापार ठीक रहता है। साझेदारी फर्म स्थापित करने के लिए समान मानसिक विचारधारा वाले अन्य साझेदारों का होना आवश्यक है। सहकारी समिति या संयुक्त पूँजी वाली कमप्नी की स्थापना करने के लिए अनेक वैधानिक औपचारिकताओं (Formalities) का पालन करते हुए इनका पंजीकरण (Registration) करना पड़ता है। अतः साहसी को सोच–विचार कर किसी एक का चुनाव करना चाहिए क्योंकि सभी स्वरूपो के अपने –अपने गुण –दोष होते हैं।
2. लाभदायकता (Profitability) :– किसी भी उद्यम को प्रमुख उद्देश्य लाभ कमाना होता है अतः उपक्रम के चुनाव के समय इस सन्दर्भ में सभी पहलुओं पर विचार कर लेना आवश्यक हैं।

Ques-1. On which two important points an entrepreneur will pay special attention to select an enterprise.?

Ans- The entrepreneur will pay attention on the following two important points in the selection of an enterprise:-

(1) Easy Formation :- If any enterprise is to be formed early and easily then so trade use to be better. The other partners of similar thinking are to be taken to form a partnership firm. For the formation of co-operating committee or the company of join capital, their registration is to be done after completing many legal formalities. Thus ,the entrepreneur should select and one of them after due thinking because all the kinds have their own merits and demerits.

(2) Profitability :- The objectives of any enterprise in to earn profit .Thus ,all the aspects in this regard should be consider while selecting the enterprise.

Ques- 2. सम बिच्छेद बिन्दु का निर्धारण कैसे होता है? How is break even point determined ?

Ans- परियोजना से होनेवाले लाभ की मात्रा को सम विच्छेद विश्लेषण के अर्न्तगत ज्ञात किया जाता है इसके द्वारा संस्था को समस्त आगमो एवं लागतों का अध्ययन के द्वारा विक्रय मात्राा के विभिन्न स्तरों पर होने वाले लाभ का पता लगाया जाता है सम–विच्छेद बिन्दु वह बिन्दु है जिस पर संस्था के समस्त अन्य और व्यय बराबर होते है परन्तु इस बिन्दु से विक्रय की मात्रा अधिक होने पर संस्था का लाभ होने लगता है। सम–विच्छेद विश्लेषण के द्वारा उत्पादन के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त होने वाले लाभों की मात्रा ज्ञात की जा सकती है।

Ans- The volume of profit-received from the project is calculated under the break even analysis . The profit arising at the various stages of sales quantity is calculated by the study of inputs and cost of organization. Break even point is that point on which all the income and expenditure of the organization are equal but the organisation starts getting profit on increasing the quantity of sale upto this point . The quantity profit received at various stages of production can be find out by break even analysis.

Ques-3. व्यावसायिक अवसरों के पहचान के कोई चार उद्देश्य बतायें?

Ans- व्यावसायिक अवसरों की पहचान के प्रमुख उद्देश्य निम्न है :–

(1) देश एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के ध्यान में रखतें हुए लच्यु, मध्यम एवं बृहत पैमाने के उद्योगों की सम्भावनाओं का अध्ययन एवं परीक्षण करना ये सम्भावनाओं तकनीकी तथा आर्थिक दृष्टि से व्यवहार साध्य होनी चाहिए।

(2) एक निश्चित क्षेत्र में तकनीकि एवं आर्थिक दृष्टिकोण से भौतिक संसाधनों के उपयोग एवं विकास की सम्भावनाओं का मूल्यांकन करना।

(3) उन उद्योगों को पहचानना जो स्थानीय संसाधनो पर आधारित नही है लेकिन भावी आवश्यकताओं के मद्दे नजर ऐसे उद्योग पर आर्थिक रूप से विचार किया जा सकता ळें

Ques- 3. Write any four objectives of identification of business opportunities ?

Ans – Following are the main objectives of identification of burliness opportunities :-

(1) Doing study and test of the possiblities of the industries of small, medium and large scale. Keeping in mind the requirements of the country and particular sector. These possible should be practicable technically and economically .

(2) Doing evaluation of the possibilities of the use and development of physical resources from the technical and economic point of view in a certain sector.
(3) Identifying those industries which are not based on local resouras but consideration can be done economically on such industries under future necessities .
(4) To found out short term and long term development possibilities in various sectors of economy.

Ques-4. कार्यशील पूँजी का प्रभावित करने वाले किसी तीन तत्वों के नाम बतायें।
Ans- व्यवसाय की प्रकृति (Nature of Business) कार्यशील पूँजी की मात्रा का प्रभावित अथवा निर्धारीत करने वाला प्रमुख घटक व्यवसाय की प्रकृति है। निर्माणी तथा व्यावसायिक इकाइयों मे जहाँ काफी माल स्टॉक में रखना पड़ता है तथा माल का उधार विक्रय होता है कार्यशील पूँजी अधिक रखनी पड़ती है।
(2) निर्माण प्रक्रिया की अवधि (Length of manufacture of process) :– यदि निर्माण प्रक्रिया दीर्घ कालीन हो तो स्वाभावित है कि कच्चे माल को निर्मित माल का रूप प्रदान करने में अधिक समय, अधिक लागत और अधिक श्रम लगता है। परिणाम रूप अधिक मात्रा में कार्यशील पूँजी की आवश्यकता पड़ती है।
(3) व्यवसाय का आकार (Size of Business) एक व्यावसायिक इकाई का आकार जितना बड़ा होगा उसमें कार्यशील पूँजी की आवश्यकता उतनी ही अधिक होती है। इसके विपरीत, एक व्यावसायिक इकाई का आकार जितना छोटा होगा , उसमें कार्यशील पूँजी का आवश्यकता उतनी ही कम होगी।

Ques. Mention any three factors affecting the working capital requirement.
Ans- Following are the main factor affecting the working capital :-
(1) Nature of Business : - The nature of business is the important factor affecting or determining the quantity of working capital . The manufacturing and commercial units where sufficient goods is to be kept on stock and sell is done on crest working capital has to be kept more.
(2) Length of manufacturing Process : - If the manufacturing process takes more time than it takes more time, more cost and more labour in manufacturing goods. As a result more quantity of working capital is needed. On contrary if the period of manufacturing process is less, the less quantity of working capitals needed .

Ques- 5 . उपक्रम स्थापना के पूर्व ध्यान देने योग्य किन्ही दो घटकों के नाम बतायें।
Ans श्रम (Mentor Labour):– किसी भी उपक्रम की सफलता अध्छी श्रम श्शक्ति पर निर्भर करती है। उपक्रम को चलाने के लिए कुशल तथा अकुशल (Skilled and unskilled) दोनों तरह के श्रम की आवश्यकता होती है इन श्रमिकों से उचित काम लेने के लिए प्रबंधकीय कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। उपक्रम के लिए सही प्रकार के व्यक्तियों का चयन करना अत्यंत आवश्यक हौ अन्याय समय,श्रम और धन की बर्बादी होगी।

Ques. Explain any two steps in the execation of the selling up on enterprise.
Ans- Arranging the site :- All those facilities which are required for the enterprise should be arranged at the place where the enterprise is established , Such as arrangement of traces portation to reach upto this site, arrangement of electricity ,water etc.
(2) Construction of Building : - The construction of building should be done as the requirement of production process, equipment and machinery.

Ques.6- पूर्वाधिकार अंश क्या है?

Ans - पूर्वाधिकार अंशों से आशय ऐसे अंशों से है जिन्हें एक निश्चित दर से लाभांश प्राप्त करने और कम्पनी की समापन की स्थिति में पूँजी की वापसी का समता अंशो की तुलना में पूर्वाधिकार प्राप्त होता है। इसे ही कम्पनी का लाभ न हो तथा इस इस प्रकार के अंशधारियों को मताधिकार नही होता है।

पूर्वाधिकार अंश विभिन्न प्रकार के होते है जैसे परिवर्तनीय , अपरिवर्तनीय श्शोधनीय, अशोधनीय, संचयी, याग्राही तथा अयागग्राही । इन सब अंशो पर संरक्षा द्वारा उचित मात्रा में लाभांश दिया जाता है।

Ques- 6. What preference share ?

Ans . There are some priority on this type of share which the other shares do not get, Such as the payment of these shares is made prior or equity shares at the time of the winding up of the form, and the dividend will definitely be given at fixed rate, even if the company in not profit and such shareholder have not right to vote.

There are various kinds of preference shares : - Such convertible, non-convertible, redeemable, non-redeemable, reserved ,unreserved etc.

Ques 7 . परियोजना मूल्यांकन के चार उद्देश्य को लिखें ।

Ans – परियोजना मूल्यांकन प्रस्तावित परियोजना का सही विश्लेषण करने का औजार है। यह प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लागतों एवं लाभों की पहचान करता है। परियोजना मूल्यांकन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है–

(1) प्रस्तावित परियोजना की अनुमनित लागतों एवं लाभों की पहचान करना।

(2) प्रस्तावित परियोजना के विशिष्ट एवं पूर्व निर्धारित परिणाम तक पहुँचना।

(3) प्रस्तावित परियोजना की सफलता अथवा असफलता का पता लगानें के लिए आवश्यक सुचनाएँ एकत्रित एवं संकलित करना।

(4) प्रस्तावित परियोजना की सफलता अथवा असफलता की दर की ज्ञात करने के लिए प्रमापित माप को लागु

Ques- 7 . Write four objectives of Project Appraisal.

Ans- Project appraisal a major tool for an analysis of any proposed project . If helps in identifying the projected costs and estimated profit with the following objectives : -

(1) To identity the probable costs and anticipated profit from the project under way.

(2) To finally realize the ultimate goods of the project.

(3) To collect various relevant informations on the basis of which the success or failure of project be as curtained.

(4) To establish a parameter or a standard against which the rate of success and failure be gauged.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहु सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. कोष प्रवाह विवरण एवं स्थिति विवरण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Differenciate between fund flow statement and Balance sheet.

कोष प्रवाह विवरण एवं स्थिति विवरण में निम्नलिखित अंतर हैः–

1. कोष प्रवाह विवरण कार्यशील पूँजी में परिर्वतन की व्याख्या करता है, जबकि स्थिति–विवरण व्यवसाय की गतिशील स्थिति का चित्र प्रस्तुत करता है।
2. कोष प्रवाह विवरण में केवल कार्यशील पूँजी को प्रभावित करने वाली मदें ही दिखायी जाती है, जबकि स्थिति–विवरण में परिसम्पतियों, दायित्वों व पूँजी खाते के शेषों को दिखाया जाता है।
3. कोष प्रवाह विवरण व्यवसाय की स्थिति के साथ–साथ वित्तिय क्रियाओं के परिर्वतनों व प्रवाहों का विश्लेषण करता है, जबकि स्थिति विवरण एक निश्चित तिथि को केवल व्यवसाय की वित्तिय स्थिति को दिखाता है।
4. कोष प्रवाह विवरण व्यवसाय के आंतरिक प्रबंध के लिए तथा बाह्य पक्षों के लिए भी उपयोगी होता है, किन्तु स्थिति–विवरण बाह्य पक्षों के लिए अधिक उपयोगी होता है।
5. कोष प्रवाह विवरण में केवल वे खाते दिखाये जाते है जिनसे कार्यशील पूँजी में परिर्वतन होते है, जबकि स्थिति–विवरण में खातें के शेषों को दिखाया जाता है।
6. कोष प्रवाह विवरण बड़े व्यवसायिक प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किया जाते है, स्थिति–विवरण प्रत्येक व्यवसायिक प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किया जाता है।
7. कोष प्रवाह स्थिति–विवरण और आय खाते की सहायता से तैयार किया जाता है, जबकि स्थिति–विवरण तनपट और अन्य समायोजन की सहायता से तैयार किया जाता है।
8. कोष प्रवाह विवरण का क्षेत्र सीमित हैं क्योकि यह केवल कार्यशील पूँजी में परिर्वतन को दर्शाता है, जबकि स्थिति–विवरण का क्षेत्र विस्तृत है क्योंकि यह व्यवसाय की स्थिति को दर्शाता है।

9. उद्यमी पूँजी वित्त के लिए योग्याताएँ के बारे में लिखिए।

उत्तर– भारत सरकार के अनुसार, निम्नलिखित संगठन उद्यमी पूँजी वित्त लेने में सक्षम है –

(I) तकनीक – नई या अपरीक्षित तकनीक या बहुत नजदीकी तगनीकी या वह तकनीक जो अभी–अभी वाणिज्य क्षेत्र में आई हो या जो भारत में प्रचलित तकनीकों में सुधार कर सकती हों।

(II) आकार – कुल निवेश 200 मिलियन रूप्ए से अधिक नहीं होना चाहिए।

(III) उद्यमिता – नए, व्यावसायिक या तकनीकी रू‍प से योग्य व्यक्ति जिनके पास पर्याप्त संसाधन या परियोजना के लिए वित्त न हो। उद्यमी पूँजी, ट्रेडिंग, ब्रोकिंग, वित्त सेवाओं में निवेश या एजेंसी आदि संगठनों को, वित्त नहीं देती। भारत में एक उद्यमी पूँजी फर्म को उद्यमी पूँजी क्रिया में कम से कम 75% तक फण्डों का निवेश करने की जरूरत होती है तथा इसका प्रबन्ध व्यावसायिक लोगों द्वारा होना चाहिए।

(IV) संगठन – उन संगठनों को सहायता दी जाती है जिनका जोखिम दूसरों की तुलना में नई, अपरीक्षित तथा बहुत नजदीकी तकनीक के कारण ज्यादा होता है तथा/या जिनके उद्यमी भी नए होते है तथा अनुभवी नहीं होते परन्तु वह योग्य होते है तथा उनके संगठनो का आकार भी विनीत होता है।

(V) सहायता – सहायता मुख्य रूप से साधारण सहायता हेाती है। ऋण सहायता भी दी जा सकती है।

(VI) विदेशी अंश पूँजी – उद्यमी पूँजी फर्मो में विदेशी अंश पूँजी विनियोग कुल निवेश के 25% से अधिक नहीं होना चाहिए।

(VII) ऋण समता अनुपात – न्यूनतम ऋृण समता अनुपात 1:15 होना चाहिए।

10. बाह्य विज्ञापन के लाभ लीखिए।

उत्तर– बाह्य विज्ञापन के लाभ निम्नवत् है–

(1) जनता को तुरन्त सूचना – विज्ञापन का यह साधन अत्यन्त प्रचलित एवं उपयोगी है। इसके द्वारा अधिकाधिक जनता को तुरन्त सूचना दी जाती हे।

(2) सुगम ध्यानाकर्शण – राहगीरों का ध्यानाकर्शण सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। इसके द्वारा सड़क पर चलते हुए व्यक्ति स्वयं ही आकर्शित हो जाते है।

(3) स्थानीय फुटकर व्यापारियों को लाभ – ऐसे विज्ञापन स्थानीय फुटकर विक्रेताओं के लिए बहुत लाभदायक होते है क्योंकि वे वस्तु की माँग उत्पन्न करके उनकी बिक्री में वृद्धि करते है। ग्राहक स्वयं वस्तु को माँगता हुआ आता है, अतः उनको उस वस्तु का प्रचार करने की आवश्यकता नहीं रहती।

(4) बजार का चुनाव में लोच – बाह्य विज्ञापन के लिए बाजार के चुनाव में लोच रहती है। इस प्रकार का विज्ञापन किसी भी स्थान (जैसे– स्थानीय बाजार, मेले, प्रदर्शनी आदि) पर किया जा सकता है।

(5) कम लागत – इस प्रकार के विज्ञापन की आयु तथा लाभों को देखते हुए विज्ञापन व्यय अपेक्षाकृत कम आता है।

(6) आकार में सुगम परिवर्तन – विज्ञापन का आकार आवश्यकतानुसार घटाया था बढ़ाया जा सकता है। इसके द्वारा विज्ञापन अत्यन्त कलात्मक ढंग से किया जा सकता है।

(7) दीर्घ आयु – इसका जीवन अन्य विज्ञापनों की अपेक्षा दीर्घकालीन है। दीवार पर चित्रित विज्ञापन अथवा सड़क पर लगे हुए बोर्ड महीनों तक चलते है।

11. परियोजना प्रतिवेदन की विशय वस्तु अथवा दी जाने वाली बाते क्या है?

उत्तर– परियोजना प्रतिवेदन की विशय वस्तु अथवा दी जाने वाली बाते–

(1) सामान्य सूचनाएँ – सामान्य सूचनाओं में उत्पाद की किस्म, आकार, प्रकार, रंग–रूप, बाजार में उत्पाद की वर्तमान माँग एवं पूर्ति तथा उत्पाद की भावी सम्भावनाओं आदि के बारे में आवश्यक सूचना निहित होती है। इसके अतिरिक्त उद्यमी का नाम, स्वामित्व का प्रारूप, पता, व्यवसाय का आकार, पारिवारिक पृश्ठभूमि, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुभव तथा क्षमता आदि से सम्बन्धित सूचनाओं का भी समावेश होता है।

(2) परियोजना विवरण – इसमें परियोजना का स्थान, संरचना, लागत, शक्ति के स्त्रोत, कच्चा माल, निर्माण प्रक्रिया, यन्त्र एवं संयन्त्र का विवरण, तकनीक, परिवहन, संचार, जल सुविधाएँ, परियोजना संयन्त्र, संयन्त्र क्षमता, किस्म नियन्त्रण, माल निकासी व्यवस्था, भावी विकास आदि के सम्बन्ध में सूचनाएँ होती है।

(3) वित्त के स्त्रोत – इसमें वित्त के स्त्रोतों, जैसें – सावधि ऋण, उद्यमी की निजी पूँजी, वित्तीय संसीओं से प्राप्त धनराशि, विदेशी पूँजी, ऋण आदि के बारे के पृथक्–पृथक् विवरण होता है।

(4) पूँजी लागत तथा कार्यशील पूँजी – इसमें भूमि, भवन, संयन्त्र, फर्नीचर, प्रारम्भिक व्यय आदि में विनियोजित पूँजी तथा विद्यमानता का आवश्यक विवरण दिया गया होता है। साथ ही व्यवसाय के संचालन के लिए आवश्यक कार्यशील पूँजी का भी उल्लेख होता है।

(5) बाजार सम्भावनाएँ – इसके अन्तर्गत उत्पाद की माँग तथा पूर्ति की विद्यमान तथा भावी सम्भावनाएँ, विपणन व्यूहरचना, विक्रय क्षेत्र, बाजार की मौसमी प्रकृति, प्रतियोगिता का स्तर आदि से सम्बन्धित सूचनाओं का उल्लेख होता है।

(6) वित्तीय परिणाम/लाभ – इसमें परियोजना के भावी परिणामों तथा सम्भावित लाभों का उल्लेख किया जाता है।

(7) परियोजना क्रियान्वयन कार्यक्रम – इसमें परियोजना के क्रियान्वयन का चरणबद्ध एवं समयबद्ध विवरण दिया जाता है।

(8) सारांश – इसमें सम्पूर्ण परियोजना प्रतिवेदन की सभी प्रमुख बातों का सारांश दिया गया होता है।